फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 160 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 10 जनवरी, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

What If the Titanic Had Never Sunk ?

Wallace Hartley and his band, whose melodies famously calmed passengers during the real disaster, would have played triumphant tunes as the Titanic docked.

Virtual Green Space

Why is Anxiety Worse at Night? Why is night-time often anxiety o'clock? Here's what to know.

दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस अकेली और अलग-थलग पड़ी

इंडिया गठबंधन के सभी दल केजरीवाल के समर्थन में खुलकर सामने आए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। दिल्ली में कांग्रेस एकदम अकेली पड़ गई है, क्योंकि इंडिया एलायन्स के सभी घटक दलों और कांग्रेस के सहयोगियों ने आगामी चुनावों में आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का निर्णय लिया है।

इसके लिए कांग्रेस नेता और पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन को जिम्मेवार माना जा रहा है, जिन्होंने न केवल कांग्रेस के चुनाव प्रचार को पटरी से उतार दिया बल्कि यह भी सुनिश्चित कर दिया की इंडिया गठबंधन के सभी दल केजरीवाल का समर्थन करें।

अजय माकन ने केजरीवाल को देशद्रोही और फर्जीवाल कहा। केजरीवाल ने तो इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों से यह तक कह दिया कि कांग्रेस को गठबंधन से निकाल कर बाहर फेंके दें। उन्होंने यह भी कहा कि अजय माकन को माफी मांगनी चाहिए।

माकन ने कहा था कि वे प्रेस कॉन्फ्रैंस करके बात विस्तार से बताएंगे, किस प्रकार से केजरीवाल देशद्रोही है, पर उसके पहले ही कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें रोक दिया और प्रैस कॉन्फ्रैंस करने से मना कर दिया। यह निर्णय एक वरिष्ठ गठबंधन सहयोगी के फोन कॉल के बाद किया गया। कांग्रेस से कहा गया कि आम आदमी पार्टी गठबंधन की घटक

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और उद्धव ठाकरे तो केजरीवाल के समर्थन में चुनावी रैली को भी संबोधित करेंगे।
- दिल्ली विधानसभा के त्रिकोणात्मक चुनाव में कांग्रेस को सबसे कमज़ोर माना जा रहा है। इसके विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभरने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है।
- कांग्रेस की इस दशा के लिए अजय माकन को जिम्मेवार ठहराया जा रहा है, जिन्होंने केजरीवाल को देशद्रोही और फर्जीवाल कहा तथा वे तो केजरीवाल के खिलाफ एक प्रैस कॉन्फ्रैंस भी करने वाले थे।
- पर, केजरीवाल की शिकायत पर इंडिया गठबंधन के एक वरिष्ठ नेता के कॉल के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने अजय माकन पर अंकुश लगाया।
- अब स्थिति ऐसी है कि कांग्रेस का चुनाव प्रचार एकदम फीका पड़ चुका है, यह तक पूछा जा रहा है कि क्या कांग्रेस दिल्ली चुनाव के लिए गंभीर है।

संभल की शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। संभल शाही जामा मस्जिद मैनेजमेन्ट कमेटी गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय पहुँच गई। कमेटी ने सर्वोच्च न्यायालय से मांग की कि जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये जायें कि मस्जिद की सीढ़ियों/ प्रवेश द्वार के पास स्थित निजी कुएं के सम्बंध में यथास्थिति बरकरार रखी जाये।

कमेटी ने जिला मजिस्ट्रेट को यह निर्देश देने की भी मांग की कि कुएं की जांच के सम्बंध में कोई कदम न उठाये जायें तथा शीर्ष अदालत की आवश्यक अनुमति के बिना मस्जिद के प्रवेश द्वार पर स्थित कुएं को खोला नहीं जाये।

- कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया कि जिला प्रशासन को यथास्थिति बनाये रखने का निर्देश दिया जाए, खासकर मस्जिद की सीढ़ी के पास बने कुएं के संदर्भ में।

जिला मजिस्ट्रेट को निर्देश देने की मांग करने वाले प्रार्थनापत्र में कहा गया है: "संभल का जिला प्रशासन शहर के पुराने मंदिरों तथा कुओं के जीर्णोद्धार का अभियान चला रहा है तथा रिपोर्ट बता रही हैं कि कम से कम 32 पुराने तथा काम में नहीं आ रहे मंदिरों का जीर्णोद्धार

(शेष पृष्ठ 3 पर)

आर.पी.एस.सी. को एक बार फिर दोषी पाया हाई कोर्ट ने

2019 की पशुचिकित्सक भर्ती में नयी मैरिट लिस्ट जारी करने के आदेश दिये

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 9 जनवरी (कासं)। जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट, में राज्य सरकार द्वारा 2019 में 900 पशु चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया में अयोग्य अभ्यर्थियों को चुने जाने के खिलाफ दायर रिट याचिका पर सुनवाई हुई। इस मामले में 80 से अधिक याचिकाकर्ताओं ने अलग-अलग मुद्दों पर याचिका दायर की थी। परन्तु मुख्य तौर पर अदालत के समक्ष जो विवाद उभर के सामने आया, वह यह था कि राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन (आर.पी.एस.सी.) ने अभ्यर्थियों की परीक्षा के बाद मैरिट लिस्ट में उन अभ्यर्थियों का चयन कर लिया, जो पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन (बी.वी.एससी.) के अंतिम सत्र में पढ़ रहे थे, जबकि नियम यह कहता है कि केवल उन अभ्यर्थियों का चयन किया जा सकता है, जिन्होंने अंतिम सत्र की आखिरी परीक्षा दी हो। इस मामले में याचिका कर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास बालिया, आर.एन. माथुर, संदीप शाह, अधिवक्ता तनवीर अहमद और रघुनन्दन शर्मा पैरवी के लिए पेश हुए थे।

इस मामले की जिरह के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि 22 अक्टूबर 2019 को जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार, 900 पशुचिकित्सक के पदों की भर्ती के लिए

- इस भर्ती प्रक्रिया में नियम था कि केवल उन अभ्यर्थियों को चयनित किया जा सकता है जो पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन (बी.वी.एससी.) के डिग्री धारक हों या कोर्स के अंतिम सत्र की आखरी परीक्षा में भाग ले चुके हों।
- परन्तु आर.पी.एस.सी. ने कई ऐसे अभ्यर्थियों का चयन किया था जिनके पास डिग्री नहीं थी और जो पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन (बी.वी.एससी.) डिग्री के अंतिम सत्र के छात्र थे।

राज्य सरकार ने केवल दो ही मानक तय किये थे। पहला, कि अभ्यर्थियों के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पशु चिक्तिसा विज्ञान और पशुपालन (बी.वी.एससी.) की डिग्री हो और उसे राजस्थानी संस्कृति के बारे में जानकारी हो और देवनागरी लिपि पढ़नी- लिखनी आती हो।

याचिकाकर्ताओं का कहना था कि राज्य सरकार के पशुपालन सेवा नियम 1963 के अनुसार, अकादमिक और तकनीकी योग्यता उन्हीं अभ्यर्थियों को दी जा सकती है, जो पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन (बी.वी.एससी.) की डिग्री के आखरी सत्र की अंतिम परीक्षा में पेश हो चुके हों।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास बालिया ने अदालत को बताया कि वर्ष 2011 और वर्ष 2013 की भर्तियों पर ऐसा ही विवाद पैदा हुआ था, तब राज्य सरकार ने नियमों का ही हवाला देते हुए पुरजोर तरीके से कहा था कि केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को चुना जा सकता है, जो पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन (बी.वी.एससी.) कोर्स के अंतिम सत्र की आखिरी परीक्षा दे चुके हैं। इसलिए आर.पी.एस.सी. अब अभ्यर्थियों को उनके हक से वंचित नहीं कर सकती।

वहीं, आरपीएससी की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता महेश थानवी ने अदालत को कहा कि पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय ने अपने आखिरी सत्र के अंतिम परीक्षा 16 नवंबर 2019 को घोषित की थी, परन्तु विज्ञप्ति के अनुसार फॉर्म भरने की आखरी तारीख 24 नवंबर 2019 थी, जिससे साफ

(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रदेश को 5 हजार मैगावाट का मिला अतिरिक्त आवंटन

जयपुर, 9 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए के अंतर्गत 5 हजार मेगावाट के अतिरिक्त आवंटन को मंजूरी दी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य होने के दृष्टिगत केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी को पत्र लिखकर पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत अतिरिक्त आवंटन का अनुरोध किया था। साथ ही, हाल ही में मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री से मुलाकात के दौरान इस संबंध में चर्चा की थी।

राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में पीएम कुसुम योजना के क्रियान्वयन

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के संकल्प की दिशा में अहम कदम।
- मुख्यमंत्री भजनलाल की कोशिशों के कारण केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत अतिरिक्त बिजली आवंटन को मंजूरी दी है।

गुरुवार को एच.एम.पी.वी. के दो मामले और मिले

नयी दिल्ली, 09 जनवरी। कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के गुरुवार को 2 केस मिले हैं। पहला मामला उत्तर प्रदेश का है। जहाँ, लखनऊ में 60 साल की महिला पॉज़िटिव पाई गई है।

गुजरात के हिम्मतनगर में 7 साल के एक बच्चे की एचएमपीवी रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है। हालांकि, यह रिपोर्ट प्राइवेट अस्पताल की लैब की है। देश में

- गुजरात और लखनऊ के नये मरीजों के साथ देश में एच.एम.पी.वी. रोगियों की संख्या 11 हो गई।

वायरस से जुड़े कुल 11 मामले हो गए हैं। महाराष्ट्र में 3, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और यूपी में एक-एक केस सामने आए हैं।

एचएमपीवी केस सामने आने के बाद राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पंजाब में बुजुर्गों और बच्चों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। गुजरात में अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'सायबर फ्रॉड के पीड़ित को एस.बी.आई. पैसा लौटाए'

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को सायबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों के कारण बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने, एक महत्वपूर्ण निर्णय के अन्तर्गत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को निर्देश दिये हैं कि वह असम के साइबर फ्रॉड पीड़ित को 94,000 रु. रिफन्ड करे। यह फैसला वित्तीय संस्थानों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर विशेष प्रकाश डालता है कि वे ऑन लाइन घोटालों से ग्राहकों के पैसे की रक्षा करें तथा साइबर फ्रॉड के मामलों से निपटने की महत्वपूर्ण नजीर कायम करें।

यह घटना उस समय हुई, जब फ्रॉड का शिकार बना यह व्यक्ति, जो 4000 रु. की कीमत का लूइस फिलिप ब्लैजर लौटाने की कोशिश कर रहा था, एक घोटालेबाज के चंगुल में फंस गया, जिसने स्वयं को कस्टमर सर्विस रिप्रैज़ेंटेटिव बताया। फ्रॉड करने वाले ने चालाकी से पीड़ित से एक दुर्भावपूर्ण ऐप इन्स्टाल कराई, जिसके फलस्वरुप उसने पीड़ित के एस.बी.आई. खाते से

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला असम के एक मामले में आया है, जहाँ पीड़ित एक सामान लौटाने के चक्कर में फ्रॉड करने वाले के जाल में फंस गया और उसके खाते से 94,204 रूपये निकल गए।
- जैसे ही पीड़ित को इस ऑनलाइन ट्रांज़ैक्शन का पता चला, उसने खाता बंद करवा दिया तथा नैशनल सायबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्ट भी किया।
- पीड़ित के त्वरित एक्शन के बाद भी बैंक ने अपनी जवाबदेही से इन्कार कर दिया, जिस पर पीड़ित ने कानूनी कार्यवाही की। सत्र न्यायालय व गुवाहाटी हाई कोर्ट ने पीड़ित के पक्ष में फैसला दिया।
- फैसले के खिलाफ बैंक ने सुप्रीम कोर्ट के में अपील की, पर, इसने भी पीड़ित के पक्ष में फैसला दिया है।

एस.आई.भर्ती रद्द करने से हिचक रही है राज्य सरकार

राज्य सरकार ने कहा कि हमें चीटिंग करने वाले और सही अभ्यर्थी को अलग करने के लिए और समय चाहिए

जयपुर, 9 जनवरी (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई भर्ती-2021 को लेकर न्यायाधीश सुनील जैन की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। जिरह के दौरान राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाअधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) की जांच लंबित है और सरकार स्पष्ट जबाब नहीं दे सकती कि जांच कब खत्म होगी और सभी अपराधियों के नाम सामने आयेंगे या नहीं। उल्लेखनीय है कि स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) की एक रिपोर्ट में भी कहा गया कि इस मामले में जांच अंतहीन है और जितनी गहराई से मामले को जांचा जा रहा है उससे आरोपियों की संख्या तो बढ़ रही है, परंतु पुख्ता सबूत जुटाना बहुत ही जटिल कार्य है। इन तथ्यों को सामने रखते हुए राज्य सरकार ने अदालत को कहा कि वर्तमान में वह परीक्षा रद्द करने के पक्ष में नहीं है। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को हिदायत दी कि भर्ती को लेकर ऐसा कोई काम ना करे, जिससे अदालत की ओर से दिए आदेश की अवमानना हो। साथ ही अदालत ने केन्द्र सरकार के वकील, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (ए.एस.जी.) और वरिष्ट अधिवक्ता राज दीपक रस्तोगी को न्याय मित्र घोषित कर अदालत की सहायता करने के आदेश दिये।

इस मामले में याचिकाकर्ता कौशलचन्द शर्मा व अन्य की ओर से अधिवक्ता हरिन्द्र नील पैरवी के लिए पेश हुए थे और उन्होंने भी सुनवाई शुरू होते ही कहा कि राज्य सरकार अपनी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- राज्य सरकार की तरफ से पैरवी करते हुए ए.ए.जी. ने कहा, राज्य सरकार मामले की तह तक जाना चाहती है, लेकिन याचिका में भर्ती को रद्द करने की मांग की गई है, जिससे जाँच प्रक्रिया पटरी से उतर सकती है।
- राज्य सरकार का यह भी कहना है कि अगर 2021 की परीक्षा रद्द की जाती है तो रिक्त पदों की संख्या हजारों में पहुँच जाएगी, क्योंकि 2021 से लेकर 2025 तक सब इंस्पैक्टर के पद पर एक बार भी भर्ती नहीं हुई है।
- अदालत ने केन्द्र के ए.एस.जी. आर.डी. रस्तोगी को न्याय मित्र घोषित किया। रस्तोगी ने खुद इसका विरोध किया, पर, हाई कोर्ट ने विरोध को दरकिनार कर कहा कि केन्द्र इसमें पक्षकार नहीं है, तो रस्तोगी न्याय मित्र बन सकते है।

विचार बिन्दु

युद्ध के लिए तैयार रहना शांति स्थापित रखने के लिए एक बहुत प्रभावशाली साधन है। –वाशिंगटन

जानें : चुनाव, मतदाता पंजीकरण और वोट देने की शक्ति क्या है?

हमारे देश भारत में निर्वाचकों की मुख्य तीन श्रेणियां हैं। प्रथम सामान्य निर्वाचन, द्वितीय प्रवासी (एनआरआई) व तृतीय प्रवासी निर्वाचन।

प्रत्येक भारतीय नागरिक जिसकी आयु 18 वर्ष है (निर्वाचक नामावली के तैयार करने के वर्ष के जनवरी माह के प्रथम दिन को 18 वर्ष प्राप्त कर लिये हों) और वह किसी कानून के तहत् निरर्हित न किया गया हो, वह मतदान का अधिकारी है तथा वह जिस स्थान की नामावली है उसमें मतदाता के रूप में पंजीकृत कराने का अधिकारी है। यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि केवल भारत का नागरिक भारत में मतदान करने का अधिकारी है। मतदान करने के लिये उसका नाम नामावली में होना आवश्यक है। चुनाव में खडा होने के हेतु नामावली की रजिस्टर्ड प्रतिलिपि, नोमीनेशन फार्म के साथ लगाना आवश्यक है। भारत का नागरिक यदि अन्य देश की नागरिकता प्राप्त कर लेता है तो वह निर्वाचक नामावली में पंजीकरण कराने का पात्र नहीं हो सकता। एक व्यक्ति के पास विदेशी पासपोर्ट है किसी ने आपत्ति की है कि वह दूसरे देश का नागरिक है, इस आधार पर उनके विरूद्ध एक रिट् याचिका कोर्ट में लम्बित है, देखना है न्यायालय इस आपत्ति का समाधान क्या निकालता है? लोक प्रतिनिधित्व (संशोधन) अधिनियम 2010 के द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20 के प्रावधानों के अनुसार भारत का वह नागरिक जिसने किसी अन्य देश की नागरिकता प्राप्त नहीं की है और जो मतदाता के रूप में पंजीकरण हेतु अन्यथा पात्र है तथा जो अपने रोजगार, शिक्षा आदि के कारण भारत में अपने सामान्य निवास स्थान पर नहीं रह रहा है, वह निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में रजिस्टर होने का पात्र है जहां उसके पासपोर्ट में भारत में उसके निवास स्थान का उल्लेख किया गया है।

भारत का नागरिक जिसकी आयु 18 वर्ष की है वह उस निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें उसका सामान्य निवास शामिल है, वहां विनिर्दिष्ट प्रपत्र 6 में आवेदन निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष इस प्रयोजन हेतु प्रेषित कर सकता है। ऐसे प्रपत्र को भरकर डाक से भी भेजा जा सकता है। ऑनलाइन भी यह सुविधा प्राप्त है। प्रारूप 6 ऑनलाइन भरते समय आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां भी अपलोड की जानी चाहिये। वस्तुत: सभी स्थितियों में प्रारूप 6 के साथ पासपोर्ट आकार का फोटोग्राफ, आयु व निवास का दस्तावेज लगाना आवश्यक आवास के लिये राशनकार्ड काम में लिया जा सकता है। प्रपत्र 6क प्रवासी भारतीय निर्वाचकों के लिये है। फार्म 8 का उपयोग मतदाता जो अपना निवास स्थान बदलते हैं उनके लिये है। फार्म नं. 6बी का संबंध आधार कार्ड से है, जो प्रमाणिकता के लिये काम में लिया जाता है।

चुनाव के कुछ महिनों पहले हर निर्वाचन क्षेत्र मतदाताओं की एक लिस्ट बनाई जाती है जिसे मतदाता सूची या वोटर्स लिस्ट कहा जाता है। मतदाता सूची में समय समय पर संशोधन होता रहता है ताकि नये मतदाताओं को जोड़ा जा चुके हैं और मृत हुये लोगों के नाम हटाये जाते हैं बंगला देश से बहुत लोगा भारत में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करके आते हैं और राजनीतिक पार्टियां इन्हें मतदाता सूची में शामिल कराते हैं। बंगाल में यह काम हो रहा है। दिल्ली आदि बड़े शहरों में भी मतदाता सूची में नाम जोड़े गये हैं। ऐसा आरोप है मुस्लिम धर्म के लोगों को वोट बैंक मानकर मतदाता सूची में शामिल किया जाता है। फार्म नं. 7 जो मतदाता सूची में नाम जोड़ने व काटने के हेतु प्रयोग में लिया जाता है।

प्रत्येक मतदाता को चुनाव में अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। चुनाव ही हमें अवसर देता है कि भ्रष्ट व असफल सरकारों को सत्ता से बाहर करें। जब सही गुणवान अच्छे, निष्पक्ष चुनावों में जीतकर आवेंगे तभी देश का सही विकास होगा। कभी भी जाति, धर्म, अथवा फ्रीबीज (मुफ्त की रेवडी) अथवा लोक लुभावन वादों के आधार पर मतदान न करें। ये सब लोकतंत्र के हेतु अभिषाप है।

चुनाव का विषय संविधान के अनुच्छेद 324 से संबंध रखता है और चुनाव आयोग को संविधान में असीम अधिकार दिये हुये हैं। इस प्रकार चुनाव आयोग को विधायिका, न्यायपालिका व एक्जिक्यूटिव के अधिकार प्राप्त हैं। चुनाव का विषय में भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है। यह प्राधिकरण भारत में निर्वाचन प्रक्रियाओं के लिये उत्तरदायी है। मतदाता हेल्पलाइन एप निर्वाचन नामावली में अपना नाम खोजने, ऑनलाइन प्रारूप भरने, निर्वाचकों के बारे में जानने और सबसे महत्वपूर्ण शिकायत दर्ज कराने की सुविधा प्रदान करता है।

प्रत्येक स्टेट में स्टेट इलेक्शन कमीशन है। चुनाव का पूरा विषय जानने व समझने के लिये लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 है। साथ ही इनके तहत् बनाये गये नियम हैं। मतदाता सूचियों के लिये रजिस्ट्रेशन आफ इलेक्टर्श रूल्स 1960 है। इनमें समय समय पर संशोधन होते रहे हैं। संशोधन के कारण ही प्रत्येक मतदाता को पहिचान पत्र (Identity Card) दिया जाता है, जिससे मतदान में सुविधा होती है मतदान करने में समय नहीं लगता।

मतदान होने पर प्रत्येक भारतीय को गर्व होना चाहिये। चुनाव के बाद के विवाद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1971 के अनुसार निर्णित किये जाते हैं और मतदाता सूची के विवाद चुनाव अधिकारी निपटाते हैं। चुनाव के विषय में सिविल कोर्ट का अधिकार क्षेत्र निषेध किया गया है। चुनाव परिणाम के बाद चुनाव याचिका पेश की जाती है चुनाव ट्रायब्यूनल के रूप में हाईकोर्ट का काम करता है।

मतदाता सूची, मतदान पहचान पत्र अथवा निर्वाचन सम्बन्धित कोई भी शिकायत को दर्ज करवाने के लिये मतदाता वेबसाइट पर लॉग-इन कर अपनी शिकायत/परेशानी संबंधित अधिकारी को दर्ज रजिस्टर करा सकते हैं। कई अधिकारी समक्ष हैं निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी इस काम के लिये सक्षम है।

यदि मतदाता सूची में आपका केाई भी विवरण गलत है, यानी गलत दर्ज है। ये गलतियां नाम के वर्तनी में अशुद्धि, उम्र के संबंध की अशुद्धि लिंग की अशुद्धि, निवास के पते की गलती आदि हो।

जैसा ऊपर कहा है कि 18 वर्ष की आयु का व्यक्ति मतदान करने का अधिकारी है, किन्तु उसका नाम मतदाता सूची में होना आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त है अथवा सक्षम न्यायालय द्वारा विक्षिप्त घोषित किया गया है अथवा चुनाव अपराधों में करप्ट प्रेक्टिस के कारण अयोग्य घोषित किया है तो वह मतदान करने व मतदाता सूची में नामांकन नहीं करा सकते।

दिल्ली का चुनाव 5 फरवरी 2025 को होने जा रहा है। राजनीतिक पार्टियों ने एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाये हैं। मतदाता सूचियों में 29.11.2024 से 6.1.2025 तक 82450 नाम काटे गये हैं और 4 लाख 80 हजार नये नाम जोडने के आवेदन प्राप्त हुये हैं तथा 2 लाख 8 हजार 302 नये नाम जोडे। 6 जनवरी 2025 को मतदाता सूची फाइनल हुई है। एक ण्दहेूलहम्ब (सीमापुरी) में 25 गज के मकान में 2 लोग रहते हैं जहां मतदाता सूची में 38 नाम हैं। ऐसी घटना कई जगह है दिल्ली में कुल मतदाता 1 करोड 55 लाख 24 हजार 850 है। यह घटना दिल्ली की है किन्तु राजस्थान अथवा राज्य में भी हो सकती है। इस लेख का उद्देश्य सभी लोगों को मतदाता सूची के बाबत जानकारी देना व उसके महत्व को समझाना है।

भारत विश्व का सबसे बडा लोकतंत्र है जहां की केन्द्रीय सरकार प्रत्येक 5 वर्ष के बाद चुनाव प्रक्रिया से चुनी जाती है। प्रत्येक मतदाता को चुनाव में अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। चुनाव ही हमें अवसर देता है कि भ्रष्ट व असफल सरकारों को सत्ता से बाहर करें। जब सही गुणवान अच्छे, निष्पक्ष चुनावों में जीतकर आवेंगे तभी देश का सही विकास होगा। कभी भी जाति, धर्म, अथवा फ्रीबीज (मुफ्त की रेवडी) अथवा लोक लुभावन वादों के आधार पर मतदान न करें। ये सब लोकतंत्र के हेतु अभिषाप है।

एक देश, एक चुनाव समय की पुकार है।

मतदान अवश्यक करें, देश के विकास में सहयोग दें।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

मानव स्वास्थ्य के लिए पोषण, जीवनशैली और पर्यावरण में नवाचार

प्रो. अशोक कुमार

मानव स्वास्थ्य एक जटिल विषय है जो पोषण, जीवनशैली और पर्यावरण जैसे कई कारकों से प्रभावित होता है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक ने इन क्षेत्रों में कई नवाचार किए हैं, जिससे हम स्वस्थ और अधिक लंबा जीवन जी सकते हैं।

पोषण में नवाचार

व्यक्तिगतकृत पोषण: अब हम अपने जीन, माइक्रोबायोम और जीवनशैली के आधार पर व्यक्तिगत पोषण योजनाएँ बना सकते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि हम सही पोषक तत्व प्राप्त कर रहे हैं। व्यक्तिगतकृत पोषण एक ऐसा दृष्टिकोण है जिसमें आपके आहार को आपके शरीर की विशिष्ट जरूरतों के अनुसार तैयार किया जाता है। यह एक सामान्य आहार योजना से कहीं अधिक है, क्योंकि यह आपके जीन, जीवन शैली, स्वास्थ्य लक्ष्यों और अन्य कारकों को ध्यान में रखता है।

क्यों है व्यक्तिगतकृत पोषण महत्वपूर्ण?

यह आपके शरीर को वह पोषण देता है जिसकी उसे वास्तव में आवश्यकता होती है, जिससे आप अपने स्वास्थ्य लक्ष्यों को अधिक तेजी से प्राप्त कर सकते हैं।यह आपके स्वाद और पसंद को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है, जिससे आप इसे लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं। यह आपके लिए एक अद्वितीय योजना है, जो आपके शरीर की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करती है।

व्यक्तिगतकृत पोषण कैसे काम करता है?

व्यक्तिगतकृत पोषण योजना बनाने के लिए, आपके स्वास्थ्य इतिहास, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, आनुवंशिक जानकारी, और जीवन शैली का विस्तृत विश्लेषण किया जाता है। इस जानकारी का उपयोग करके, एक पोषण विशेषज्ञ आपके लिए एक व्यक्तिगत आहार योजना तैयार करता है।

व्यक्तिगतकृत पोषण के लाभ

वजन कम करना या बढ़ाना हो, व्यक्तिगतकृत पोषण आपके लिए सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोग जैसी बीमारियों को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। एथलीटों के लिए, व्यक्तिगतकृत पोषण उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। यह आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ा सकता है, आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर सकता है, और आपकी समठा भलाई में सुधार कर सकता है।

व्यक्तिगतकृत पोषण कैसे प्राप्त करें?

एक पोषण विशेषज्ञ आपके स्वास्थ्य इतिहास और लक्ष्यों के आधार पर आपके लिए एक व्यक्तिगत आहार योजना बना सकता है।

कई ऑनलाइन उपकरण उपलब्ध हैं जो आपके लिए एक व्यक्तिगत आहार योजना बनाने में मदद कर सकते हैं।आपकी आनुवंशिक जानकारी आपके लिए सबसे अच्छा आहार क्या है, यह निर्धारित करने में मदद कर सकती है। मांस के विकल्प के रूप में पौधे आधारित प्रोटीन जैसे सोया, मटर और क्विनोआ तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ये पर्यावरण के लिए भी बेहतर हैं।

फूड टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम अधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों में आवश्यक विटामिन और खनिज होते हैं।

जीवनशैली में नवाचार

फिटनेस ट्रैकर्स और स्मार्टवॉच जैसे वेअरेबल टेक्नोलॉजी हमें अपनी गतिविधि, नींद और हृदय गति पर नज़र रखने में मदद करते हैं।

तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए कई ऐप्स उपलब्ध हैं। टेलीमेडिसिन से दूर रहने वाले लोगों को भी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकती हैं।

पर्यावरण में नवाचार

सस्टेनेबल कृषि से स्वस्थ और अधिक पौष्टिक खाद्य पदार्थ पैदा होते हैं। यह पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुंचाती है। सस्टेनेबल कृषि या स्थायी कृषि एक ऐसा कृषि तरीका है जो वर्तमान पीढ़ी की खाद्य और फाइबर की जरूरतों को पूरा करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करता है। यह कृषि प्रणाली पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक रूप से टिकाऊ होती है।

सस्टेनेबल कृषि के मुख्य सिद्धांत

मृदा स्वास्थ्य: मिट्टी को जैविक पदार्थों से समृद्ध करके, फसल चक्रण और कवर क्रॉप्स का उपयोग करके मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखना।

जल संरक्षण: सिंचाई की कुशल तकनीकों का उपयोग करके, वर्षा जल संचयन और जल स्रोतों के संरक्षण पर ध्यान देना।

जैव विविधता: विभिन्न प्रकार की फसलों और पशुओं को उगाने से पारिस्थितिक तंत्र में संतुलन बना रहता है।

रसायनों का कम उपयोग: रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को कम करके पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की रक्षा करना।

ऊर्जा दक्षता: सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके ऊर्जा दक्षता को बढ़ाना।

सस्टेनेबल कृषि के लाभ

पर्यावरण संरक्षण: मिट्टी का क्षरण रोकना, जल प्रदूषण कम करना, जैव विविधता को बढ़ावा देना।

खाद्य सुरक्षा: स्वस्थ और सुरक्षित खाद्य उत्पादन करना।

आर्थिक लाभ: लंबे समय में लागत कम होती है, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार होता है।

सामाजिक लाभ: ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना, रोजगार के अवसर बढ़ाना।

सस्टेनेबल कृषि की कुछ तकनीकें

फसल चक्रण: विभिन्न प्रकार की फसलों को एक ही भूमि पर बारी-बारी से उगाना।

कवर क्रॉप्स: मुख्य फसल के साथ या बिना किसी मुख्य फसल के उगाई जाने वाली फसलें जो मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करती हैं।

जैविक खाद: पौधों और पशुओं के अपशिष्ट से बनाई गई खाद जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है।

कीट नियंत्रण के जैविक तरीके: कीटों को नियंत्रित करने के लिए प्राकृतिक शत्रुओं का उपयोग करना।

स्वच्छ ऊर्जा: स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा का उपयोग प्रदूषण को कम करता है और स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

स्मार्ट सिटीज़: स्मार्ट सिटीज़ में पर्यावरण के अनुकूल तकनीकें होती हैं जो लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं।

भविष्य में क्या है?

जीन एडिटिंग: जीन एडिटिंग से हम भविष्य में बीमारियों का इलाज कर सकते हैं और अधिक पौष्टिक फसलें पैदा कर सकते हैं।

जीन एडिटिंग: भविष्य की चिकित्सा और कृषि

जीन एडिटिंग एक ऐसी तकनीक है जिसके माध्यम से हम जीवों के डीएनए में बदलाव कर सकते हैं। यह तकनीक बीमारियों के इलाज और अधिक पौष्टिक फसलें पैदा करने जैसी कई संभावनाओं को खोलती है।

जीन एडिटिंग से बीमारियों का इलाज

आनुवंशिक बीमारियां: जीन एडिटिंग का उपयोग उन जीनों को ठीक करने में किया जा सकता है जो आनुवंशिक बीमारियों का कारण बनते हैं। जैसे कि सिकल सेल एनीमिया, हंटिंगटन रोग आदि।

कैंसर: जीन एडिटिंग का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करने और उन्हें नष्ट करने के लिए किया जा सकता है।

संक्रामक रोग: जीन एडिटिंग का उपयोग मच्छरों जैसे कीटों को संशोधित करने के लिए किया जा सकता है ताकि वे मलेरिया जैसी बीमारियों को फैला न सकें।

जीन एडिटिंग से अधिक पौष्टिक फसलें

पोषक तत्वों में वृद्धि: जीन एडिटिंग का उपयोग फसलों में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। जैसे कि गोल्डन राइस में विटामिन ए की मात्रा बढ़ाना।

रोग प्रतिरोधक क्षमता: जीन एडिटिंग का उपयोग फसलों को रोगों और कीटों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाने के लिए किया जा सकता है।

सूखा और खराब मौसम के प्रतिरोध: जीन एडिटिंग का उपयोग फसलों को सूखा और खराब मौसम के प्रति अधिक सहनशील बनाने के लिए किया जा सकता है।

जीन एडिटिंग की चुनौतियाँ

नैतिक मुद्दे: जीन एडिटिंग के उपयोग से जुड़े कई नैतिक मुद्दे हैं। जैसे कि मानव जर्मलाइन एडिटिंग, जो भविष्य की पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है।

अनिच्छित परिणाम: जीन एडिटिंग के अवांछित परिणाम हो सकते हैं जिनके बारे में हमें अभी तक पूरी तरह से पता नहीं है।

नियमन: जीन एडिटिंग के उपयोग को विनियमित करने के लिए स्पष्ट नियमों और कानूनों की आवश्यकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल में किया जा सकता है।

बायोप्रिंटिंग: बायोप्रिंटिंग का उपयोग अंगों और ऊतकों को बनाने में किया जा सकता है।

बायोप्रिंटिंग: अंगों और ऊतकों का निर्माण

बायोप्रिंटिंग एक ऐसी क्रांतिकारी तकनीक है जिसके माध्यम से जीवित कोशिकाओं, जैव सामग्री और जैव-रसायनों का उपयोग करके त्रि-आयामी (3) जैविक संरचनाओं, जैसे ऊतकों और अंगों, का निर्माण किया जाता है। यह तकनीक चिकित्सा क्षेत्र में एक नई क्रांति ला रही है।

बायोप्रिंटिंग कैसे काम करती है?

जैव-स्याही: इसमें जीवित कोशिकाएं, ग्रोथ फैक्टर और जैविक पॉलिमर जैसे हाइड्रोजेल होते हैं।

3 प्रिंटर: एक विशेष प्रकार का 3 प्रिंटर इस जैव-स्याही को परत दर परत जमा करके एक त्रि-आयामी संरचना बनाता है।

जीवित ऊतक: समय के साथ, ये कोशिकाएं बढ़ती हैं और एक जीवित ऊतक बनाती हैं।

बायोप्रिंटिंग के उपयोग

अंग प्रत्यारोपण: बायोप्रिंटिंग का उपयोग रोगी के स्वयं के कोशिकाओं का उपयोग करके नए अंग बनाने में किया जा सकता है, जिससे अंग प्रत्यारोपण में होने वाली अस्वीकृति की समस्या को कम किया जा सकता है।

-अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

813वां उर्स: बड़े कुल की रस्म के साथ उर्स का समापन आज होगा

अजमेर, (कासं)। अजमेर में चल रहे हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 813वें उर्स का समापन शुक्रवार को बड़े कुल की रस्म और जुमे की नमाज के साथ होगा। कुल की रस्म दरगाह से जुड़े खादिमों द्वारा अदा की जाएगी। केवड़े, इत्र और गुलाब जल से दरगाह परिसर की धुलाई की जाएगी। ख्वाजा साहब के उर्स की आखिरी रस्म बड़ा कुल पर शुक्रवार सुबह 8:30 बजे आस्ताना शरीफ में खिदमतगार खादिमों द्वारा गुस्ल दिया जाएगा और ख्वाजा साहब की मजार पर नया गिलाफ पेश किया जाएगा।

आस्ताना शरीफ के बाहर अकीदतमंदों द्वारा दरगाह की दरों दीवार की धुलाई करेंगे। इस दौरान पानी को शीशियों में भरकर बतौर तबर्रुक ले जाएंगे। बड़े कुल की रस्म में शिरकत के लिए अकीदतमंद का अजमेर

■ **बड़े कुल की रस्म में शिरकत के लिए अकीदतमंदों का अजमेर पहुंचने का सिलसिला जारी**

पहुंचने सिलसिला जारी है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से लोग यहां पहुंच रहे हैं। इधर दरगाह परिसर में रात से ही अनेक अकीदतमंद ने बड़े कुल के छींटे देने शुरू कर दिए। आस्ताना शरीफ मामूल होने के बाद यह सिलसिला शुरू हुआ,अकीदतमंद आस्ताना शरीफ की दीवार को केवड़े व गुलाब जल से धोते नजर आए। दरगाह कमेटी से प्राप्त जानकारी के अनुसार उर्स के दौरान पड़ने वाले दूसरे जुमे की नमाज होगी और इसी दिन बड़े कुल की रस्म भी अदा की जाएगी। एक ही दिन और लगभग एक ही समय के चलते दरगाह कमेटी द्वारा नई व्यवस्था के तहत कुल की रस्म एक घंटे पहले की जाएगी, इसके बाद जुम्मे की नमाज अदा की जा सकेगी। उर्स में आम तौर पर छोटे कुल की रस्म में भाग लेने के बाद जायरीन का लौटना शुरू हो जाता है। इस बार बड़े कुल वाले दिन ही शुक्रवार है, इसलिए अधिकांश जायरीन दोपहर को नमाज पढ़ने के बाद ही जाएंगे। हालांकि उर्स के दिनों में दरगाह में जायरीन की जियारत का सिलसिला चलता रहता है, लेकिन इस बार बड़े कुल और जुम्मा एक ही दिन होने से बड़ी संख्या में जायरीन अजमेर में मौजूद रहेंगे।

दिल्ली सीएम आतिशी व पूर्व सीएम केजरीवाल की चादर पेश : ख्वाजा साहब के 813 वें सालाना उर्स के मैके पर वीआईपी चादरों का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से प्रतिनिधियों ने चादर पेश की। चादर पेश कर देश में अमन, चैन, शांति और भाईचारा की दुआ की गई। इसके बाद दरगाह के बुलंद दरवाजे पर भेजा गया संदेश भी पढ़ा गया।

गुरुवार को दिल्ली स्टेट उर्स कमेटी के अध्यक्ष एफआई इस्माइली पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी की चादर लेकर अजमेर दरगाह पहुंचे। चादर पेश करने के बाद मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का संदेश पढ़ा गया। दिल्ली उर्स कमेटी के अध्यक्ष एफआई इस्माइली ने कहा कि दिल्ली में अगले महीने चुनाव होंगे। दिल्ली में थोड़ा माहौल अलग बना हुआ है। एक काम करने वाली पार्टी है, हम यही दुआ करेंगे कि जिन्होंने दिल्ली में काम किया उन्हें का लोग सपोर्ट करेंगे।

वहीं नागपुर में दरगाह ताजुद्दीन बाबा से आए दल ने 813 वें उर्स के मौके पर जियारत की ओर मखमली गिलाफ पेश किया। दल को अंजुमन यादगार के संयुक्त सचिव शेखजादा इमरान मोहम्मद चिश्ती ने जियारत कराई और दस्तारबंदी की खादिम शेखजादा इरफान चिश्ती ने सभी को तबर्रुक भेंट किया। दल हर वर्ष उर्स के मौके पर अजमेर आकर हाजरी देता है। इस मौके पर काशिफ ताजी खादिम ताज बाबा, नोमान अशरफी, रजा मतीन, रफीक, कोनेन अशरफी, अवेज, उस्मान खान, सरफराज, मुजम्मिल खान, फैजान, अयाज खान, शाकिर अली, नूरू खान, मुंबश्शिर, अकील, सूफी रजा, रिजवान, शरिक कुरैशी, तारिक, फरमान ताजी, अहमद अली मौजूद रहे।

देवली शहर में चाइनीज़ मांझा की बिक्री धड़ल्ले से

देवली, (निसं)। इन दिनों मकर संक्रांति त्योहार के चलते यहां पतंगबाजी का दौरा जोर-शोर से शुरू हो गया है। पतंगबाजी में प्रतिबंध चाइनीज़ मांझे की डोर का इस्तेमाल हो रहा है।

यहां खुलेआम बिक रहा प्रतिबंध चाइनीज़ मांझा बेजुबान पक्षियों और राहगीरों के लिए घातक बना हुआ है। ऐसे हालातों को देखकर भी जिम्मेदारना प्रशासन जानबूझकर अनजान बना हुआ है। यहां लोगों का मानना है कि पुलिस और पालिका प्रशासन की मिलीभगत से प्रतिबंधित चाइनीज़ मांझे की बिक्री जोरों पर हो रही है, जबकि कानूनन तोर पर चाइनीज़ मांझे की बिक्री की रोकथाम हेतु सुप्रीम कोर्ट ने सख्त आदेश जारी किए हुए हैं, बावजूद इसके शहरभर में मांझे की बिक्री जोरों पर चल रही है। इसलिए कि मकर संक्रांति का पर्व नजदीक होने के कारण युवा एवं बच्चे पतंगबाजी के शौक में पूरा करने के लिए प्रतिबंधित चाइनीज़ मांझे की खरीदारी जोर शोर से कर रहे हैं।

■ **पतंगबाजी के दौरान चाइनीज मांझे से पक्षी, बाइक सवार और पैदल चलने वाले राहगीर घायल हो रहे हैं**

■ **सूचना के बावजूद पुलिस और पालिका प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की**

देवली शहरवासियों का यह भी मानना है कि शहर में चाइनीज़ मांझे की बिक्री की जानकारी पुलिस और पालिका प्रशासन को बखूबी प्राप्त है। वहीं जानकारी यह भी प्राप्त है कि इसकी चपेट में रोजाना कई पक्षी आकर अकाल मौत का ग्रास बन रहे हैं या जख्मी हो रहे हैं। ऐसे में पुलिस और पालिका प्रशासन दोनों ही चाइनीज़ मांझे की हो रही बिक्री को नहीं रोक पा रहे हैं। उक्त मामले में सूचना मिलने के बाद भी प्रशासन ने अभी तक चाइनीज़ मांझे की बिक्री पर रोक के लिए कोई ठोस पहल नहीं की है। गौर करने वाली बात यह भी है कि शहर भर के साथ साथ पुलिस थाने के ठीक सामने गांधी पार्क वाली गली में चाइनीज़ मांजे का बड़ा कारोबार खुलेआम हो रहा है।

जब ऐसे हालातों पर पुलिस थाना प्रभारी और पालिका अधिशासी अधिकारी से बात की गई तो पालिका अधिशासी अधिकारी ने यह बताया कि चाइनीज़ मांझी की बिक्री पर कार्रवाई की गई है, लेकिन किस स्तर पर कार्रवाई की गई है यह नहीं बताया गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 10 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, कृत्तिका नक्षत्र दिन 1:45 तक, शुभ योग दिन 2:36 तक, विष्टि करण दिन 10:20 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग दिन 1:45 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 10:20 तक रहेगी। आज पुत्रदा एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:40 तक, लाभ-अमृत 8:40 से 11:16 तक, शुभ 12:34 से 1:52 तक, चर 4:29 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:45

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर में राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव के उद्घाटन समारोह में पाक विस्थापितों को पुनर्वास के लिये भूखंड के आवंटन पत्र दिये। कुल 118 परिवारों को भूखंड दिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतीकात्मक रुप से 5 परिवारों को आवंटन पत्र प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में पाक विस्थापितों को भूखंड दिये

राज्य सरकार के जन घोषणा पत्र में पाक विस्थातियों के विकास के वादा के तहत यह आवंटन किया गया है

■ **जोधपुर विकास प्राधिकरण ने विनोबा भावे नगर के 1700 भूखंडों से 118 चयनित पाक विस्थापितों को लॉटरी के माध्यम से भूखंड आवंटित किया।**

जोधपुर, 9 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को पश्चिमी राजस्थान उद्योग शिल्प उत्सव के विधिवत् शुभारंभ के अवसर पर पाक विस्थापितों को पुनर्वास के लिए आवासीय भूखण्डों के आवंटन पत्र दिए। राज्य सरकार के जन घोषणा पत्र में पाक विस्थापितों के सर्वांगीण विकास का वादा किया गया है, जिसमें नागरिकता से जुड़ी समस्या व पुनर्वास का समाधान भी सम्मिलित हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में रह रहे पाक विस्थापितों में अधिकतर परिवार समाज के कमजोर वर्ग से आते हैं। जन घोषणा की क्रियान्विति हेतु पाक विस्थापितों का पुनर्वास करने की दिशा में राज्य सरकार ने कई कदम उठाये हैं। इसी क्रम में, जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर ने विनोबा भावे नगर आवासीय योजना विकसित की है। कार्यक्रम में, विनोबा भावे नगर आवासीय योजना में चयनित 118 परिवारों में से पांच परिवारों को प्रतीकात्मक रूप से मुख्यमंत्री ने आवंटन पत्र प्रदान किए।

विनोबा भावे नगर आवासीय योजना राजस्व ग्राम चौखा के ख.सं. 28 में 310 बीघा भूमि में स्वीकृत है। योजना जोधपुर रेल्वे स्टेशन से मात्र 18 कि.मी. दूरी पर है। योजना के अन्तर्गत पार्क, व्यवसायिक भूखण्ड, ओसीएफ एवं अन्य सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया है। योजना में कुल 1700 भूखण्ड हैं, जिनकी आरक्षित दर प्राधिकरण द्वारा राजस्थान नगरीय विकास निकाय (भूमि निष्पादन नियम 1974 के अधीन) आरक्षित दर 9178/-रूपए प्रति वर्गमीटर रखी गयी है। जेडीए द्वारा वर्तमान में 118 चयनित पाक विस्थापित परिवारों को लॉटरी के माध्यम से भूखण्ड आवंटन किए गए हैं। योजना में 60 वर्गमीटर तक के भूखण्ड आरक्षित दर के 25 प्रतिशत मूल्य, यानी 2295/-रूपये प्रति वर्गमीटर की दर पर आवंटित किए गए हैं।

इस अवसर पर, प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी, सचिव भागीरथ विश्नोई, उपायुक्त जोन-4 अदिति पुरोहित, उपायुक्त जोन-3 जयपाल सिंह राठौड़, तहसीलदार जोन-4 हंसराज राठौड़, आईटी सेल के एसीपी नरेश कुमार एवं प्रोग्रामर कैलाश जोशी भी उपस्थित थे।

देश में विभिन्न श्रेणियों के चयनित 10 हज़ार लोग गणतंत्र दिवस परेड देखेंगे

कल्याणकारी योजनाओं में सर्वोत्तम काम तथा अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को विशेष अतिथि बनाया जायेगा

■ **विशेष अतिथियों का चयन 31 श्रेणियों में से किया जायेगा, जिनमें सरपंच, आपदा राहत कार्यकर्ता, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले जल योद्धा, प्राथमिक कृषि ऋण समिति तथा पानी समिति के सदस्य आदि प्रमुख हैं।**

नयी दिल्ली, 09 जनवरी। राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से राजधानी के कर्तव्य पथ पर 76वें गणतंत्र दिवस की परेड को देखने के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में सर्वोतम कार्य करने वाले लगभग दस हजार विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि विविध पृष्ठभूमि वाले भारत के उन "स्वर्णिम निर्माताओं" को परेड का साक्षी बनने के लिए आमंत्रित किया गया है जिन्होंने सरकार की योजनाओं का सर्वोत्तम इस्तेमाल करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इन विशेष अतिथियों को 31 श्रेणियों में से बुलाया गया है, जिनमें गांवों के सरपंच ,आपदा राहत कार्यकर्ता,वाइब्रेंट विलेज से आए मेहमान, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जल योद्धा, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के सदस्य और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पानी समिति के सदस्य आदि शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने पंचायतों के बीच एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की घोषणा की थी। जिन पंचायतों ने कम से कम छह प्रमुख योजनाओं में लक्ष्य हासिल किए हैं, उन्हें विशेष अतिथि के रूप में चुना गया।

आमंत्रित अतिथियों में से कुछ, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आय और रोजगार सृजन तथा पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य, जल स्वच्छता और सफाई, पंचायती राज संस्थाओं-समुदाय आधारित संगठनों और लैंगिक गतिविधियों के क्षेत्रों में काम करने वाले सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया है। ऐसे सदस्यों को प्राथमिकता दी गई है, जो कभी राजधानी दिल्ली नहीं आये हैं।

प्रधानमंत्री-जनमन मिशन प्रतिभागियों, आदिवासी कारीगरों, वन धन विकास योजना के सदस्यों, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम उपक्रमों, आशा कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को भी आमंत्रित किया गया है।

आपदा राहत और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आपदा राहत कार्यकर्ताओं, पानी समिति, जल योद्धाओं, सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों, वन और वन्यजीव संरक्षण स्वयंसेवकों को पहली बार गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और प्रधानमंत्री कुसुम के तहत पर्यावरण संरक्षण और अक्षय ऊर्जा के उपयोग में सहयोग करने वाले किसानों और परिवारों को भी पहली बार आमंत्रित किया गया है।

पैरा-ओलंपिक दल के सदस्य, शतरंज ओलंपियाड पदक विजेता, ब्रिज वर्ल्ड गेम्स रजत पदक विजेता और स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है, क्योंकि उन्होंने अपने-अपने खेलों में अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है।

नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए, पेटेंट धारकों और स्टार्ट-अप को भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल किया गया है। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत स्कूली बच्चे, जो अखिल भारतीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता और वीर गाथा प्रतियोगिता के विजेता बनकर उभरे हैं, वे भी गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

आर.पी.एस.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाहिर होता है कि 2019 में ऐसे कई अभ्यर्थी थे, जिन्होंने अपने आखिरी सत्र की अंतिम परीक्षा नहीं दी थी, उनके द्वारा दायर याचिकाओं को अदालत खारिज कर सकती है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी जिरह की गई थी कि आरपीएससी स्वयं ही उन अभ्यर्थियों को हटा देगी, जिन्होंने आखिरी सत्र की अंतिम परीक्षा में भाग नहीं लिया है। अदालत ने सभी तथ्यों को सुनने के बाद, आर.पी.एस.सी. को आदेश दिये कि वह नयी मैरिट लिस्ट जारी करे और उन अभ्यर्थियों को हटाये, जिन्होंने डिग्री के आखरी सत्र की अंतिम परीक्षा नहीं दी है और उन अभ्यर्थिओं को भी लिस्ट से हटाये, जिन्होंने फॉर्म भरने की आखिरी तिथि 24 नवंबर 2019 तक फॉर्म जमा नहीं किया था। अदालत ने उन याचिकाकर्ताओं को राहत दी है, जिन्हें आरपीएससी ने मैरिट लिस्ट में जगह नहीं दी थी, जबकि उन्होंने नियम अनुसार डिग्री प्राप्त कर रखी थी या कोर्स के अंतिम सत्र की आखिरी परीक्षा दे रखी थी।

'सायबर फ्रॉड के पीड़ित को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

94,204 रु. चुरा लिये। चुराया गया पैसा कई यू.पी.आई. ट्रान्ज़ैक्शनों के जरिये ट्रान्सफर हुआ। जांच में सामने आया है कि यह घोटाला लूइस फिलिप वेबसाइट पर 2021 डेटा-ब्रीच से शुरु हुआ था। लूइस फिलिप की वेबसाइट से ग्राहक की संवेदनशील जानकारी उपलब्ध कराई थी, जिसमें पीड़ित के कॉन्टैक्ट डिटेल शामिल थे। इस डेटा की मदद से, फ्रॉड करने वाले ने घोटाले के रुपरेखा बनाई तथा उसे अंजाम दिया, और पीड़ित के पास केवल अवांछित ब्लैजर और खाली हो चुका बैंक खाता रह गया।

फ्रॉड के अन्तर्गत हुये ट्रांज़ैक्शन्स की जानकारी मिलने पर, पीड़ित ने तुरंत ही अपना खाता बंद करने के कदम उठाये तथा इस घटना की रिपोर्ट असम पुलिस, आर.बी.आई. बैंकिंग लोकपाल तथा गृहमंत्रालय को, उसके नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से कर दी।

उसकी इस त्वरित कार्यवाही के बावजूद, एस.बी.आई. ने अपनी जवाबदेही ने इनकार कर दिया और तर्क दिया कि वे ट्रान्ज़ैक्शन गूगल पे के जरिये हुये थे, जो थर्ड पार्टी ऐप है, तथा बैंक सीधे उसकी सिफारिश नहीं करता है। एस.बी.आई. के रुख को स्वीकार करने से इनकार करते हुये, पीड़ित ने कानूनी कार्यवाही की तथा गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने उसके पक्ष में फैसला दिया।

अदालत ने माना कि फ्रॉड की हैन्डलिंग में एस.बी.आई. ने लापरवाही बरती, क्योंकि इस फ्रॉड की सूचना बैंक को कुछ घंटों के अन्दर ही दे दी गई थी। इसलिये, उच्च न्यायालय ने एस.बी.आई को आदेश दिये कि वह पूरी धनराशि रिफन्ड करे।

एस.बी.आई. इस प्रकरण को सर्वोच्च न्यायालय ले गया तथा उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी। सर्वोच्च न्यायालय ने भी मूल फैसले को कायम रखा तथा समयान्तर्गत हस्ताक्षेप न करने के लिये एस.बी.आई. की आलोचना की। अदालत ने जोर देते हुये कहा कि बैंक की जिम्मेदारी है कि यह इस प्रकार फ्रॉड को रोकने के लिये अपनी उन्नत तकनीकी क्षमताओं का उपयोग करे। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने एस.बी.आई. को चोरी हुआ पैसा रिफन्ड करने के निर्देश दिये। इसके अलावा, अदालत से एस.बी.आई. को अनुमति प्रदान की कि वह फ्रॉडकर्ता से पैसा वसूले, जिसे असम पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

फैसले में बैंकों तथा ग्राहकों दोनों की ही सजगता की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात को दोहराया कि जहां वित्तीय संस्थाओं, साइबर फ्रॉड को रोकने के लिये सक्रियता एवं सजगता से काम करना चाहिये, वहीं, ग्राहकों को भी संवेदनशील जानकारी शेयर करने या थर्ड पार्टी एप्लीकेशन्स का उपयोग करने में सावधानी से काम लेना चाहिये।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है तथा उसके खिलाफ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इसके बाद कांग्रेस का प्रचार तो मंद पड़ गया है पार्टी बैक फुट पर दिख रही है।

यह सवाल तक पूछा जा रहा है कि क्या कांग्रेस गंभीरता से दिल्ली चुनाव लड़ रही है?

ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और उद्धव ठाकरे ने केजरीवाल को समर्थन करने का वादा किया है तथा वे दिल्ली में उनके लिए सभाएं भी करेंगे।

दिल्ली के त्रिकोणात्मक चुनाव में कांग्रेस सबसे कमज़ोर पार्टी है तथा इसके एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभरने की लेश मात्र भी संभावना नहीं है।

संभल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जा चुका है तथा 19 ऐसे कुएं चिन्हित किये गये हैं, जिन्हें सार्वजनिक पूजा/ उपयोग लायक बनाने का काम चल रहा है।"

आवेदन पत्र में आगे कहा गया है: "जिला प्रशासन पुराने मंदिरों तथा कुओं के तथाकथित पुररुद्धार के अभियान के अन्तर्गत, यह प्रचार कर रहा है कि इस कुएं के सार्वजनिक उपयोग की मंजूरी दी जा रही है। प्रशासन जोर देते हुए कह रहा है कि कुओं का धार्मिक महत्व है।" प्रार्थना पत्र में आगे कहा गया है कि पूरे संभल नगर में तथा मस्जिद के पास ऐसे पोस्टर लगा दिये गये हैं, जिनमें ऐतिहासिक कुओं की स्थिति बताई गई है तथा पोस्टरों में मस्जिद को मंदिर के रुप में दर्शाया गया है।

गुरुवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहे हैं। हरियाणा में भी स्वास्थ्य विभाग को एचएमपीवी केसेस पर निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं।

एचएमपीवी संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों में देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। केंद्र ने राज्यों को इन्फ्लूएंजा लाइक इलनेस और सीवर एक्यूट रेस्परेट्री इश्यूज जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है।

'नीतीश सरकार ने गैर कानूनी गिरफ्तारी की प्रशांत किशोर की'

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने नीतीश सरकार पर आरोप लगाया

■ **जन सुराज पार्टी ने कहा कि प्रशांत किशोर पर घातक हथियार रखने की धाराएं लगाई हैं, क्या बिहार पुलिस कम्बल और मफलर को हथियार मानती है।**

■ **इसी बीच खबर है कि प्रशांत किशोर की तबयित बिगड़ गई है, उन्हें पटना में मेदांता अस्पताल के आई.सी.यू. में भर्ती किया गया है।**

■ **प्रशांत किशोर बिहार लोक सेवा आयोग के अभ्यर्थियों के समर्थन में 2 जनवरी से आमरण अनशन पर हैं।**

पटना, 09 जनवरी। जन सुराज ने पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर की गिरफ्तारी को लेकर नीतीश सरकार पर आरोप लगाते हुये कहा कि बिना कस्टडी वॉरंट लिए पुलिस उन्हें बेऊर जेल ले गई, जहां जेल अधीक्षक ने बिना कागज उन्हें अंदर रखने से मना कर दिया। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) अभ्यर्थियों के समर्थन में किशोर दो जनवरी से आमरण अनशन पर हैं। इस बीच उनकी तबियत बिगड़ी और उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल के आईसीयू वार्ड में रखा गया है। आज उनके अनशन का आठवां दिन है।

जन सुराज अध्यक्ष मनोज भारती के नेतृत्व में सभी प्रमुख नेताओं ने गुरूवार को प्रेसवार्ता की। इस प्रेसवार्ता में जन सुराज युवा अध्यक्ष आनंद मिश्रा, किशोर कुमार मुन्ना, अधिवक्ता अमित कुमार, पूर्व एमएलसी रामबली चन्द्रवंदशी उपस्थित रहे।

अधिवक्ता अमित कुमार ने बताया कि यह आश्चर्यजनक है कि जब किशोर को न्यायालय परिसर से निकाला गया, और बेऊर जेल की ओर ले जाया गया तब अदालत के अंदर सुनवाई चल ही रही थी। बिना कस्टडी के कागज लिए इन्होंने किशोर को बेऊर जेल ले जाना चाहा। जेल अधीक्षक ने बिना कस्टडी कागज के उन्हें अंदर रखने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि जिन धाराओं पर केस दर्ज किया गया है, वह चौंकाने वाला है।

कुमार ने बताया बीएनएस धारा 190, 191 (2), (3) और 223 सभी के सभी जमानती धाराएं हैं, लेकिन ये हास्यास्पद है कि 191(3) यह धारा दंगा करने का दोषी, यह घातक हथियार रखने पर लगाया जाता। वहां पर किसी बच्चे के हाथ में एक छड़ी तक नहीं थी, कम्बल और मफलर को बिहार पुलिस हथियार मानती है तो बिहार पुलिस गजब है, ये सत्याग्रह था, यह किस तरह से उपद्रवी हो गया।और सबसे बड़ी बात प्राथमिकी गांधी मैदान थाना में हुआ था, और उन्हें गांधी मैदान थाने में क्यों नहीं ले जाया गया। बेऊर जेल ले गए, जब भीड़ नहीं संभाली गई तो माइक किशोर को ही थमा दिया गया।

मिश्रा ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठात हुये कहा कि किसी को नहीं पता था वे लोग किशोर को कहां ले कर जा रहे है, तब मैं पीछे गया और मैने देखा कि किसी पुलिस अफसर के वर्दी पर नाम प्लेट नहीं था, रैंक नहीं था किसी ने कैप तक नहीं लगाया था। बिहार पुलिस के नाम पर बहरूपिया हो क्या पता, किसी ने अपनी आइडेंटिटी तक नहीं बताई। ऐसा बरताव किसी आतंकी के साथ भी नहीं होता। उन्होंने कहा कि मैं डीजीपी से आग्रह करता हूं, कम से कम बेसिक गाइडलाइंस फॉलो कीजिए। डीके बासु गाइडलाइंस साफ कहती है अपना आइडेंटिटी बताना होता है। वहां पर कोई अपना रैंक नहीं बता रहा, जब मैने गाइडलाइंस याद दिलाया फिर उन्होंने बस अपना रैंक बताया। यह पूरी तरह से गैरकानूनी डिटेंशन किया गया था।

मुन्ना ने बताया सुबह चार बजे बड़े संख्या में पुलिस आती है और किशोर को जबरन उठाती है और एम्स लेकर जाती है। वहां जाकर एम्स प्रशासन और डाक्टर को किशोर को एडमिट करने के लिए दवाब दिया जाता है, लेकिन एम्स प्रशाशन बिना कागजात उन्हें भर्ती करने से मना कर देता है।

कार्ति चिदम्बरम पर सी.बी.आई. ने नया केस दर्ज किया

■ **कार्ति चिदम्बरम को सी.बी.आई. ने 2018 में मीडिया से जुड़े एक मामले में भी गिरफ्तार किया था।**

नयी दिल्ली, 09 जनवरी। सीबीआई ने कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम और अन्य के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया है, साल 2018 में सीबीआई ने कार्ति एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड उनके सहयोगी एस भास्कररमन और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू की थी। यह जांच विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड से जुड़े एक मामले में हो रही थी।

जांच में पाया गया कि डियाजियो स्कॉटलैंड और सिकोइया कैपिटल्स ने संदिग्ध तरीके से उक्त कंपनी के खाते में पैसा ट्रांसफर किया था। यह वही कंपनी है जो मीडिया मामले और चीनी कर्मचारियों को भारतीय वीजा दिलाने के एक अन्य मामले में सीबीआई और ईडी की जांच के दायरे में थी।

सीबीआई का आरोप है कि डियाजियो स्कॉटलैंड ने यह प्रतिबंध हटवाने के लिए कार्ति चिदंबरम से संपर्क किया।

मेरठ में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या

■ **पति-पत्नी की लाश गठरी में और तीनों बेटियों की लाश बैड के अंदर मिली है।**

■ **हत्या की जानकारी तब मिली, जब मृतक का बड़ा भाई अपनी पत्नी के साथ उसके घर आया और उसने दरवाजा बाहर से बंद पाया।**

मेरठ, 09 जनवरी। मेरठ में एक ही परिवार के 5 लोगों की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घर के अंदर पति-पत्नी के शव चादर में लिपटे मिले। जबकि उनकी तीन बेटियों को मारकर उन्हें बोरी में भरा गया, फिर बेड के बॉक्स में छिपा दिया गया। घर के गेट पर बाहर से ताला लगा था। रिश्तेदार और भाई सुबह से फोन कर रहे थे, लेकिन कॉल नहीं उठ रही थी। पड़ोसियों ने भी एक दिन से परिवार को देखा नहीं था।

यह पूरा मामला लिसाड़ी गेट इलाके के सोहेल गार्डन का है। मरने वालों में पति मोईन, पत्नी आसमा और 3 बेटियां- अफ़सा (8), अजीजा (4), अदीबा (1) शामिल हैं। मोइन मिस्त्री का काम करता था।

पुलिस और फोरेंसिक टीम घर की तलाशी ले रही हैं। मोईन किराए के मकान में रहता था। घर की दीवारों पर प्लास्टर भी नहीं था। मकान 70 वर्ग गज में बना हुआ है। दरवाजे को तोड़ने के बाद भाई अंदर पहुंचा। जमीन पर कपड़े और सामान बिखरे हुए थे। दरवाजे के सामने ही एक कमरा था, पास में छोटा सा किचन। कमरे में जमीन पर बेड के पास मोईन और उनकी पत्नी की लाश थी, जो चादर की गठरी में थी। उनके गले धारदार हथियार से रेत दिए गए थे। जमीन पर खून ही खून फैला हुआ था।

कमरे में किसी तरह की दुर्गंध नहीं थी। ऐसे में अनुमान लगाया गया मर्डर हुए ज्यादा वक्त नहीं बीता है। बेड में सामान रखने के लिए बॉक्स बने हुए थे। एक तरफ से यह भी खुला हुआ था। बेड के अंदर बच्चियों की लाशें छिपाई गई थीं। ये लाशें बोरियों में थीं। अंदर खून भी फैला हुआ था।

दरअसल, पूरा मामला तब खुला, जब मोईन का भाई सलीम अपनी पत्नी के साथ मौके पर पहुंचे।

एस.आई.भर्ती रद्द करने से हिचक रही है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंशा जाहिर करे कि वह एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 को रद्द करने के पक्ष में है कि नहीं। उल्लेखनीय है कि इस मामले में कैबिनेट की कमेटी भी अपना मत रख चुकी है कि भर्ती परीक्षा को रद्द कर देना चाहिए। वहीं पुलिस महानिदेशक, राज्य सरकार के महाअधिवक्ता और गृह विभाग के अफसर भी अपनी सलाह सरकार के समक्ष पेश कर चुके है कि परीक्षा रद्द हो जानी चाहिए क्योंकि अभी तक की जांच यह आशंकित करती है कि एस.आई. भर्ती परीक्षा में काफी ज़ोर-शोर से पेपर लीक किया गया है और चीटिंग के माध्यम से अवांछित अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों व महाअधिवक्ता का यह भी मानना है कि कई चयनित अभ्यर्थी का आपराधिक पृष्ठ भूमि से आते हैं और उनकी नियुक्ति से पुलिस व्ययवस्था चरमरा सकती है।

राज्य सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मामले की सुनवाई दस फरवरी को तय करते हुए राज्य सरकार को केस से जुडे बकाया दस्तावेज पेश करने को कहा है।

एएजी की ओर से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट किसी भी भर्ती को रद्द करने के संबंध में चार मानक तय कर चुका है। इसके तहत व्यापक नकल, जांच पूरी होने, चयनितों में अधिकांश नकलची होने और चयनितों में से नकलचियों को अलग नहीं कर पाने की सूरत में ही भर्ती रद्द हो सकती है। उन्होंने अदालत को पुनः बताया कि प्रकरण में फिलहाल जांच चल रही है।

राज्य सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि याचिका में सरकार पर मामले में निष्क्रिय रहने का आरोप नहीं है, पर एजी, एसआईटी और कमेटी की रिपोर्ट पर भर्ती रद्द करने की गुहार की गई है। याचिका में यह नहीं कहा गया कि राज्य सरकार कार्रवाई नहीं कर रही है। ऐसे में राज्य सरकार को समय सीमा में बांधकर भर्ती निरस्त करने की प्रार्थना अनुचित है। एएजी की ओर से यह भी कहा गया कि राज्य सरकार मामले की तह तक जाना चाहती है, लेकिन याचिका भर्ती को रद्द करवा कर जांच को पटरी से हटाने वाली है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के गृह विभाग के अधिकारियों, महाअधिवक्ता और कैबिनेट कमेटी की सलाह के बाद भी इस निष्कर्ष पर नहीं आ पा रही है कि परीक्षा को रद्द किया जाये या नहीं। कई अधिकारियों का कहना था कि राज्य सरकार अब अदालत के आदेश अनुसार ही कार्यवाही करेगी। राज्य सरकार के समक्ष परीक्षा रद्द करने के खिलाफ मंथन करने योग्य एक महत्वपूर्ण बिन्दू यह भी है कि अगर 2021 की परीक्षा रद्द करी जाती है तो 2021 से लेकर 2025 तक सब इंस्पेक्टर की भर्ती एक बार भी नहीं की गई हैं और रिक्तियां संख्या बढ़ कर हजारों में पहुंच जायेगी। अदालत ने कहा कि एएसजी आरडी रस्तोगी मामले में न्यायमित्र के तौर पर अदालत का सहयोग करें। इस पर एएसजी ने कहा कि वे केन्द्र सरकार के वकील हैं और प्रकरण में ईडी का पक्ष रख रहे हैं। ऐसे में न्याय मित्र की भूमिका में नहीं रह सकते। इस पर अदालत ने कहा कि इस मामले में केन्द्र सरकार पक्षकार नहीं है। इसलिए वे न्यायमित्र के तौर पर सहयोग करें। यदि किसी पक्ष को इस बात की आपत्ति होगी तो उसे भी सुन लिया जाएगा।मामले में अदालत ने कहा कि मंत्रियों की कमेटी, एसआईटी और महाधिवक्ता भर्ती को रद्द करने की सिफारिश कर चुके हैं, फिर सरकार में कौन बचा। अदालत ने पूछा कि मामले में निर्णय लेने का अधिकार किसे है। इस पर एएजी ने कहा कि इन्होंने अपनी राय दी थी और इसे मानने के लिए सरकार बाध्य नहीं है। मुख्यमंत्री और कैबिनेट में उच्च स्तर पर मामला देखा जा रहा है। सरकार सभी पहलुओं को परखने के बाद ही निर्णय लेगी।

प्रदेश को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को जमीन स्तर पर गति मिल रही है। वहीं सोलर संयंत्रों की स्थापना के लिए प्रदेश को हुए अतिरिक्त आवंटन का यह निर्णय वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के राज्य सरकार के संकल्प को पूरा करने की दिशा में अहम कदम साबित होगा।

राजस्थान में घने कोहरे की स्थिति बने रहने की संभावना

■ **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम यू.पी., राजस्थान व एम.पी. में शनिवार में बारिश का अंदाज़ा।**

नयी दिल्ली, 09 जनवरी। देश के उत्तरी, मध्य और पूर्वी हिस्सों में अगले तीन से चार दिन तक घना से बहुत घना कोहरा छाये रहने का अनुमान जताया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों, उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में कल तक और 12 जनवरी को राजस्थान में रात और सुबह के समय घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहने के आसार हैं।

आईएमडी ने कहा, 11 और 12 जनवरी को बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अलग-अलग इलाकों में रात और सुबह के समय घने कोहरे की स्थिति बने रहने का अनुमान है।

पश्चिमी विक्षोभ और पूर्वी हवाओं के साथ इसके संपर्क के कारण 10 से 12 जनवरी के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 11 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ , पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है, साथ ही 11 जनवरी को दक्षिण हरियाणा और राजस्थान में छिटपुट ओलावृष्टि के भी आसार व्यक्त किये हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

उत्सव के माध्यम से प्रदेश के हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलेगा : भजनलाल शर्मा

जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

■ 'राज्य सरकार द्वारा शिल्पकारों को भी स्मार्ट टेक्नोलॉजी एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है'

जोधपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का हस्तशिल्प प्रदेश का गौरव है। यह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए नई और प्रभावी नीतियां तैयार की है तथा स्टार्टअप क्षेत्र में भी नवाचार को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प के संरक्षण एवं संवर्धन से विकसित राजस्थान और आपणो अग्रणी राजस्थान का विजन साकार रूप लेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस उत्सव के माध्यम से प्रदेश के हस्तशिल्प को बढ़ावा के साथ ही कारीगरों के लिए भी समृद्धि एवं रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे। राज्य की ब्लू पॉटरी, मार्बल के हस्तशिल्प, पीतल की कलाकृतियां, मिनिएचर पेंटिंग, काष्ठ कलाकृतियां, कपड़ा छपाई आदि दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। ऐसे में यह उत्सव प्रदेश की अद्भुत हस्तशिल्प कला के संरक्षण एवं संवर्धन का एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में राइजिंग राजस्थान के प्रयासों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 6 लाख से ज्यादा शिल्पकारों और कारीगरों के लिए हस्तशिल्प के क्षेत्र में प्रगति के नए रास्ते खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के शिल्पकारों और कारीगरों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए कौशल विकास को बढ़ावा दे रही है। हाल ही में राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति 2024 और एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) नीति जैसी पहल की गई हैं। जिलों की उत्कृष्ट हस्तशिल्प को ओडीओपी में शामिल कर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हस्तशिल्पियों और कलाकारों की कला को सम्मानित करने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदर्शनी, कार्यशाला, सेमिनार आदि के आयोजन के लिए जयपुर में पीएम यूनिटी मॉल की स्थापना की जाएगी। साथ ही, प्रदेश में हस्तशिल्प, हैंडलूम और एमएसएमई के 50 नए क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि माटी कला से जुड़े प्रदेश के कलाकारों के उत्थान के लिए माटी कला उत्कृष्टता केंद्र, चयनित खादी ग्रामोद्योग संस्थाओं एवं समितियों के साथ ही बुनकर संघ से जुड़े बुनकरों को ऋण एवं सहायता उपलब्ध करवाना, नई पर्यटन इकाई नीति जैसे निर्णयों से हमारे शिल्पकारों को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा ने कहा कि हम पारंपरिक हस्तशिल्प कला को संरक्षित करने के साथ इसे नवाचार और आधुनिक तकनीक से जोड़ कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी उत्कृष्ट बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री 4.0 की ओर बढ़ने में हस्तशिल्प को तकनीकी नवाचार और स्मार्ट समाधानों का हिस्सा बनाना जरूरी है। राज्य सरकार द्वारा शिल्पकारों को भी स्मार्ट टेक्नोलॉजी एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर हस्तशिल्प उत्सव का विधिवत शुभारंभ किया एवं उत्सव के केन्द्रीय पांडाल एवं बेट द्वारका का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने "लूणी: समग्र विकास को समर्पित एक वर्ष" विकास पुस्तिका, मसाला उद्योग से संबंधित फोल्डर एवं लघु उद्योग भारती के मुख पत्र लघु उद्योग टाइम्स का भी विमोचन किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने पांच पाक विस्थापितों को पट्टे भी वितरित किए।

कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, जीव जंतु कल्याण बोर्ड अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक देवेन्द्र जोशी, अतुल भंसाली, बाबूसिंह राठौड़, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा, लघु उद्योग भारती के संगठन मंत्री प्रकाश सहित अन्य जनप्रतिनिधि व आमजन उपस्थित रहे।

आत्महत्या करने वाले कोचिंग छात्र का सुसाइड नोट सामने आया

'मैं पढ़ाई नहीं कर पाया मुझे माफ कर देना', यह लिखकर कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की थी

■ मध्यप्रदेश के गुना का रहने वाला छात्र पीजी में रहकर जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम एडवांस्ड की तैयारी कर रहा था

कोटा, (निसं)। कोटा में बुधवार को आत्महत्या करने वाले कोचिंग स्टूडेंट का सुसाइड नोट सामने आया है, जिसमें उसने आत्महत्या करने के पीछे पढ़ाई ना कर पाने का कारण बताया है। इसके लिए उसने अपने परिवारजनों से माफी भी मांगी है। वह पीजी में रहकर जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम एडवांस्ड की तैयारी कर रहा था। मूलरूप से वह मध्यप्रदेश के गुना का रहने वाला था। गुरुवार को परिवार वाले आए और पोस्टमॉर्टम कराकर शव ले गए।

स्टूडेंट के भाई ने कहा कि वह अपनी मर्जी से कोटा इंजीनियरिंग की तैयारी करने आया था। उसने खुद ही सुसाइड नोट में लिखा है कि वह पढ़ाई नहीं कर पाया, इसलिए यह कदम उठा रहा है। अभिषेक गुना की तहसील बमोरी के लालचक गांव का रहने वाला था। वह कोटा के विज्ञान नगर इलाके के अंबेडकर नगर के पीजी में रहता था। अभिषेक के पिता महेंद्र लोधा किसान हैं। छात्र अभिषेक इनका इकलौता बेटा था। महेंद्र ने बताया कि बेटे से सात जनवरी को बात हुई थी। आठ जनवरी की शाम साढ़े सात बजे पीजी से फोन आया कि अभिषेक ने सुसाईड कर लिया है। अभिषेक के चचेरे भाई अजय ने बताया कि अभिषेक का सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें लिखा है कि मैं पढ़ाई नहीं कर पाया। दादा-दादी, पापा मुझे माफ कर देना। अभिषेक पढ़ाई में अच्छा था। वह अपनी मर्जी से ही कोटा आया था। हम यहां पर किसी पर आरोप नहीं लगा रहे। उसने सुसाइड नोट में खुद स्वीकार किया है कि वह पढ़ाई नहीं कर पाया।

अभिषेक के चाचा राकेश लोधा ने बताया कि मेरी आखिरी बार बात 29 दिसंबर को हुई थी। उससे पूछा था कि पढ़ाई कैसी चल रही है। बोला अच्छे से पढ़ रहा हूं। मैंने उससे पूछा भी था कि किसी प्रकार की कोई प्रॉब्लम तो नहीं है। दिसंबर में ही वह घर से कोटा गया था। 6 फरवरी को अभिषेक के ताऊ के बेटे की शादी है। अभिषेक ने चाचा से कहा था कि पेपर खत्म होने के बाद शादी में आऊंगा।

विज्ञान नगर थाना अधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि 8 जनवरी की शाम को सूचना मिली थी कि एक कोचिंग स्टूडेंट ने सुसाईड कर लिया है। मौके पर पहुंचे तो अभिषेक पंखे से लटका हुआ था। पीजी के रूम में हैंगिंग डिवाइस भी नहीं लगी हुई थी। स्टूडेंट की डेड बॉडी को पोस्टमॉर्टम रूम में शिफ्ट कराया। साथ ही उसके परिवार वालों को सूचना दी थी। गुरुवार को परिजन आए जिन्हे पोस्टमॉर्टम के बाद शव सौंप दिया गया।

छात्रा ने आत्महत्या की

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर थाना क्षेत्र के जालमपुरा गांव में एक छात्रा ने गले में साड़ी का फंदा डालकर कड़े से झूलकर आत्महत्या कर ली। छोटा भाई स्कूल से घर लौटा तो बहन का शव फंदे से लटका देखा और बाहर गये माता-पिता को सूचना दी। जहाजपुर थाना पुलिस ने बताया कि पिंका ने किन कारणों के चलते खुदकुशी की, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

मांगरोल पालिका का वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

■ बिल पास करने की एवज में 10 हजार की रिश्वत ली

कोटा (निसं)। कोटा एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर कोटा एसीबी टीम ने बारां जिले के मांगरोल नगर पालिका में कार्रवाई करते हुए नगर पालिका के वरिष्ठ सहायक धन प्रकाश को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी की कोटा शहर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि उनके फार्म द्वारा करवाए गए विभिन्न कार्यों के बकाया बिलों को पास करने की एवज में मांगरोल का वरिष्ठ सहायक धन प्रकाश 35 हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है। महानिदेशक ने बताया कि शिकायत पर एसीबी कोटा के महानिरीक्षक शिवराज सिंह के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर एसीबी के उप अधीक्षक अनीस अहमद द्वारा टीम के साथ मांगरोल में ट्रैप कार्यवाही करते हुए वरिष्ठ सहायक धन प्रकाश को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों के गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है।

राजस्व अपील अधिकरण के वरिष्ठ सहायक ने 1.50 लाख की रिश्वत ली

एसीबी की अलवर प्रथम इकाई ने व. सहायक को गिरफ्तार किया

■ स्कूल समिति के नाम से क्रयशुदा खातेदारी भूमि पर स्थगन आदेश हटवाने की एवज में रिश्वत मांगी

■ एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है

अलवर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर अलवर प्रथम इकाई द्वारा कार्रवाई करते हुये जितेन्द्र मीणा वरिष्ठ सहायक, कार्यालय राजस्व अपील अधिकरण, अलवर को परिवादी से 1 लाख 50 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की अलवर प्रथम इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि स्कूल समिति की नाम से क्रयशुदा खातेदारी भूमि पर राजस्व मण्डल, अजमेर एवं राजस्व अपील अधिकरण (आर.ए.ए.) के स्थगन आदेश को हटवाने की एवज में आरोपी जितेन्द्र मीणा वरिष्ठ सहायक द्वारा 1 लाख 50 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है, जिस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस अनिल कयाल के सुपरविजन में एसीबी की अलवर प्रथम इकाई के उप अधीक्षक पुलिस महेन्द्र कुमार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्रवाई करते हुये आरोपी जितेन्द्र मीणा वरिष्ठ सहायक को परिवादी से 1 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

पानी के टैंक में मां-बेटे की लाश मिली

पाली, (नि.सं.)। पाली में 27 साल की एक विवाहिता और उसके 2 साल के बेटे का शव पानी के टैंक में मिला। पीहर पक्ष के लोगों ने हत्या का शक जाहिर किया है। घटना बुधवार दोपहर को गुड़ाएंदला थाना इलाके के बाला की ढाणी गांव में हुई।

गुड़ाएंदला थाना इंचार्ज प्रवीण कुमार ने बताया कि थाना इलाके के गांव बाला की ढाणी में बुधवार दोपहर पड़ोस में बने टैंक में सजी देवी (27) पत्नी अंबाराम देवासी और उसके बेटे खुशाल (2) की बॉडी मिली। सजी देवी की सास बगदी देवी ने बताया कि मैं बुधवार सुबह ग्यारह बजे पड़ोस में गई थी। घर पर बहू सजी और पोता खुशाल थे। मैं एक घंटे बाद घर लौटी तो बहू-पोता घर में दिखाई नहीं दिए। पड़ोस में बने पानी के टैंक का ढक्कन खुला देता तो वहां जाकर पानी में देखा। बहू सजी देवी और पोता खुशाल पानी में पड़े थे। उनके शरीर में कोई हलचल नहीं थी। मैं चिल्लाते हुए पड़ोसियों के पास गई और घटना के बारे में बताया। पड़ोसियों ने दोनों के शव पानी से निकाले। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ ग्रामीण रतनाराम देवासी मौके पर पहुंचे। सजी देवी के पीहर पक्ष (लापोद गांव, पाली) के लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल से मेडिकल बोर्ड से दोनों की बॉडी का पोस्टमॉर्टम कराया गया। मामले की जांच एसडीएम कर रहे हैं।

राज्यपाल की ओर से ख्वाजा की दरगाह में चादर पेश

राज्यपाल के परिसहाय प्रवीण नायक और उपसचिव मुकेश कलाल ने चादर पेश की।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की ओर से गुरुवार को अजमेर में गरीब नवाज ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चादर पेश की गई। अजमेर दरगाह पहुंचने पर राज्यपाल की ओर से जियारत कर चादर चढ़ाई गई।

राज्यपाल के परिसहाय प्रवीण नायक और उपसचिव मुकेश कलाल ने चादर पेश की। सालाना उर्स के अवसर पर राज्यपाल का संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। अपने संदेश में बागड़े ने ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के अमन और मोहब्बत के पैगाम को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि ख्वाजा साहब का उर्स विविधता में एकता की भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने भारत को संत-महात्माओं और पीर पैगम्बरों के जीवन मूल्यों से जुड़ी संस्कृति का बताते हुए उनके सद्भाव के विचारों के लिए सभी को मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

क्रमांकः- एफ.10(2024-25/4060 दिनांकः- 08.01.2025

:: ई-निविदा सूचना ::

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.Rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है। UBN NO. DLB2425WSOB14688

राज.संवाद/सी/24/10093 महापौर आयुक्त

कार्यालय नगरपालिका, आहोर (जालोर)

चामुण्डा मंदिर के पास, आहोर -307029 email – npahore23@gmail.com

क्रमांकः/नपाआ/सफाई/निविदा/2024/1977 दिनांकः 08.01.2025

निविदा सूचना सं. 01/2024-25

नगर पालिका आहोर द्वारा श्रम एवं सामग्री सेवा आपूर्ति कार्यो हेतु क्रेन्द्र एवं राज्य सरकार के विभाग में उपयुक्त श्रैणी में पंजीबद्ध संवेदकों से निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा संबंधी जानकारी व अन्य शर्ते पालिका कार्यालय नोटिस बोर्ड, पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर जरीये NIB - DLB2425A4812 यूबीएन नं. DLB2425SLOB14740, 41, पर तथा कार्यदिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, आहोर

राज.संवाद/सी/24/10113

कार्यालय नगरपालिका बालेसर सत्ता जिला-जोधपुर ग्रामीण(राज.)

(पुराना तहसील भवन पिनकोड़-342023) Email-eombbalesar2022@gmail.com

क्रमांक :- न.पा.बाले.सत्ता/स्टोर/2024-25/1072 दिनांक :- 08.01.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना (2024-25)

(NIB NO.- DLB2425A4810)

नगरपालिका बालेसर सत्ता की ओर से नगरपालिका बालेसर सत्ता एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया अनुसार सफाई श्रमिक व स्वास्थ्य निरीक्षक आपूर्ति की ऑनलाईन ई-निविदा आंमत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित लागत 24.00 लाख रू की निविदा ऑनलाईन जारी की दिनांक एंव निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/24/10112 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लाईमस्टोन, 8, वेस्ट पटेल नगर, सर्किट हाउस रोड, जोधपुर- 342001(राज.)

फोन नम्बरः (0291)2511031/2516199 फैक्सः (0291)2511029, Email - jodhpur.rsmml@rajasthan.gov.in

दिनांक :- 08/01/2025

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./ एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस/ जीजीएम-एलएस/ संविदा-12/2024-25 दिनांकः- 2712.2024 UBN No. MML2425SLOB00174	कम्पनी की गोटन चूना पत्थर ईकाइ, कार्यालय, जिला नागौर पर वाहन का संचालन हेतु दो महेन्द्रा जीप (7-सीटर कवर्ड एसी डीजल टैक्सी परमिट) मॉडल वर्ष 2022 या उसके बाद की 24 घण्टे प्रतिदिन कार्य हेतु (3000 किमी प्रति जीप प्रति माह चलाने हेतु)। (दोनो वाहनों की सम्मिलित कुल मासिक न्यूनतम निर्धारित किलोमीटर 6000 किलोमीटर प्रति माह)। अनुमानित मूल्य (रू.) 31.20 लाख, धरोहर राषि (रू. - 62,400/-, निविदा राशि- 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबन्ध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/24/10054 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

ट्रक से 30 लाख रुपए की अंग्रेजी शराब पकड़ी, दो जने गिरफ्तार

केबिन के उपर व ट्रक की बॉडी के दो पार्टेशन में हरियाणा ब्राण्ड की शराब भरी मिली

पण्डेर पुलिस ने अवैध शराब सहित दो जनों को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की पण्डेर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 30 लाख रुपए की अंग्रेजी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पण्डेर थाना पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ एवं अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई व अपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश पर वृताधिकारी जहाजपुर नरेन्द्र कुमार पारीक के सुपरविजन में पण्डेर थाना प्रभारी कमलेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर पण्डेर थाने के सामने नाकाबंदी व वाहन चैकिंग शुरू की।

इस दौरान जहाजपुर की तरफ से एक ट्रक आया, जिसके चालक को रुकने का इशारा कर ट्रक को रूकवा कर नाम पता-पूछा तो चालक ने अपना नाम शाहरूख पिता सहिद खान निवासी अजिजाबाद थाना पलवल जिला पलवल, हरियाणा व खलासी मोहमद शोकिन पिता असगर खान निवासी सुदाका थाना नूह जिला नूह, हरियाणा होना बताया। वाहन को चैक किया तो वाहन की केबिन के उपर व ट्रक की बॉडी के दो पार्टेशन बनाकर हरियाणा ब्राण्ड की 229 कार्टून शराब भरी हुई मिली। जिसे ट्रक की केबिन एवं पार्टेशन से बाहर निकाल देखा गया तो 11 अलग- अलग प्रकार की शराब मिली। अवैध शराब सहित ट्रक तथा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

सोप स्टोन पाउडर की आड में शराब तस्करी, दो गिरफ्तार

आरोपी तस्करी कर शराब गुजरात ले जा रहे थे

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने एक ट्रक से राजस्थान निर्मित अवैध शराब के पांच कार्टन पकड़े हैं। इसके साथ ही पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सोप स्टोन पाउडर की आड में तस्करी कर शराब गुजरात ले जा रहे थे।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि शराब की अवैध तस्करी की रोकथाम को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत राजस्थान, गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी कर गाडियों की तलाशी ली जा रही थी।

इस दौरान उदयपुर की ओर से आ रहे एक ट्रक को रूकवाया। ड्राइवर विजय कुमार पुत्र रमेश भाई परमार निवासी कटाडिया देमई जिला अरवल्ली गुजरात और पास में बैठे किशनसिंह झाला पुत्र लालसिंह झाला निवासी परतापुरा देमई अरवल्ली गुजरात होना बताया। ट्रक में सोप स्टोन पाउडर भरा होना बताया, लेकिन पुलिस को शक होने पर तिरपाल हटाकर तलाशी ली।

ट्रक में सोप स्टोन कट्टों की आड में राजस्थान निर्मित अवैध शराब के कार्टन भरे हुए मिले। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में ड्राइवर समेत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस शराब तस्करी को लेकर पूछताछ कर रही है।

श्रमिक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में श्रमिक ने पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। हिरणमगरी थाना क्षेत्र रिको एरिया में स्थित फैक्टरी में काम करने वाले केलवा मानपुरियों का गुडा थाना कूण सलूम्बर निवासी ओमप्रकाश (32) पुत्र बाबरूलाल मीणा ने फैक्टरी के समीप स्थित पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर हिरणमगरी थाना एएसआई भगवान सहाय ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। बुधवार दोपहर में ओमप्रकाश घर पर था। उसकी पत्नी कमरे पर नाश्ता बना रही थी। बातचीत करते हुए वह घर से बाहर निकला था। वापस नहीं लौटने पर तलाश की तब उसका पता चला। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

कार्यालय जिला परिषद्, जयपुर

सवाई जयसिंह हाईवे, जिला कलेक्ट्रेट, बनीपार्क, जयपुर

EMAIL ID - jaipuraceo@gmail.com PHONE NO. :- 0141-2200724

क्रमांक :-एफ.( )जिपज/लेखा/निविदा/प.स.भवन आंधी/2024/3975 दिनांकः- 01.01.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 4/2024-25

जिला परिषद जयपुर के अधीनस्थ नवगठित पंचायत समिति भवन आंधी के निर्माण कार्य हेतु इच्छुक संवेदकों से जीएसटी पंजीकृत एवं "बी" श्रेणी या उच्चतर श्रेणी में पंचायती राज विभाग, राजकीय विभाग एवं राजकीय उपक्रम में पंजीकृत फर्मो/संवेदकों से निर्माण कार्य हेतु ई-प्रॉक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

NIB:- ZJP2425A0856

UBN:- ZJP2425WSOB01803

अति0 मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जयपुर

राज.संवाद/सी/24/10096

LIVESTOCK FEED RESOURCE MANAGEMENT AND TECHNOLOGY CENTRE

Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences, Bikaner 334001

RAJUVAS/LFRMTC/2024-25/115 Dated :- 08/01/2025

ई-निविदा सूचना (E-NIB No. 01/2024-25)

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के Livestock Research Station, Bikaner फार्म पर Conversion of mesh cattle feed plant into pellet feed plant के लिए सुदृढ़ फार्मो से दोहरी बिड पद्धति (तकनीकी व वित्तीय बीड) हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, निविदा की शर्ते एवं अन्य विवरण विभाग की वेबसाईट www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in तथा DIPR की वेब साइट पर देखी/प्राप्त की जा सकती है। निर्धारित निविदा शुल्क जमा कराना अनिवार्य है। निविदा शुल्क तथा धरोहर राशि Principal Investigator, LFRMTC, RAJUVAS, Bikaner के नाम से डी.डी. जो बीकानेर में देय हो, के रूप में स्वीकार की जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 10.01.2025 को प्रातः 11:00 बजे से सम्बन्धित वेब साइट से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदायें दिनांक 24.01.2025 को शाम 5:00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा दिनांक 25.01.2025 को दोपहर 12:00 बजे खोली जायेंगी। मुख्य अन्वेषक के पास एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

उपकरण का विवरण	मात्रा	UBN Number	अनुमानित लागत रूपये (लाख में)	निविदा शुल्क रूपये (हजार में)	धरोहर राशि रूपये (हजार में)
Conversion of mesh cattle feed plant into pellet feed plant	1	VAU2425GLOB00115	35 लाख	1000	70,000

राज.संवाद/सी/24/10064 Principal Investigator

जीरो सैटबैक में अवैध निर्माण करने पर तीन मंजिला भवन को सील किया

■ जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-12 में ग्राम जयरामपुरा में जेडीए की फार्म हाउस योजना की 100 करोड़ रूपये की करीब 45 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-12 में ग्राम जयरामपुरा में जेडीए की फार्म हाउस योजना की 100 करोड़ रूपये की करीब 45 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-9 गैर अनुमोदित योजना गणेश नगर, श्योपुर, सांगानेर के भूखण्ड संख्या सी-56 में जीरो सैटबैक का गंभीर उल्लंघन कर जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति के बनी 03 मंजिला अवैध बिल्डिंग की नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जयरामपुरा, जिला जयपुर में जेडीए की फार्म हाउस योजना में करीब 45 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर स्थानीय काश्तकारों द्वारा कब्जा-अतिक्रमण कर पशुओं का बाड़ा, मिट्टी की डोल बनाकर, लकडी की छडियां, झाडियां लगाकर, सीमेन्ट के पिल्लर गाड़कर, तारबंदी, बाउण्ड्रीवाल कर अवैध रूप से कब्जा-अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर सामूहिक अभियान का आयोजन कर उप नियंत्रक प्रवर्तन श्री रामावतार ताखर की मौजूदगी में आज उपायुक्त जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर जेडीए स्वामित्व की बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त अतिक्रमण मुक्त सरकारी भूमि की अनुमानित कीमत करीब 100 करोड़ रूपये है।

जेडीए द्वारा जोन-9 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गैर अनुमोदित योजना गणेश नगर, श्योपुर सांगानेर के भूखण्ड संख्या सी-56 में जीरो सैटबैकक का गंभीर उल्लंघन कर जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति के ग्राउण्ड फ्लोर 3 मंजिला में अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर नोटिस जारी कर आज उक्त बिल्डिंग के प्रवेश द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईंटों की दीवारों से चुनवाकर गेट ताला सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में की गई।

छोटे भाई को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मृतक भाई की जगह पर प्रार्थी छोटे भाई को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर भारतीय जीवन बीमा निगम को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस समीर जैन ने यह निर्देश राहुल मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। मामले से जुड़े अधिवक्ता सिद्धार्थ जैन ने बताया कि प्रार्थी की विधवा मां ने एलआईसी में कार्यरत बड़े बेटे मोहित के निधन के बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया था। लेकिन एलआईसी ने नियमों का हवाला देते हुए उसकी मां का यह प्रार्थना पत्र अस्वीकार कर दिया। एलआईसी का कहना था कि प्रार्थी भाई की श्रेणी में आता है और उसे निगम में अनुकंपा पर नियुक्ति नहीं दी जा सकती। इसे प्रार्थी ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि आर्थिक एवं पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही परिवार में किसी अन्य आश्रित के ना होने की स्थिति में भाई की जगह पर भाई को भी अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जा सकता है।

पीएमश्री विद्यालयों में रोजगार मेलों और हैल्थ कैंप के निर्देश

पीएमश्री विद्यालयों के लिए व्यय और प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक

जयपुर। राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी की अध्यक्षता में शिक्षा संकुल सभागार में पीएमश्री विद्यालयों के लिए व्यय और प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिलेवार एडीपीसी, सीडीओ, पीओ और संस्था प्रधानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया गया। बैठक में पीएम श्री विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं सहित सिविल कार्य, सोलर पैनल लगाने और खेल सामग्री की खरीद एवं वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई।

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने शिक्षा संकुल सभागार में पीएमश्री विद्यालयों के लिए व्यय और प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक को संबोधित किया।

उन्होंने सभी जिलों को शीघ्रता से बकाया धनराशि को विद्यालयों को स्थानांतरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लर्निंग एन्हांसमेंट के तहत विद्यार्थी को शिक्षक लगाकर शिक्षण से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने विद्यार्थियों से संबंधित गतिविधियों को प्राथमिकता से पूर्ण करने और नागरिकता कौशल की गतिविधियां गणतंत्र दिवस पर आयोजित करना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही खेल सामग्री की खरीद में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और जनवरी में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों और हेल्थ कैंप के लिए तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चतुर्वेदी ने जिलेवार समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के लिए त्वरित और प्रभावी कदम उठाने का सुझाव दिया।अतिरिक्त परियोजना निदेशक सुरेश कुमार बुनकर ने जिलावार गतिविधियों के संबंध में समीक्षा की और आगामी दिनों के लिए एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश भी दिए।

समाज के सक्रिय सहयोग से इस बार होगा हरित कुंभ : डॉ. रमेश अग्रवाल

■ मुरलीपुरा से 40 हजार थाली-गिलास-थैलों से भरा ट्रक रवाना

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्रीय संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल ने कहा कि प्रयागराज का कुंभ हरित कुंभ होने जा रहा है। समाज के सहयोग से ही यह ऐतिहासिक कार्य होने जा रहा है।

डॉ. अग्रवाल गुरुवार को मुरलीपुरा स्कीम सर्किल पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि एवं अपना संस्थान जयपुर प्रांत की ओर से समाज से एकत्र 40 हजार थाली, 40 हजार गिलास और 40 हजार थैलों से भरे ट्रक को रवाना करते समय बोल रहे थे।

उन्होंने आव्हान किया कि जो भी लोग कुंभ में जाना चाहते हैं वे कृपया अपने साथ एक थाली, गिलास और थैला अवश्य लेकर जाएं। भोजन के दौरान इन्हीं का उपयोग करें। डिस्पोजल थाली और गिलास का उपयोग नहीं करें। ऐसा कर हम करोड़ों टन कचरा एकत्र होने से बचा सकेंगे। पूरा विश्व को हम इस छोटे से कार्य से एक अच्छा संदेश दे सकेंगे। डॉ अग्रवाल ने आगे कहा कि पर्यावरण हित में हमें घर पर भी सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि एवं अपना संस्थान जयपुर प्रांत संयोजक अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि कुंभ में जयपुर से 30 हजार और पूरे राजस्थान से एक लाख से अधिक थालियां और थैले भेजे जा चुके हैं।

इससे पूर्व गायत्री परिवार के प्रहलाद शर्मा, विद्याधर शर्मा, रामेश्वर चौधरी, रेणु पाटोदिया, भूपेन्द्र शर्मा ने बसंतानंद महाराज के सान्निध्य में गणेश पूजन कर स्वस्तिवाचन किया। उपस्थित लोगों ने जयकारों के साथ ट्रक को रवाना किया।

भूमिहीन राजकीय कार्यालयों, विद्यालयों एवं खेल मैदानों के लिए किये 49 भूमि आवंटन

■ जयपुर जिला प्रशासन ने कुल 236 बीघा से अधिक भूमि आवंटित की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन ने पिछले तीन महीनों में अभियान के तौर पर कार्यवाही को अंजाम देते हुए कुल 49 भूमिहीन विद्यालयों एवं खेल मैदानों, उप स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित विभिन्न विभागों के राजकीय कार्यालयों के लिए 236 बीघा से अधिक भूमि का आवंटन किया है। जिला प्रशासन द्वारा भूमिहीन विद्यालयों, खेल मैदानों, शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्व विभाग, कॉलेज शिक्षा विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों के कार्यालयों के लिए भूमि का आवंटन किया गया है।

जयपुर जिला प्रशासन की इस पहल से ना केवल भूमिहीन राजकीय कार्यालयों एवं विद्यालयों के भवन निर्माण होंगे, आमजन के लिए राजकीय कार्यालयों एवं चिकित्सालयों में सुविधाएं सुनिश्चित होगी। साथ ही, खेल मैदान विकसित होने से खेल प्रतिभाओं को भी अपने हुनर को तलाशने एवं तराशने के लिए व्यापक सुविधाएं मिलेंगी। इस प्रकार जिला प्रशासन द्वारा विगत तीन महीनों में अभियान के तहत कुल 110 प्रकरणों में भूमि आवंटन सुनिश्चित करने की दिशा में अहम एवं उल्लेखनीय कार्यवाही की है।

आई.आई.एस. स्कूल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आज

जयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा 1 जनवरी से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न जागरूकता और समझाइश कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में शुक्रवार को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात अनिल पालीवाल की अध्यक्षता में मानसरोवर स्थित आईआईएस स्कूल में स्कूली बच्चों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

एडीजी ट्रैफिक पालीवाल ने बताया कि राज्य के सड़क परिवहन को सुगम, सरल एवं सुरक्षित संचालन के लिए जनवरी महीने में सड़क सुरक्षा माह आयोजित किया जा रहा है।

विद्यार्थियों और बाल वाहिनियों के चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से शुक्रवार को प्रात: 11 बजे आईआईएस स्कूल में जन जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तावित है।

इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए स्कूल के समस्त विद्यार्थी बाल वाहिनी के चालक सहित स्कूल स्टाफ की पूरी टीम एवं यातायात प्रबंधन से जुड़े पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे।

कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी सड़क सुरक्षा सप्ताह के महत्व से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह देंगे।

सार-समाचार

स्वास्थ्य पर विधिक जागरूकता शिविर

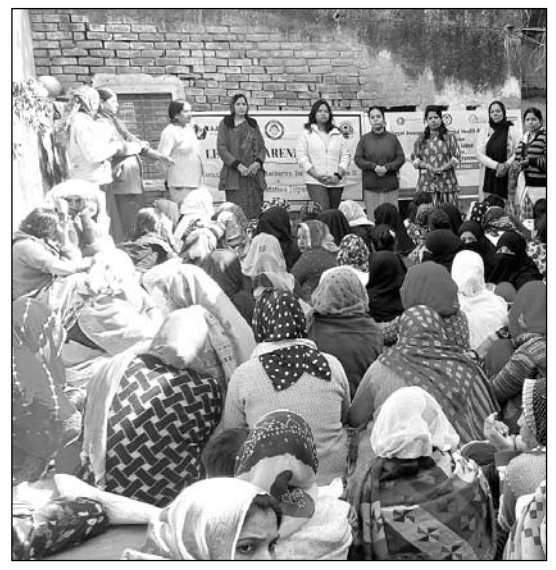

जयपुर। आसरा फाउंडेशन ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा के निर्देशानुसार मज़दूर नगर हसनपुरा में मानसिक स्वास्थ्य पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। अधिवक्ता नीतू और उनकी टीम ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता, और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। शिविर में महिलाओं को नि:शुल्क सैनेटरी पैड भी वितरित किए गए। सामाजिक कार्यकर्ता रोहिनी ने मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर चर्चा की, जबकि विधि छात्रा शार्वी ने सरल भाषा में कानूनी प्रक्रियाओं को समझाया। इस अवसर पर आसरा फाउंडेशन जयपुर संस्था ने सरिता और मीना को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। शिविर में महिलाओं को उनके अधिकारों, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया गया।

वॉलीबॉल खिलाड़ियों के ट्रायल पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने उत्तराखंड में वॉलीबॉल के 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन की ओर से आयोजित हो रहे खिलाडियों के ट्रायल पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पक्षकारों को जवाब पेश करने के लिए दस जनवरी तक का समय दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश दुष्यंत सिंह व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया कि वॉलीबॉल के 38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से उत्तराखंड में आयोजित हो रहे हैं। इसके लिए भारतीय ओलम्पिक संघ ने गत 20 दिसंबर को पत्र जारी कर अनिश व्यास की अध्यक्षता में बने राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन को इस प्रतियोगिता के लिए खिलाडियों का चयन करने को कहा। इसकी पालना में राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन ने याचिकाकर्ताओं सहित अन्य खिलाडियों का चयन कर 28 दिसंबर को चयन सूची जारी कर दी। याचिका में कहा गया कि इसके बाद भारतीय ओलम्पिक संघ ने तेजस्वी सिंह की अध्यक्षता वाले राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन को मान्यता दे दी। याचिका में कहा गया कि अब यह एसोसिएशन नए सिरे से खिलाड़ियों का ट्रायल कर रही है। जबकि याचिकाकर्ताओं का पूर्व में चयन हो चुका है और उनकी तैयारियां चल रही हैं। दो एसोसिएशन के झगड़े में याचिकाकर्ता खिलाडियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। सुनवाई के दौरान राजस्थान ओलम्पिक संघ की ओर से अदालत को आश्वस्त किया गया कि वे आगामी सुनवाई तक ट्रायल नहीं करेंगे। इस पर अदालत ने ट्रायल पर रोक लगाते हुए पक्षकारों को जवाब पेश करने के लिए दस जनवरी तक का समय दिया है।

नर्सिंग निर्देशालय खोलने की माँग

जयपुर। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष मनोज दुब्बी ने आज निर्देशक अराजपत्रित राकेश शर्मा को बचत सत्र में नर्सिंग निर्देशालय खोलने की घोषणा करवाने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने को लेकर ज्ञापन दिया। नर्सिंग ऑफिसर भर्ती 2023 की पदस्थापन सूची जारी करने पर राज्य सरकार का आभार जताया और नव चयनित और सभी नवनियुक्त नर्सिंग ऑफिसर्स साथियों को आज उनके पदस्थापन आदेश जारी होने पर शुभकामनायें दी।

विश्व हिन्दी दिवस पर राज्यपाल ने बधाई दी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्व हिन्दी दिवस (10 जनवरी) पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल बागडे ने कहा कि हिन्दी भाषा नहीं बल्कि संस्कृति है। यह जन-जन की भाषा है। उन्होंने दुनिया के कोने-कोने में फैले हिंदी भाषियों से अपने घर-परिवार में इसका अधिकाधिक प्रयोग करने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि हिंदी को आधुनिक तकनीक के जरिए भावी पीढ़ी के लिए उपयोगी बनाते इसके प्रसार के हम संवाहक बने।

आमेर महल में हाथी सवारी की दर 1500 रुपये निश्चित की

जयपुर। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के निदेशक डॉ. पंकज घरेन्द्र ने बताया कि कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आमेर महल में हाथी सवारी की दर 1500 रुपये निश्चित किये जाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, हाथी सवारी दरों में प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी एवं 5 वर्ष पश्चात् इसकी समीक्षा करने की सहमति दी गई है। यह दरें 10 जनवरी से प्रभावी होंगी।

विद्यार्थियों को व्यवसायिक शिक्षा से जोड़ने पर चर्चा

■ राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की निष्पादक समिति की बैठक

जयपुर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की निष्पादक समिति की नौवी बैठक शिक्षा संकुल सभागार में गुरुवार को आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने की।

बैठक में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद अविचल चतुर्वेदी द्वारा पिछली आठवी निष्पादक की बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसका समिति द्वारा अनुमोदन किया गया।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की निष्पादक समिति की बैठक शिक्षा संकुल सभागार में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने की। बैठक में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद अविचल चतुर्वेदी मौजूद थे।

बैठक में 9वी बैठक के प्रस्तावित एजेंडा पर बिंदूवार विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सीकर एवं झुंझुनूं जिले द्वारा ट्रांसपोर्ट वाउचर संबंधी नवाचार के अंतर्गत बस द्वारा बच्चों को लाने ले जाने की व्यवस्था की सराहना की गई। इसी प्रकार आदिवासी क्षेत्र के जिलों में विद्यार्थियों के लिए बस सुविधा उपलब्ध करवाने की रूपरेखा तैयार करने, भारत सरकार के कर्मयोगी पोर्टल पर उपलब्ध प्रशिक्षण मॉड्यूल से शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण लेने के लिए प्रोत्साहित करने, कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को व्यवसायिक शिक्षा से जोड़कर रोजगार उपलब्ध करवाने पर विस्तृत चर्चा की गयी।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में बालिकाओं के भोजन करने हेतु किचन मय डायनिंग हॉल की स्थापना, होलेस्टिक रिपोर्ट कार्ड के मुद्रण एवं वितरण और ब्रेल बुक्स के व्यय का अनुमोदन किया गया। शिक्षा सचिव ने विद्यार्थियों को वितरित कौशल सामग्री की उपयोगिता सुनिश्चित करने और वर्कबुक को प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुंचाने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में आयुक्त मिड डे मील विश्व मोहन शर्मा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, निदेशक प्रारंभिक शिक्षा सीताराम जाट, निदेशक साक्षरता मेघराज सिंह रतनू, जिला कलेक्टर सीकर मुकुल शर्मा, विशिष्ट शासन सचिव वित्त टीकम चंद बोहरा, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक डॉ.रौनक बैरागी, पंचायती राज विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधि एवं उपायुक्त मौजूद रहे।

डॉ. लीला बोर्डिया को ब्लू पॉटरी के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

जयपुर। जयपुर की डॉ. लीला बोर्डिया को हाल ही में ऑल इंडिया पॉटरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईएमपीएमए) द्वारा कोलकाता में ब्लू पॉटरी के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पिंक सिटी में स्थित नीरजा इंटरनेशनल की संस्थापक, डॉ. बोर्डिया ने राजस्थान में ब्लू पॉटरी को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक महिला उद्यमी और मार्गदर्शक के रूप में, उन्होंने कई ग्रामीण कारीगरों को ब्लू पॉटरी के उत्पादन में शामिल किया और उन्हें विपणन में सहायता प्रदान करके उनके जीवन को बदल दिया। डॉ. बोर्डिया ने 45 से अधिक देशों की यात्रा की है, जहां उन्होंने व्यापार की विभिन्न बारीकियों को समझा और उन अनुभवों का उपयोग राजस्थान की ब्लू पॉटरी को अधिक बिक्री योग्य बनाने में किया। उनका मानना है कि किसी भी शिल्प को बढ़ावा देने के लिए उसकी दैनिक जीवन में उपयोगिता आवश्यक होती है।

जयपुर में चिकित्सा अधिकारियों ने किया राजस्थान हॉस्पिटल का भ्रमण

■ बेस्ट प्रेक्टिसेज का किया अध्ययन

जयपुर। देश-प्रदेश के नामी अस्पतालों की बेस्ट प्रैक्टिसेज का अध्ययन करने की कड़ी में चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के दल ने गुरूवार को जयपुर में राजस्थान अस्पताल का भ्रमण किया। शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा के नेतृत्व में गए अधिकारियों के दल ने राजस्थान अस्पताल में बेस्ट प्रेक्टिसेज और प्रबंधकीय व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा के नेतृत्व में गए अधिकारियों के दल ने राजस्थान अस्पताल में बेस्ट प्रेक्टिसेज और प्रबंधकीय व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकारी अस्पतालों में भी नामी निजी अस्पतालों की तरह प्रबंधकीय व्यवस्थाएं और सुदृढ़ हों, ताकि आमजन को उपचार लेने में कठिनाई नहीं हो। इसी दिशा में निजी अस्पतालों का चरणबद्ध रूप से भ्रमण किया जा रहा है। बुधवार को संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल के भ्रमण के दौरान कई बेस्ट प्रैक्टिसेज जानने का अवसर मिला। इसी प्रकार आज राजस्थान अस्पताल का भ्रमण कर बेस्ट प्रेक्टिसेज का अवलोकन किया गया है।

उन्होंने कहा कि दुनिया के नामी विशेषज्ञ चिकित्सक, प्रशिक्षित स्टाफ एवं मजबूत आधारभूत ढांचे के साथ-साथ राजकीय चिकित्सा संस्थानों में प्रबंधन को मजबूत किया जाएगा। प्रबंधकीय बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोफेशनल्स को भी हायर किया जायेगा। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर वित्त विभाग द्वारा अस्पताल प्रबंधन के पद स्वीकृत भी किये गये हैं।

राजस्थान अस्पताल के भ्रमण के दौरान अस्पताल के वाइस प्रेजिडेंट एवं सीईओ डॉ. सर्वेश अग्रवाल ने विस्तृत प्रजेंटेशन दिया, जिसमें उन्होंने राजस्थान अस्पताल के ओपीडी, आईपीडी, आईसीयू, अस्पताल की डिजिटल डाटा शेयरिंग, रिकॉर्ड एवं हैंडलिंग प्रणाली, हार्ट सेण्टर, कैथलैब, सभी प्रोसीजर एरिया, ऑपरेशन थिएटर, सीएसएसडी, लॉन्ड्री इश्यू सिस्टम, इन्फेक्शन कण्ट्रोल के मानकों की अनुपालना, सफाई, नियमित मेंटेनेन्स जैसी व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत कराया। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. एसएस अग्रवाल ने कहा कि अस्पताल की इमारत के साथ-साथ वहां इलाज अफोर्डेबल, विश्वसनीय और विश्व स्तरीय होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग को जहां भी राजस्थान अस्पताल के सहयोग की आवश्यकता होगी, वे तत्पर रहेंगे। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने अस्पताल के भ्रमण के दौरान प्लास्टिक डिस्पोजेबल मशीन, वेन्डिंग मशीन की स्थापना, ऑनलाइन सेल्फ रजिस्ट्रेशन प्रोसेस, ऑनलाइन क्यू मैनेजमेन्ट, प्रत्येक ओपीडी वार्ड में विकेन्द्रीत ऑनलाइन क्यू मैनेजमेन्ट, नर्सिंग स्टाफ द्वारा रोगी की बीपी, पल्स रेट, वजन इत्यादि का विवरण अंकित कर चिकित्सक के पास भेजना, व्हाटस अप चैट बोट से फीडबैक सिस्टम, बायोमेट्रिक उपस्थिति, किट्रिकल पेशेंट अलर्ट मैसेज, मासिक एवं वार्षिक मूल्यांकन जैसी बेस्ट प्रैक्टिसेज की जानकारी ली। और इन्हें राजकीय चिकित्सा संस्थानों में लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

ARBiT it happens here...

International Brainteaser Month

Everyone loves a good riddle. Brain teasers are an excellent way to keep our minds sharp and focused. Many teachers have their students practice them in class, but have you done many as an adult? People often talk about physical stimulation and keeping your body healthy, but where's the brain gym to help keep your wits sharp? Most people don't realize that engaging in mental stimulation is just as important as keeping your body in shape, but that's what International Brainteaser Month hopes to change! Engage in puzzles that tickle your mind.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
10 January 2025
A-B

#GESTATION

Virtual Green Space

There is extensive research on the positive impacts of green space exposure on health and well-being.

Pregnant women, exposed to a green space environment in virtual reality, experienced decreases in blood pressure and improvements in mental health and well-being, according to a new study.

"Even short exposure to a virtual green space environment showed physiological and affective stress reduction among pregnant women," says Jun Wu, professor of Environmental and Occupational Health in the University of California, Irvine's Program in Public Health.

"It's not the same as the real world, but this study helps inform city planners, who are creating urban spaces. It proves the importance of green space to the well-being and mental health of the population living in those spaces."

There is extensive research on the positive impacts of green space exposure on health and well-being, including reduced risk of mortality, cardiovascular disease, and Type 2 diabetes, improved pregnancy outcomes such as decreased risk of low birth weight and preterm birth, and enhanced mental health. However, exploration of the link between physiological mechanisms and green space among special populations, like pregnant women, has been lacking. For the study, researchers recruited 63 healthy pregnant women from Beijing to participate in the double-blind, randomized study. They began by triggering anxiety among the women in a lab-developed stress test. Then, they showed the women three five-minute, 360-degree videos of urban environments, one depicting a park-like setting, the second consisting of a street view with green space, and the third featuring a street view without green space.

Before and after the videos, researchers measured participants' blood pressure, heart rate, and skin conductance level, collected saliva samples, and administered a questionnaire about positive and negative emotions.

The team found that visual exposure to a VR green space environment was associated with lower systolic blood pressure, reduced salivary alpha-amylase (an indicator of stress), improved positive emotions, and decreased negative emotions compared to the non-green space environment. The park-like setting had the highest positive reaction out of the three videos.

In the quiet predawn hours of April 15, 1912, the RMS Titanic met its icy fate. Its tragic sinking became a symbol of human hubris and the fragility of life. But what if that ill-fated night had played out differently? What if the Titanic had evaded the iceberg, sailing triumphantly into New York Harbor, days later? In this alternate universe, the story of the Titanic takes on a vastly different hue, one of triumph, lives saved, and futures forever altered.

What If the Titanic Had Never Sunk?

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

Imagine New York City in the spring of 1912! The Titanic, hailed as the greatest ship ever built, glides into Pier 59 under a brilliant morning sun. Its hull gleams, its decks are alive with waving passengers, and its iconic name becomes synonymous not with tragedy but with achievement.

On the promenade deck, John Jacob Astor IV, one of the wealthiest men in America, stands proudly beside his pregnant wife, Madeleine. The pair, admired by all, step onto American soil to a flurry of camera flashes and cheers. In this version of history, Astor lives to see the birth of his son, becoming a guiding influence in his life and continuing his innovative pursuits. "The Titanic was supposed to be a new beginning for us," Madeleine might have said, marvelling at the start of a brighter future.

In steerage, families like the Sages, a hardworking clan of eleven, experience a profound moment of hope. The reunion at the docks is heartwarming, hugs, tears, and laughter as they embrace relatives waiting for them in the land of opportunity. Their survival sparks stories passed down through generations, of a fateful voyage, that brought them to a new beginning.

Heroes of the Ship

The Titanic's crew, hailed as stewards of safety and luxury, would have basked in well-earned praise. Captain Edward Smith, set to retire after this maiden voyage, would have gone out not as a tragic figure but as a celebrated mariner. Imagine his farewell dinner, crew members raising glasses in his honour, recounting his steady leadership.

Charles Joughin, the ship's head baker, known for his humour, could have regaled future passengers with tales of baking bread for 2,200 people while navigating the Atlantic. "We kept the ovens hot through the coldest nights," he might have quipped, adding warmth to an already legendary ship. Wallace Hartley and his band, whose melodies famously calmed passengers during the real disaster, would have played triumphant tunes as the Titanic docked. Their music, once a somber requiem, becomes a symbol of unyielding spirit. Perhaps their band, 'The Unsinkable Melodies,' would have gone on to captivate audiences worldwide, their fame cemented by their voyage on the Titanic.

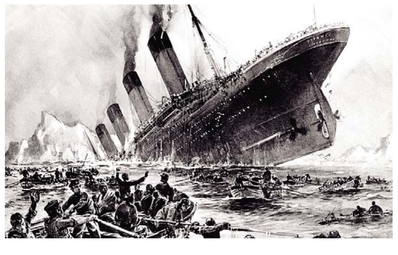

#IMAGINE

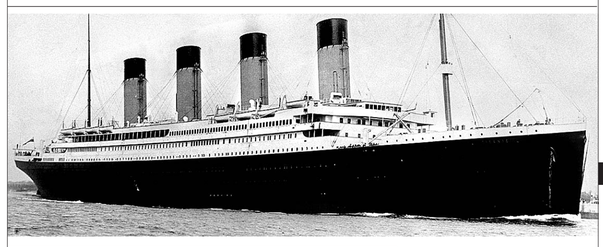

The Ripple Effects

The Titanic's survival would have sent ripples across history. The maritime industry, lacking the urgent lessons born of the tragedy, might have taken longer to adopt stricter safety measures like lifeboat drills, watertight compartments, and iceberg patrols. Another disaster, perhaps even more devastating, could have been the catalyst for change.

Social reform, too, might have evolved at a slower pace. The Titanic's sinking laid bare the inequities of the time, where class dictated survival. Without this glaring example, the call for equality in safety, opportunity, and representation might have faced greater resistance.

Yet, Titanic's continued voyages might have created opportunities for countless others. Immigrants, artisans, and adventurers aboard future crossings could have written stories of hope and discovery, boarding the ship of dreams to pursue their aspirations. The Titanic might have become a symbol not just of luxury, but of the boundless possibilities that awaited those who dared to dream.

Legends That Could Have Been

Among the Titanic's passengers were stories brimming with potential. Eva Hart, who, in reality, survived the sinking but lost her father, might have disembarked with her family intact. As an adult, she could have shared tales of the ship's opulence and adventure instead of its tragedy. Jack Thayer, the spirited 17-year-old from first class, might have channelled his youthful exuberance into recounting the grandeur of the Titanic, the glitter of chandeliers, the camaraderie on deck, and the stories that intertwined across classes. Perhaps, he would have become a celebrated author, with his book, *A Voyage on the Titanic*, becoming a bestseller. Even the Navratil brothers, Michel and Edmond, whose father sacrificed himself to save them, might have walked off the ship hand-in-hand with their father. In this alternate history, their story becomes one of a family reunited, not one torn apart. Imagine them growing up together, sharing a bond forged on a voyage, that became a cornerstone of family lore.

Moments of Joy

Picture the ship's final night of the voyage, laughter echoing in the first-class dining room as couples dance to a live orchestra. Children play hide-and-seek in the grand stairwell, their giggles a reminder of innocence and joy. In the third-class quarters, passengers share songs and stories, united by their dreams of a better future.

In this timeline, the Titanic's decks become a stage for connections, that might otherwise never have formed. A first-class lady befriends a third-class seamstress, breaking barriers of class and status. "We shared stories about our families, our hopes. The ocean didn't care about class, and neither did we," she might later recount.

The ship's journey, unmarred by disaster, would have been celebrated as a tapestry of humanity. The Titanic's survival would have been a victory not just for its passengers, but for the human spirit.

Edward J. Smith

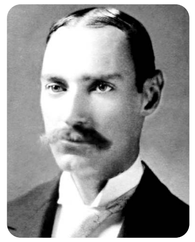

John Jacob Astor IV

A Ship That Lived On

Had the Titanic survived, it might have gone on to ferry countless passengers across the Atlantic. Perhaps, in its later years, it would have been retired and turned into a floating museum, preserving its legacy as a marvel of engineering. Imagine school children walking its decks decades later, marvelling at its grandeur and learning about its history, not as a tragedy, but as a triumph. The Titanic might even have inspired advancements in luxury travel. New ships, learning from its design, could have aimed higher, sparking a golden age of transatlantic voyages where opulence and safety went hand-in-hand. In such a world, the Titanic's survival would have reshaped our understanding of progress. It might have become a symbol of resilience, inspiring not just engineers, but storytellers, artists, and dreamers.

Cultural Shifts

The arts, too, would have taken a different direction. Without its tragic end, the Titanic might not have inspired countless books, songs, and films. James Cameron's 1997 blockbuster might have been a tale of adventure and romance without heartbreak, a story of triumph on the high seas.

But would the Titanic's legend have been as enduring without its tragedy? Its name, synonymous with human ambition and hubris, might have become simply that of a successful ship, overshadowed by newer marvels. Even so, the Titanic's legacy in this alternate history would have been one of inspirations. Its decks might have been graced by poets and painters, capturing the ship's beauty and spirit. Its survival would have given us a narrative of hope and resilience, a reminder that not all ambitions end in failure.

Nostalgia for What Could Have Been

Even today, in this reimagined history, people look back on the Titanic's maiden voyage with wonder. Veterans of the ship recount their memories with pride, their voices filled with nostalgia rather than sorrow. Eva Hart might say, "The Titanic wasn't just a ship, it was a community, a dream on the waves." Jack Thayer might reflect, "The friendships, that I made on that voyage, lasted a lifetime. It was more than a journey, it was the beginning of a story." These memories, filled with joy and free of heartbreak, would have painted the Titanic as a symbol of hope and ambition, not loss.

A Bittersweet Question

What if the Titanic had never sunk? It's a question that stirs both comfort and longing. Comfort in imagining the lives saved and the dreams fulfilled, yet longing for the lessons learned from its loss. The Titanic's legacy, real or reimagined, remains a powerful reminder of humanity's ability to dream, to strive, and to endure. In this alternate world, the Titanic is not just a ship, it is a beacon of resilience and hope. Its story reminds us that, in any timeline, the human spirit is unsinkable. In this imagined reality, the Titanic serves not as a grave in the deep, but as a triumph riding the waves. It carried not just passengers but their ambitions, joys, and stories, woven into the fabric of humanity. It reminds us that dreams, even when fleeting, have the power to inspire across centuries. And in an alternate timeline, it is remembered not for what was lost, but for everything it achieved.

rajeshsharma1049@gmail.com

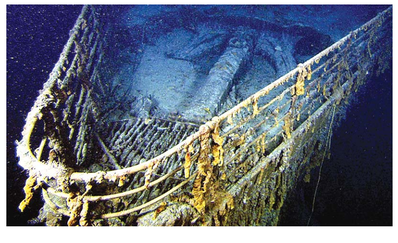

#MENTAL HEALTH

Why is Anxiety Worse at Night?

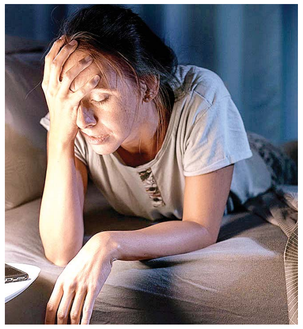

Why is night-time often anxiety o'clock? Here's what to know.

It's all too common to spiral into worry and rumination once the sun goes down. Research has long suggested that, for many people, anxiety symptoms spike and mental health, otherwise, suffers at night. Risks of suicidal behaviour and substance misuse also rise after dark, and people's mood plummets from roughly 1 A.M. to 4 A.M. General anxiety peaks at various times throughout the day, around 8 A.M., 4 P.M., and 1 A.M., but the racing thoughts, that plague many anxiety sufferers, are at their worst in the evening.

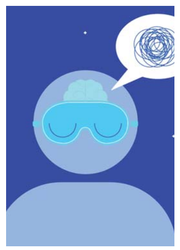

Why Anxiety feels Worse at Night?

The human body has a finely tuned biological clock that influences everything from when you feel hungry to when you get sleepy. "Those internal rhythms also affect the brain," says Rebecca Cox, an assistant professor of Psychological and Brain Sciences at Washington University in St. Louis and co-author of the recent *Psychiatry Research* study on timing of anxiety symptoms.

The longer you're awake, the more your body wants to sleep. Certain biological signals keep you alert and ward off sleep throughout the day, but those signals drop off at night. "If you're awake as they drop and 'sleep pressure' builds, cognitive function often suffers," Cox explains. "Among other consequences, these effects seem to make it harder for your brain to regulate emotions," she says.

These cognitive effects also help explain why people are susceptible to self-harm and substance abuse late at night, research by Brown's colleagues suggests. "If you're having an urge for any kind of unhealthy or unsafe behaviour, chances are that it's more difficult to control that in the middle of the night," she says. Making matters worse, "when we're awake at night, usually, we're isolated. The rest of the world is asleep," Cox says. "If I'm feeling anxious during the day, maybe, I can talk to a friend or partner, but if I'm the only one awake at night and I'm feeling all these negative feelings, I don't have an external way to regulate those."

"Your brain also has fewer distractions at night," adds Dr. Jeffrey Strawn, director of the Anxiety Disorders Research Program at the University of Cincinnati College of Medicine. "During the day, you're likely to be preoccupied with work, errands, chores, family and social obligations, and the constant ping of your phone. But at night, and particularly when you get into bed, much of that falls away, creating a 'perfect setup' for that runaway anxiety, that ruminative thinking about 'what if' and 'what about,' and then also replaying the prior day," Strawn says.

Will you actually 'Feel Better' in the Morning?

You've probably heard the advice to get a good night's sleep when you're worried or upset, because everything will feel better in the morning. There actually seems to be some truth to that adage, research suggests. Anxiety and sleep are closely linked. Anxious people tend not to sleep well, and poor sleep may also predict future anxiety, as researchers, including Cox, have demonstrated. Conversely, getting a good night's rest often seems to ease anxiety and take the edge off negative memories, studies suggest. "Sleep is medicine," Strawn says, which makes good sleep habits crucial, especially for people who struggle with anxiety. In addition to the classic advice, like sleeping in a cool, dark, and quiet room, limiting caffeine intake, seeing bright light early in the day but limiting it at night, and establishing a consistent bedtime routine, Brown says that it's important to wait until you're actually tired to get in bed. People often go to bed abnormally early when they want to get a good night's sleep, but that can backfire. "That's actually a known, ineffective strategy that tends to make insomnia worse and anxiety about sleep a lot worse," she says. It gives you plenty of time to lie awake, stressing about the fact that you should be sleeping. "And be careful about self-medicating to get to sleep," Brown says. Substances, including alcohol and marijuana, sometimes make it easier to fall asleep initially, but may lead to poorer sleep quality overall.

What to do about Night-time Anxiety?

Prevention is often the best medicine, as Brown says. She recommends setting aside 10 minutes during your day (well before bedtime) to have structured 'worry time,' a practice supported by research. Set a timer and use those entire 10 minutes to run through everything that's nagging at you, writing down notes or to-dos, if you find it helpful.

It's also important to get out of bed if you find yourself spiraling into anxiety, as Strawn says, otherwise, you may begin to subconsciously associate your bed with worry and wakefulness. "If folks aren't able to fall asleep in about 15 minutes, I want them to get out of bed," he says. Get up and do something that isn't cognitively stimulating like reading your dishwasher's manual, he suggests. "It can also be helpful to do a meditation or breathing exercise that brings down physiological stress levels," Cox says.

THE WALL

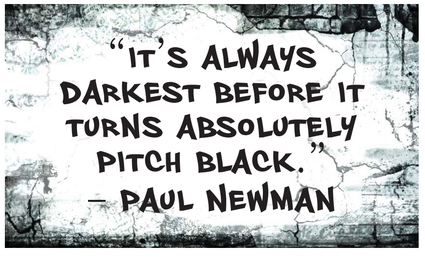

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

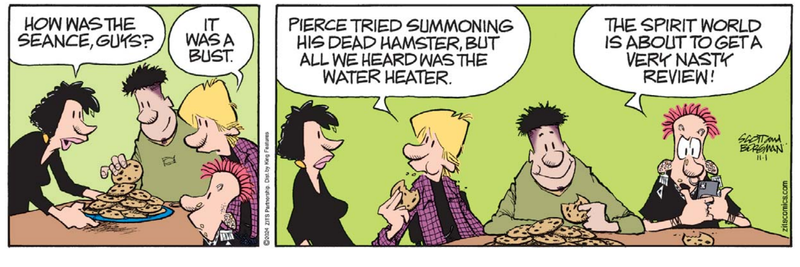

ब्यावर में स्प्रीट से अवैध अंग्रेजी शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी

चार अभियुक्त गिरफ्तार, शराब परिवहन के उपयोग में लाया जा रहा टेम्पो जब्त

ब्यावर, (निसं)। ब्यावर में स्प्रीट से अवैध अंग्रेजी शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी है। वहीं पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया तथा शराब परिवहन के उपयोग में लाया जा रहा टेम्पो जब्त किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में स्प्रीट से निर्मित अंग्रेजी शराब, मशीनें, खाली बोतलें, पव्वे तथा देशी-विदेशी अंग्रेजी शराब के लेबल बरामद किये। बताया जा रहा है कि किराये के मकान में फैक्टरी लगाकर अन्दर स्प्रीट से निर्मित अंग्रेजी शराब का कारखाना लगा रखा था।

जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह आई.पी.एस. के निर्देशन में वृताधिकारी राजेश कसाना के निकट सुपरविजन में कार्रवाई करते हुए जिला स्पेशल टीम तथा थानाधिकारी साकेत नगर बलभद्र सिंह ने स्प्रीट से अंग्रेजी शराब बनाने की अवैध फैक्टरी से 38 कार्टून स्प्रीट निर्मित अंग्रेजी शराब व शराब निर्माण में काम आने वाली मशीनें, खाली बोतलों तथा परिवहन में प्रयुक्त टेम्पो को जब्त कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार बुधवार को सांय डीएसटी टीम को सूचना मिली कि साकेत नगर थाना इलाके में कुछ लोगों ने एक किराये के मकान में अवैध शराब बनाने की फैक्टरी लगा रखी है और वहां भारी मात्रा में स्प्रीट से निर्मित अवैध शराब मिल सकती है। इस पर जिला स्पेशल टीम थानाधिकारी साकेत नगर बलभद्र सिंह पुलिस निरीक्षक ने मय टीम कृष्णा कॉलोनी पहुंचे जहां पर भरत भाई तेली के मकान में टीम ने दबिश दी तो मकान में चल रही अवैध शराब की फैक्टरी मिली, जहां भारी मात्रा में अवैध स्प्रीट निर्मित अंग्रेजी शराब व देशी व अंठोजी शराब की बोतलें, पव्वे, शराब निर्माण करने की सामग्री मशीनें, स्प्रीट के खाली ड्रम, शराब की बोतलों पव्वों पर लगाने के लेबल व परिवहन में प्रयुक्त एक लौडिंग टेम्पो भी मिला।

वहां पर शैलेन्द्र सिंह राठौड़ उर्फ शेरू पुत्र भगवानसिंह रावणा राजपूत निवासी महादेव कॉलोनी आईओसी कॉलोनी के पीछे सेन्दडा रोड, योगेश भाण्ड पुत्र नारायण लाल भाण्ड निवासी बिलातों का बाड़िया चांग, दीपक कुमावत पुत्र रामचन्द्र कुमावत निवासी कुमावत कॉलोनी फतेहपुरिया दोयम, विक्रम पुत्र शंकरलाल भाण्ड निवासी बिलातों का बाड़िया चांग मिले, जिनके कब्जे से सभी सामग्री बरामद की गई। गिरफ्तारशुदा मुलजिम शैलेन्द्र सिंह राठौड़ उर्फ शेरू ने मकान किराये पर लेकर मकान के अन्दर शराब निर्माण करने की फैक्टरी लगाकर भारी मात्रा में अवैध स्प्रीट से अंग्रेजी व देशी शराब का निर्माण कर उन पर विभिन्न ब्राण्ड की कम्पनियों के लेबल लगाकर बाजार में बेच रहे थे। आरोपियों के विरूद्ध थाना साकेत नगर में आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

आरोपियों द्वारा शराब बनाने के लिये बड़ी मात्रा में स्प्रीट तथा अन्य सामान कहां से ला रहे थे इस संबंध में भी गहनता से पूछताछ जारी है। मुलजिम शैलेन्द्र सिंह राठौड व योगेश भाण्ड के विरूद्ध पूर्व में भी लूट, मारपीट व शराब तस्करी के आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

जिला स्पेशल टीम तथा साकेत नगर थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- भारी मात्रा में स्प्रीट से निर्मित अंग्रेजी शराब, मशीनें, खाली बोतलें, पव्वे तथा देशी-विदेशी अंग्रेजी शराब के लेबल बरामद किये
- किराये के मकान में अन्दर लगा रखा था स्प्रीट से निर्मित अंग्रेजी शराब का कारखाना

साइबर ठगी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

1 करोड़ 81 लाख 16 हजार रूपए का हिसाब मिला

बालोतरा पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में तीन जनों को गिरफ्तार किया।

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस व डीएसटी टीम ने गुरुवार को साइबर ठगी के मामले में तीन जनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने साइबर ठगी में प्रयुक्त पांच मोबाइल, नेटवर्क राउटर, विभिन्न बैंकों के एटीएम, पासबुक, चैक बुक, हिसाब-किताब रजिस्टर व 1 करोड़ 81 लाख 16 हजार 922 सौ रूपए का हिसाब जब्त कर साइबर ठगी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बालोतरा पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा साईबर ठापराधों की रोकथाम, साईबर अपराध प्रकरणों, परिवादों के त्वरित निस्तारण एवं साइबर जागरूकता के लिए चलाये जा रहे विषेष अभियान "साईबर शील्ड" के तहत गोपालसिंह भाटी आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा एवं सुशील मान आरपीएस, वृताधिकारी बालोतरा के निकटतम सुपरविजन में ओमप्रकाश निपु. थानाधिकारी बालोतरा के नेतृत्व में गठित टीम व डीएसटी बालोतरा की सूचना अनुसार साइबर ठगी में उपयोग लिये जा रहे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, विभिन्न बैंकों के एटीएम, बैंक डायरियां, करोड़ों के हिसाब-किताब सहित आरोपी भंवरलाल, लक्ष्मण कुमार व आईदानराम को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार आठ जनवरी को डीएसटी बालोतरा से सूचना प्राप्त हुई कि जरखेश्वर बगीची से आगे एक किराये के मकान में तीन युवक मोबाइल फोन, नेट का राउटर, बैंक चैक बुकें, एटीएम कार्ड इत्यादि सामग्री के साथ साइबर ठगी का काम कर रहे है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस थाना बालोतरा की पुलिस टीम द्वारा जरखेश्वर बगीची के पास रहवासीय मकान पर दबिश देकर आरोपी भंवरलाल, लक्ष्मण कुमार व आईदानराम को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी द्वारा षड़यंत्रपूर्वक योजना बनाकर धोखाधड़ी करने के आशय से ऑनलाईन सोशल साईट, इंटाग्राम व फैसबुक एड आदि पर कस्टमरों को गैम खेलने का झांसा देकर उन्हें प्रेरित कर मोबाइल उपकरणों का उपयोग कर रूपये हड़पना पाया जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपियों से साइबर ठगी के संबंध में जांच जारी है। पुलिस ने भंवरलाल पुत्र गेनाराम जाट निवासी दानपुरा पुलिस थाना गिड़ा जिला बालोतरा, लक्ष्मण कुमार पुत्र नगाराम जाट निवासी पटाली नाडी, रतेउ पुलिस थाना गिड़ा जिला बालोतरा, आईदानराम पुत्र तुलछाराम जाट सिंगोड़िया पुलिस थाना नागाणा जिला बाड़मेर को गिरफ्तार किया है।

- पुलिस ने एक रहवासी मकान में दबिस देकर तीनों आरोपियों को पकड़ा
- ऑनलाइन सोशल साईटों पर कस्टमरों को गैम खेलने का झांसा देते थे

झूठी एफआईआर लिखने पर एस.पी को हाईकोर्ट की फटकार

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने बाड़मेर कोतवाली थाने में दर्ज एक एफआईआर को फेक करार देते हुए बाड़मेर पुलिस अधीक्षक को फटकार लगाते हुए कोर्ट में हाजिर रहकर जवाब तलब किया है। साथ ही कहा है कि पुलिस अधिकारी आमजन के हितों की रक्षा के लिए है, उन्हें ये अधिकार नहीं है कि अपने व्यक्तिगत द्वेष के लिए झूठी एफआईआर दर्ज कर कानून हाथ में लें, उससे खेलने का अधिकार नहीं है। चाहे आरोपी की पूर्व में आपराधिक पृष्ठभूमि रही हो। साथ ही हाईकोर्ट ने कहा कि तथ्यों को देखकर प्रतीत होता है कि बाड़मेर पुलिस ने अपने पद और पॉवर का इस्तेमाल कर झूठा मामला परिवादी पर थोपा है।

पूरा मामला पिछले साल 28 मार्च का है। पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर में बताया गया कि बाड़मेर शहर के राजकीय अस्पताल के आगे से दिनदहाड़े ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार होकर आए कुछ बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर लिया, जिसकी तलाश में पुलिस के साथ बाड़मेर एसपी नरेंद्र सिंह मीणा खुद अपहृत युवक की दस्तयाब और आरोपियों को पकड़ने में लगे थे। इसी दौरान शहर के चौहटन चौराहे के पास बाड़मेर एसपी को एक ब्लैक कलर की बिना नंबरी स्कॉर्पियो गाड़ी दिखाई दी। गाड़ी को रुकवाने का प्रयास किया, लेकिन, ड्राइवर ने बाड़मेर एसपी और उसमें सवार ड्राइवर और गनमैन को जान से मारने की नियत से सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। उसके बाद आरोपी स्कॉर्पियो लेकर फरार हो गया। बाद में पुलिस ने शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर एक गांव में स्कॉर्पियो को बरामद कर लिया था। हालांकि, इस गाड़ी में सवार लोगों का अपहरण की वारदात से संबंध नहीं था। बरामद स्कॉर्पियो में शैलेन्द्र सिंह नाम के युवक के पहचान पत्र भी बरामद हुए थे। इसी आधार पर बाड़मेर एसपी के आदेश पर वाहन चालक की रिपोर्ट के आधार पर शैलेन्द्र सिंह के खिलाफ पुलिस थाना कोतवाली में मामला दर्ज किया गया, जिसके खिलाफ शैलेन्द्र सिंह ने हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसके बाद कोर्ट ने एफआईआर नंबर 175/2024 पर कार्रवाई को स्थगित कर दिया है।

जोधपुर हाईकोर्ट के न्यायाधीश फरजंद अली ने पेश किए गए वीडियो फुटेज और तस्वीरों की जांच के बाद पाया कि वाहनों के बीच कोई टक्कर नहीं हुई थी। यह मामला झूठे सबूत गढ़ने का प्रतीत होता है। कोर्ट ने अपराध की संभावना को लेकर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा और कोतवाली थानाधिकारी लेखराज सियाग को शपथ पत्र के माध्यम से स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों से पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाए, मामले की अगली सुनवाई 28 जनवरी को होगी, जिसमें अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया गया है।

- एफआईआर को फेक करार देते हुए बाड़मेर एसपी को जवाब तलब किया

ई-मित्र कियोस्कों का निरीक्षण

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में आमजन को योजनाओं का लाभ और ई-मित्र कियोस्कों पर बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की टीम ने गुरूवार को ई-मित्र कियोस्कों का औचक निरीक्षण किया। संयुक्त निदेशक पवन नानकानी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जिले के चार ई-मित्र कियोस्क धारकों के यहां सेवाओं की दर सूची और को-ब्रांडेड बैनर नहीं पाए गए। नियमानुसार इन कियोस्क धारकों पर पेनल्टी लगाकर कार्यवाही की गयी। निरीक्षण के दौरान एसीपी (उपनिदेशक) आबिद हुसैन अंसारी और सूचना सहायक निरंजन खोईवाल भी उपस्थित थे।

कड़िया गैंग के अपराधियों को गिरफ्तार किया

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता पुलिस ने कड़ियां गैंग के अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों का कई अपराधिक रिकॉर्ड पूर्व में भी दिल्ली, राजगढ़, मध्यप्रदेश, केकड़ी सहित कई जगह दर्ज है।

मेड़ता थानाधिकारी धर्मेश दायमा ने बताया कि मेड़ता निवासी नमिता टांक ने मेड़ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनसे कुछ महिलाएं बाजार में उनसे टकराई। टकराने के बाद उन्होंने देखा कि उनका पर्स जिसमें करीब 1800 रुपए थे गायब हो गया। जिसकी मेड़ता पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर नागौर पुलिस अधीक्षक नारायण टोगश के निर्देश पर पालना करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार व मेड़ता पुलिस वृताधिकारी रामकरण मलिंडा के नेतृत्व में एक टीम तैयार की। टीम ने जगह-जगह सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें चार महिलाएं संधिग्ध पाई गई, जिससे पूछताछ की और आधार कार्ड मांगा तो संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनको पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया, जहां गहन पूछताछ पर उनका सम्बंध कड़ियां गैंग से निकला जो भीड़भाड़ इलाके, बस स्टैंड, मार्केट में जाकर अपने काम को अंजाम देते थे, जिनको पकड़े जाने पर पता चला कि इन पर काफी मुकदमे पूर्व में दिल्ली, मध्यप्रदेश सहित कई स्टेट में पहले ही हैं।

थानाधिकारी दायमा ने बताया कि आरोपी राधिका पत्नी चेतन चमार सिसोदिया निवासी कड़ियां, जुली पत्नी बादल, रामकली पत्नी मोहर, ज्योति पत्नी पदमसिंह को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से इनको पीसी रिमांड पर भेजा गया। इनको पकड़ने में मेड़ता थाने का मुख्य योगदान रहा।

मेड़ता पुलिस ने कड़िया गैंग के अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

- अपराधियों पर दिल्ली, राजगढ़, मध्यप्रदेश, केकड़ी सहित कई जगह मामले दर्ज हैं

गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप

अजमेर, (कासं)। उर्स के मौके पर दरगाह क्षेत्र के अंदरकोट में गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि पुलिस द्वारा गैस सप्लाई वाले वाहनों को रोके जाने पर समस्या खड़ी हुई है। गैस एजेंसी संचालक नवनीत सिंह चौहान का कहना रहा कि दरगाह वैकल्पिक मार्ग पर तैनात यातायात पुलिसकर्मी गैस सिलेंडर से भरे वाहनों को अंदरकोट क्षेत्र में प्रवेश नहीं होने दे रहे। इस कारण 6 जनवरी से क्षेत्र में सिलेंडर की सप्लाई नहीं हो पा रही है। चौहान का यह भी कहना है कि समस्या के समाधान के लिए स्थानीय जिला प्रशासन से गुहार लगाई गई थी लेकिन समाधान नहीं हो सका। अब शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद गैस सिलेंडर की सप्लाई सुचारू रूप से शुरू कर दी जाएगी। इधर गैस सप्लाई ठप होने की वजह से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं ब्लैक में गैस सिलेंडर बेचने वालों की होड़ लगी है और इसका भार उपभोक्ताओं की जेबों पर पड़ रहा है।

कार में शराब तस्करी करते दो गिरफ्तार

पुलिस ने कार में शराब तस्करी करते दो आरोपितों को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की हमीरगढ़ थाना पुलिस ने कार में शराब तस्करी करते दो आरोपितों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से कार व चार पेटी शराब जब्त की है।

हमीरगढ़ थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान हमीरगढ़ की ओर से आई एक स्वीफ्ट कार को रोका। तलाशी लेने पर उसमें चार पेटी शराब मिली, जिसे पुलिस ने कार सहित जब्त कर लिया। शराब की इन पेटियों में पव्वे भरे थे। पुलिस ने इस मामले में बीलिया कलां निवासी सांवरनाथ योगी (21) पुत्र शिवनाथ व धर्मराज गुर्जर (19) पुत्र किशन गुर्जर को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

अज्ञात युवक की सिर कुचली तीन दिन पुरानी लाश मिली

शरीर का कुछ हिस्सा जानवरों ने नौंच डाला था

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित ईको पार्क के पास एक अज्ञात युवक की सिर कुचली। तीन दिन पुरानी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। शरीर का कुछ हिस्सा जानवरों ने नौंच डाला था। ऐसे में शव की पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पहचान के लिए शव अभी मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है।

हमीरगढ़ थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि ईको पार्क में मवेशी चराने गई महिलाओं ने बुधवार शाम एनिकट के नजदीक भैंरूजी के रास्ते पर स्थित खाई में एक युवक की लाश देखी, जो बदबू मार रही थी। महिलाओं ने इसकी जानकारी ईको पार्क गार्ड के जरिये हमीरगढ़ पुलिस को दी। इस पर थाना प्रभारी सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और मौका स्थल का मौका मुआयना किया। वहां खाई में एक युवक की लाश पड़ी थी, जो दो से तीन दिन पुरानी होकर सड़-गल चुकी थी। उसका चेहरा कुचला हुआ था। शरीर का कुछ हिस्सा जानवरों ने नौंच डाला। सिंह ने बताया कि मामला प्रथमदृष्टया युवक की सिर कुचलकर हत्या करना प्रतीत हो रहा है। पहचान के बाद ही स्थिति साफ हो पायेगी। उन्होंने बताया कि मृतक की उम्र 25 से 30 साल के बीच की है। वह मेहंदी रंग का पायजामा और प्रिंटेड शर्ट पहने हैं। पुलिस ने शव को एमजी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाते हुये मृतक की पहचान के प्रयास शुरु कर दिए हैं।

हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवक की लाश मिली।

अजमेर विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण तोड़े

पीड़ित ने आरोप लगाया कि एडीए द्वारा उसे कोई नोटिस नहीं दिया गया था

अजमेर, (कासं)। अजमेर विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा गुरुवार को वैशाली नगर स्थित पेट्रोल पंप के सामने बने एक अवैध निर्माण पर पीला पंजा चला कर ध्वस्त कर दिया। यह कार्यवाही मार्गाधिकार नियमों के तहत की गई। प्राधिकरण की तहसीलदार सुनीता के नेतृत्व में अधिकारियों और भारी पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाया। वहीं पीड़ित ने आरोप लगाया कि एडीए द्वारा उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया और कार्यवाही अंजाम दी।

अजमेर विकास प्राधिकरण के मीडिया प्रभारी व उपायुक्त सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि गुरुवार को वैशाली नगर स्थित पेट्रोल पंप के सामने बने एक अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान भारत गैस गोदाम के आगे बने एक आवासीय मकान का लगभग 10 फीट हिस्सा गिराया गया। मकान मालिक मनोज का कहना है कि उनके पास 1987 में नगर सुधार न्यास द्वारा स्वीकृत नक्शा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राधिकरण ने बिना किसी पूर्व नोटिस के कार्रवाई कर रहे हैं। इस कार्रवाई को लेकर मकान मालिक में आक्रोश है। मकान मालिक मनोज ने कहा कि उन्हें कोई सूचना या नोटिस नहीं दिया गया। यह कार्रवाई पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है, मेरे पास निर्माण का वैध नक्शा है। वहीं मीडिया प्रभारी शर्मा ने बताया कि मनोज डिडवानिया के पास 1097 वर्गगज भूमि आवंटन की गई थी, मौके पर इसके अलावा अवैध कब्जा भी किया गया था, जिसे आज ध्वस्त कर दिया गया।

गौरतलब है कि पिछले दिनों प्राधिकरण और नगर निगम ने भी क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए कई भवनों को सीज किया था। यह कार्रवाई उसी अभियान का हिस्सा मानी जा रही है। इस दौरान भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। मौके पर मौजूद प्राधिकरण की तहसीलदार सुनीता ने कार्रवाई को लेकर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

एडीए ने जेसीबी से मकान की दीवार को ध्वस्त किया।

- एडीए द्वारा यह कार्यवाही मार्गाधिकार नियमों के तहत की गई

मालपुरा में अमृत महोत्सव जम्बूरेट का ध्वज पहराकर किया शुभारम्भ

500 से अधिक स्काउट, 300 से अधिक गाइड ले रहे है हिस्सा

मालपुरा (निस) राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाईड स्थानीय संघ मालपुरा की और से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालपुरा खेल मैदान पर आयोजित जिला स्तरीय स्काउट गाईड अमृत महोत्सव जम्बूरेट प्रतियोगिता रैली का शुभारम्भ गुरूवार को उप जिला मजिस्ट्रेट अमित कुमार चौधरी व स्काउट सीओ गिरिराज गर्ग एवं गाईड सीओ आचु मीणा,सीबीईओ बाबूलाल गुप्ता ने स्काउट ध्वज पहरा कर शुभारम्भ किया।

रघुवीर सिंह ने बताया कि मालपुरा में आयोजित हो रहे जिला स्तरीय अमृत महोत्सव जम्बूरेट प्रतियोगिता रैली में 500 से अधिक स्काउट 300 से अधिक गाइड, 200 से अधिक शिक्षक व प्रशिक्षक भाग ले रहे है। स्कुल खेल मैदान पर बडे भाग मे स्काउट पेट्रोलिंग तम्बू व अस्थाई आवास बनाये गये है एवं 9 से 13 जनवरी तक आयोजित जम्बूरेट मे 11 जनवरी को नगर भ्रमण,जनचेतना रैली,ईको क्लब प्रतियोगिताऐं एवं 12 जनवरी को स्काउट गाईड प्रदर्शनी व दर्शक दिवस समारोह का आयोजन होगा तो 13 जनवरी को समापन समारोह मे होगा पुरस्कार वितरण।

मालपुरा में आयोजित जिला स्तरीय स्काउट गाइड जम्बूरी का एसडीएम अमित कुमार चौधरी ने झण्डारोहण कर शुभारम्भ किया।

■ 13 जनवरी को समापन समारोह मे होगा पुरस्कार वितरण।

जिलेभर से बडी संख्या मे पहुंचे स्काउट गाईड के झण्डारोहण समारोह मे कई हेरतअंगेज प्रदर्शन किया तो अतिथियो ने स्काउट गाईड के 75 वें स्थापना दिवस अमृत महोत्सव के उपलक्ष मे आयोजित जम्बूरी मे मार्च फास्ट की सलामी ली। इस दौरान समारोह मे सीनियर सैकेण्डरी स्कुल मालपुरा प्रधानाचार्या अल्का पारीक व चांदसेन प्रधानाचार्य किशन टेलर सहित अतिथियो का आयोजको की और से स्काउट बैच लगा स्काउट स्कार्फ पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया ।

151 गर्भवती व बच्चों का टीकाकरण

कोटपूतली। खण्ड कोटपूतली में गुरूवार 09 जनवरी को बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर के नेतृत्व में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस अभियान का आयोजन किया गया। उक्त अभियान प्रतिमाह 09, 18 व 27 तारीख को प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित किया जाता है।

जिसका मुख्य उद्देश्य हाईरिस्क में आने वाली महिलाओं को चिन्हिकरण करने में किया जाता है, ताकि उन महिलाओं को प्रसव के दौरान मातृ मृत्यु से बचाया जा सकें। अभियान के तहत एएनसी पंजीकरण, फॉलोअप, टीकाकरण, एनिमिया की पहचान कर उनका उपचार किया जाता है। बीपीएम विजय तिवाड़ी ने बताया कि गर्भवती महिलाओं में से जो महिलायें द्वितीय व तृतीय त्रिमाही में चल रही है, उनकी कम से कम एक सोनोग्राफी जांच मान्यता प्राप्त निजी सोनोग्राफी केन्द्र पर निरूशुल्क करवाई जा रही है। ब्लॉक कोटपूतली में गुरूवार को 41 वाउचर जनरेट कर सोनोग्राफी करवाई गई। ताकि गर्भावस्था में होने वाली संभावित जटिलताओं को समय पूर्व पता लगाकर मातृ एवं शिशू मृत्यु दर में कमी लाई जा सकें।

स्कूलों का औचक निरीक्षण

टोंक में एसीबीईओ ने स्कूलों का औचक निरीक्षण किया।

टोंक। टोंक ब्लॉक के अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने सरकारी स्कूलों में चल रहे पढाई विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कार्यक्रम के तहत सोनवा, अरनिया माल, ऊम, काबरा व झालरा सीनियर सैकेंडरी विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शर्मा ने विद्यार्थियों को पढ़ाई विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम के फायदों से अवगत कराया, साथ ही प्रधानाचार्यो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

साइबर जागरूकता कार्यक्रम हुआ

पावटा। पुलिस मुख्यालय द्वारा अयोजित सड़क सुरक्षा माह मे जिला कोटपुतली बहरोड पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के सुपरविजन मे सड़क सुरक्षा माह के तहत भाबरु थाना पुलिस द्वारा यातायात सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाबरु थाना पुलिस एएसआई भोला राम व हेड कांस्टेबल सिकंदर द्वारा ग्राम बागावास अहिरान व आंतेला मे सडक़ सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत यातायात नियमों से संबंधित जानकारी दी गई।

कचरा निस्तारण के निर्देश दिए

सांभरझील, (निसं)। सांभर उप कारागृह के नजदीक डंपिंग यार्ड में एकत्रित कचरे से उठ रही बदबू व पर्यावरण प्रदूषण की बढ़ती संभावना के मद्देनजर न्यायिक अधिकारी के निर्देश पर अब इसके निस्तारण के लिए खुद अधिशाषी अधिकारी शिवराज कृष्णा ने जिम्मेदारी ली है।

अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजीत कुमार हिंगर द्वारा कुछ समय पूर्व जेल का निरीक्षण किये जाने के समय जेल के समीप स्थित डम्पिंग यार्ड से उत्पन्न बदबू के मामले में संज्ञान लेकर इस संदर्भ में डम्पिंग यार्ड के कचरे के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए थे। इसी संदर्भ में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सांभर द्वारा अधिशाषी अधिकारी फुलेरा को शीघ्रता से डम्पिंग यार्ड के कचरे के निस्तारण के संबंध में कार्यवाही कर पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा था। बताया गया कि तत्कालीन अधीशाषी अधिकारी के द्वारा डम्पिंग यार्ड में पडे हुए कचरे के निस्तारण का कार्य फर्म को दिया गया है। शिवराज कृष्णा ने जवाब दिया कि डम्पिंग यार्ड में मशीनरी स्थापित कर निस्तारण का कार्य करीब एक माह में पूर्ण करवा दिया जाएगा।

न्यायाधीश अरविन्द कुमार जांगिड़ के द्वारा गुरुवार को सायंकाल यार्ड का अधिशाषी अधिकारी शिवराज कृष्णा की उपस्थिति में निरीक्षण किया गया। बताया गया कि डम्पिंग यार्ड स्थल पर कचरे के निस्तारण हेतु मशीन स्थापित कर दी गई है तथा निस्तारण कार्य जारी है। ।

तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई । निवाई थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरे हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर तीनों के चालकों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि डीवाईएसपी मृत्यंजय मिश्रा के निर्देशन में गठित टीम ने झिलाय रोड पर स्थित मॉडल विद्यालय व कृषि महाविद्यालय के समीप नाकाबंदी की। इस दौरान अवैध बजरी से भरे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली आ रहे थे। पुलिस नाकाबंदी देखकर चालकों ने ट्रैक्टर ट्रॉलियों को साईड में खडा कर भागने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस के जवानों ने उनकों पकड़ कर पूछताछ की तो उन्होंने वैध कागजात नहीं होना बताया जिस पर पुलिस ने चालक कंवरपाल गुर्जर व राहुल गुर्जर दोनों निवासी मण्डावर पुलिस थाना बरोनी व जगराम गुर्जर निवासी सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया।

गणतंत्र दिवस पर मांस की बिक्री पर प्रतिबंध

टोंक। जिले में पशुपालन विभाग द्वारा 14 से 31 जनवरी तक पशु कल्याण पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा।

संयुक्त निदेशक डॉ. छोटूलाल बैरवा ने बताया कि पखवाड़े में विभाग द्वारा जीव जंतुओं के प्रति प्रेम, करूणा व दया भाव जागृत करने की दृष्टि से पशु चिकित्सा संस्थाओं द्वारा बांझ निवारण एवं चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाकर पशुओं को संक्रामक रोगो से बचाव के लिए टीकाकरण, कृमिनाशक औषधि पिलाना आदि कार्य किये जाएंगे। साथ ही, गणतंत्र दिवस, सर्वोदय दिवस एवं शहीद दिवस के अवसर पर पशु-पक्षियों का वध तथा मांस आदि की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। संयुक्त निदेशक डॉ. बैरवा ने विभाग के समस्त पशु चिकित्सालय प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वह पखवाड़े के तहत अपनी संस्थाओं में संगोष्ठी का आयोजन करें साथ ही, गौशालाओं में पशुओं का टीकाकरण, पशुपालकों के पशुओं को संक्रामक रोगों के बचाव के लिए कृमिनाशक औषधि एवं आक्सीटोसीन का टीका लगाएं। खेलियों की सफाई कर उन्हें जल से भरना, पशु पखवाड़े पर वाद-विवाद, चित्रकलां एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाना सुनिश्चित करेंगे।

इसके साथ ही, पशुओं से मनुष्य में होने वाले रोगों के बारे में पशु पखवाड़े के माध्यम से पशुपालकों को इसकी जानकारी देकर अपनी सार्थक भूमिका निभाएं। संयुक्त निदेशक डॉ. बैरवा ने कहा कि पशु कल्याण पखवाड़े के दौरान लोक स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पशु पक्षियो की जान के खतरे को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सौम्या झा ने धातु निर्मित मांझा नायलोन, प्लास्टिक मांझा, चायनीज मांझा जो सिंथेटिक, टौक्सिक मेटेरियल, आयरन पाउडर, ग्लास पाउडर का बना हो के थोक एवं खुदरा बिक्री तथा उपयोग को टोंक जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधित किया है। संयुक्त निदेशक ने कहा कि पशुपालक पशुओं को गाड़ी में जोतकर उन पर क्षमता से अधिक भार ना ढोहे। संयुक्त निदेशक ने जिले के समस्त पशुचिकित्सकों को निर्देशित किया है कि वे पशुओं को संक्रामक रोगो से बचाने के लिए टीकाकरण, कृमिनाशक एवं औषधि पिलाना सुनिश्चित करेंगे।

'मोबाइल पर बैंक सम्बंधी जानकारी नहीं दें'

कोटपूतली। स्थानीय हंस कॉलेज में गुरूवार को पुलिस द्वारा सडक सुरक्षा माह जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों को सडक सुरक्षा व साईबर क्राईम के संबंध में जागरूक किया गया।

डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक ने कहा कि साईबर अपराध के शिकार होने से बचने के लिये मोबाईल और संचार साधनों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सोशल साईट्स एप के उपयोग से पहले उनकी प्राईवेसी जरूर चैक करनी चाहिये। मोबाइल पर किसी को भी अपने बैंक खाते व एटीएम से संबंधित जानकारी ना देवें। ऑनलाईन शॉपिंग करते समय भी सजगता बरतनी चाहिये। हनी ट्रेपिंग जैसे मामलों में लोगों को इस तरह की ठगी के प्रति जागरूक रहना चाहिये। आधार कार्ड के द्वारा भी साईबर ठगी के मामले बढने लगे हैं। साईबर क्राईम से बचने हेतु राज्य सरकार के हैल्पलाईन नम्बर 1930 पर कॉल कर सकते है। थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि वाहन चलाते समय यातायात के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें, अन्यथा जुर्माना व जानमाल की क्षति हो सकती है। नशा करना स्वयं के साथ-साथ संपूर्ण समाज के लिये हानिकारक है। नशा प्रवृत्ति अपराधों को बढ़ावा देती है। अत: विद्यार्थी सभी प्रकार के व्यसनों से दूर रहें।

प्राचार्य डॉ. एस. के. शर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि हमें एक स्वस्थ एवं अपराध रहित समाज के निर्माण हेतु प्रयासरत रहना चाहिये। हमारे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले सभी प्रकार के लोगों, साधनों व तरीकों से दूर रहना चाहिये। अच्छे लोगों की संगत रखें और अपना उत्तम चारित्रिक विकास करें। पर्वतारोही प्रदीप यादव, प्रिया कुमारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। हंस लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रेमप्रकाश यादव ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन दयानन्द माण्डैया ने किया। इस दौरान सुनील सैनी, मुकेश सैनी, सुनील कुमार, डॉ. मन्नु कुमारी, राजवीर यादव, ममता यादव, गजानन्द यादव, विजय सिंह, कालूराम सैनी, हेमन्त सैनी आदि मौजूद रहे। इसी प्रकार जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यन्त के निर्देशानुसार सडक सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। एएसपी वैभव शर्मा के निर्देशन में ट्रैफिक इंचार्ज रामकिशोर द्वारा जगह-जगह स्कूल, कॉलेज, बाजार में नुक्कड़ सभा कर यातायात नियमों के संबंध में जानकारी देकर लोगों को जागरुक किया गया। इसी प्रकार निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस द्वारा यातायात नियमों व साईबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। थाना पुलिस की टीम द्वारा कॉलेज व स्कूल के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों व साईबर सुरक्षा के संबंध में जानकारी देकर जागरुक किया गया।

कार्य बहिष्कार किया

पावटा। विराटनगर पावटा खंड कार्यालय के अधीन कार्यरत पीएचईडी विभाग के अधीनस्थ ठेकेदार द्वारा लगाए गए कर्मचारियों को पेयजल योजना के संचालन में पीएचईडी के अधिकारियों की उदासीनता के चलते दो साल से वेतन नहीं मिला है। इससे आक्रोशित कर्मचारियों ने बुधवार को हड़ताल कर कार्य का बहिष्कार कर दिया।

इसके चलते काम ठप होने से पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। जिसके चलते कस्बे सहित कई गांवों की पानी की सुबह के समय होने वाली सप्लाई बाधित रही। बुधवार को पेयजल योजना से लाभांवित कस्बे सहित कई गांवों की जलापूर्ति नहीं की गई। इसका मुख्य कारण पेयजल सप्लाई को संचालित करने वाले कर्मचारियों को 24 माह से वेतन नहीं मिलना है। वेतन नहीं मिलने से आक्रोशित कर्मचारियों ने बुधवार से पेयजल सप्लाई बंद कर हड़ताल शुरू कर दी। संविदा कर्मचारी मुकेश, रोहिताश, कपिल, कुलदीप, महेंद्र, श्रीराम, मोती लाल, शिवशंकर, रामकरण, सिराज, अजय, शाहरुख, प्रह्लाद आदि मौजूद रहे।

477 ग्राम डोडा पोस्त चूरा जप्त, आरोपी गिरफ्तार

सांभरझील (निसं)। युवा वर्ग में बढते नशे की प्रवृति के कारण हो रहे पतन को देखते हुए अवैध नशा कारोबार मे संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध ऑपरेशन नॉक आउट के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए मौसमवाद पुलिस ने एक जने को गिरफ्तार कर उसे कब्जे से 477 ग्राम मादक पदार्थ जप्त किया है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा की ओर से इस संबंध में अभियान चलाएं जाकर अपराधियों की धर पकड़ करने के निर्देश प्रदान किए थे।

विशेष अभियान के दौरान रजनीश पूनियां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जिला जयपुर ग्रामीण, शिवलाल बैरवा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू, दीपक खण्डेलवाल वृताधिकारी दूदू के निकटतम सुपरविजन तथा थानाधिकारी मौजमाबाद संजय प्रसाद के नेतृत्व में कार्यवाही हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम की ओर से सूत्रों से सूचना संकलन कर मुखबीर खास की इतला पर नासनोदा शराब ठेके के पास थड़ी के पास पुलिस टीम पंहुची तथा वहां पर एक व्यक्ति तेजपाल खारोल को थड़ी पर चाय की केतली में अवैध मादक बेचते हुये को पकडा तथा उसके कब्जे से एक एल्यूमीनियम केतली में 477 ग्राम अवैध डोडा पोस्त चूरा को जब्त कर आरोपी तेजपाल खारोल को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीबद्ध कर अनुसंधान शुरू किया गया है। पुलिस ने बताया कि जिला जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ का कारोबार करने वाले कारोबारियों के खिलाफ आगे भी निरन्तर ऑपरेशन नॉक आउट अभियान के तहत इसी प्रकार कार्यवाही जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपी तेजपाल खारोल पुत्र रामचन्द्र जाति खारोल उम्र 38 साल निवासी नासनोदा थाना मौजमाबाद जिला जयपुर का रहने वाला है।

अनुष्ठान की पूर्णाहुति

निवाई । सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे सन्त निवास नसिंया जैन मंदिर में आर्यिका विशेष मति माताजी, आर्यिका श्रुतमति माताजी व आर्यिका सुबोध मति के सानिध्य में 7 दिवसीय सवा लाख गणधर वलय जाप्य अनुष्ठान का गुरुवार को समापन किया गया जिसमें 23 परिवारों द्वारा सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जाप्य में भाग लिया।

जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं त्रिलोक रजवास ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ पूजार्थियो ने भगवान शांतिनाथ जी के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। इस दौरान अनुष्ठान के अवसर पर सोधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य पारसमल बंटी चैनपुरा को मिला एवं विधान के यज्ञनायक बनने का सौभाग्य प्रेमचंद राजेश कुमार सांवलिया को मिला। इस दौरान सवा लाख मंत्रित जाप कलश लेने का सौभाग्य राजेन्द्र कुमार व दिलीप कुमार बगड़ी को प्राप्त हुआ।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

विधायक व कलेक्टर ने चेतना के परिजनों को 5 लाख की राशि का चैक दिया

मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत 5 लाख रुपए का चैक दिया

कोटपूतली। किरतपुरा बोरवेल प्रकरण में जिला प्रशासन का संवेदनशील प्रयास करते हुए न्यूनतम समय में परिजनों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से गुरूवार को कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल तथा जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल द्वारा घर जाकर परिजनों को सहायता राशि प्रदान की गई, यह सहायता राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत की गई है, जिसमें बालिका चेतना के पिता भूपेंद्र चौधरी को कोटपूतली विधायक तथा जिला कलेक्टर द्वारा 5 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया तथा परिजनों का ढांढस भी बंधाया।

जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि प्रशासन की सहायता शाखा के द्वारा इस प्रकरण में सहायता प्रदान करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई हैं तथा विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता तुरंत प्रदान की गई इसके साथ ही उन्होंने मौजूद ग्रामीणों से अपने क्षेत्र में खुले बोरवेल तथा कुओं को बंद करने की भी अपील की। इस दौरान कोटपूतली उपखंड अधिकारी बृजेश चौधरी, परिजन तथा स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। ट्रांसपोर्ट वाउचर स्कीम का लाभ मिलेगा : कोटपूतली स्थानीय राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत छात्राओं को अब घर से कॉलेज आने-जाने का बस किराया राज्य सरकार द्वारा ट्रांसपोर्ट वाउचर स्कीम के तहत दिया जायेगा। महाविद्यालय से 10 किलोमीटर से ज्यादा दूरी से आने जाने पर 20 रुपये किराया दिया जायेगा। कॉलेज छात्राओं को उनके बैंक खाते में सरकार द्वारा ट्रांसपोर्ट अलाउंस का पैसा ट्रांसफर करेगी। कॉलेज द्वारा छात्राओं से आवेदन में खाते की डिटेल भरवाई जायेगी, उसी बैंक में यह पैसा ट्रांसफर किया जायेगा।

कोटपूतली के किरतपुरा में बोरवेल में गिरने से मृत बालिका चेतना के पिता को विधायक हंसराज पटेल (बांए से चौथे) ने 5 लाख रूपये की राशि का चैक दिया ।

प्राचार्य डॉ. आर. के सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में मासिक न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति वाली छात्रायें ही इस ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना का लाभ लेने की पात्र होगी। उपस्थिति आधार आधारित बायोमेट्रिक मशीन द्वारा संधारित की जायेगी। नोडल अधिकारी डॉ. मधु नागर ने बताया कि किसी भी योजनान्तर्गत नि:शुल्क छात्रावास/आवास हेतु अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाली छात्रायें इस ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना का लाभ लेने की पात्र नहीं होगी। तथा उक्त योजना का लाभ अधिकतम 180 शिक्षण दिवस 06 माह के लिये दिया जायेगा। साथ ही राज्य सरकार की किसी भी योजनान्तर्गत ट्रांसपोर्ट का लाभ लेने वाली छात्रायें इस ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना का लाभ लेने की पात्र नहीं होगी।

सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक/ज.वि.प्रा./उपा./ जोन-4/2024/डी-4230 दि. 26.12.2024

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आवेदिकागण श्रीमती सुनिता जैन पत्नी श्री शान्ति लाल जैन एवं श्रीमती श्रेष्ठा कुलकर्णी पुत्री श्री शान्ति लाल जैन द्वारा तोपखाना देश गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना कनिष्क कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 9 का नाम हस्तान्तरण करने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया गया है। पूर्व में तोपखाना देश गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना कनिष्क कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 9. क्षेत्रफल 277.27 वर्गगज का पटटा श्री शान्ति लाल जैन पुत्र श्री गणेश मल बाफना के पक्ष में क्रमांक 18 दिनांक 04.03.2002 को जारी किया गया। तत्पश्चात श्री शान्ति लाल जैन पुत्र श्री गणेश मल बाफना की मृत्यु दिनांक 12.04.2024 को हो चुकी है। श्री शान्ति लाल जैन पुत्र श्री गणेश मल बाफना की मृत्यु के पश्चात आवेदिका द्वारा अपने नाम भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण हेतु राशन कार्ड एवं वारिसों के संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में आवेदिकागण द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों के आधार पर आवेदिकागण के पक्ष में उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करने की कार्यवाही करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदिकागण के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-4
जविप्रा, जयपुर।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री अशोक कुमार मीणा पुत्र स्व. श्री सरदार सिंह मीणा, उम्र 49 वर्ष, निवासी- सरदार सिंह बाज़ार, गाँधी पथ पश्चिम, सेवन हेवन के पास, जयपुर राजस्थान मेरा पुत्र पवन कुमार मीणा पुत्र श्री अशोक कुमार मीणा, उम्र 27 वर्ष, व पुत्रवधु आरती मीणा, पौत्री प्रांजल (परी) मीणा मेरे कहने में नहीं है, आये दिन झगडते है व मेरी चल व अचल सम्पत्ति को हड़पना चाहते है। इसलिए मैं इनको मेरी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ, अगर कोई भी व्यक्ति, संस्था इनसे कोई संव्यवहार, क्रय विक्रय करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं रहेगी अब इन तीनों का भविष्य में मेरा व मेरे परिवार का कोई सम्बन्ध नहीं रहेगा। सूचित रहे।

भवदीय
जयपुर (मुकेश मीणा/श्रीमती संतोष मीणा)
दिनांक 9.1.205 एडवोकेटस, मो. नं. 9829826094

नगर निगम जयपुर, हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पास)
सार्वजनिक सूचना दिनांक: 09.01.2025

मूल भूखण्ड सं. डी-264, दुर्गा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर का पट्टा श्री राजरतन प्रताप राय गिरधारीलाल पुत्र श्री गिरधरलाल को दिनांक 09.06.1944 को 1817 व.ग. का पट्टा जारी किया गया था। श्री गूजरमल खुल्लर के नाम से दिनांक 13.01.1982 को उपविभाजन किया गया। दिनांक 22.11.2023 को श्री राजीव खुल्लर पुत्र श्री प्रेम कुमार खुल्लर के नाम से 410.83 व.ग. का नाम हस्तान्तरण किया गया । श्री राजीव खुल्लर पुत्र श्री प्रेम कुमार खुल्लर द्वारा दिनांक 11.12.2023 को जरिये विक्रय पत्र श्री सुशील कुमार दुग्गड पुत्र स्व. श्री बिमल सिंह दुग्गड को 410.83 व.ग. बेचान किया गया। श्री सुशील कुमार दुग्गड पुत्र स्व. श्री बिमल सिंह दुग्गड द्वारा विक्रय पत्र के आधार पर आवेदन प्रस्तुत कर भू. सं. डी-264ए का नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन पेश किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त लैण्ड शाखा) में प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। उपायुक्त (लैण्ड), नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

न्यायालय पंच निर्णायक एवं उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, जयपुर (शहर)
कमरा नं. 608, पांचवी मंजिल, मिनी सचिवालय, बनी पार्क, जयपुर
क्रमांक: 10010 **विज्ञप्ति नोटिस** दिनांक:- 09/01/25
(राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा 60 एवं नियम 2003 के नियम 79)

राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा 58 के अन्तर्गत श्रीमती पुष्पा देवी बनाम हयरोई गढ़ी गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर व अन्य के विरूद्ध उक्त भूखण्ड सं. 55, कैलाश कॉलोनी, रीको इण्डस्ट्रीयल एरिया, सांगानेर टाउन, जयपुर, आवासीय योजना 311.11 वर्गगज के संबंध में न्यायालय में एक वाद विचाराधीन है। अतः इस अंतिम नोटिस द्वारा प्रतिवादी सं. 01 हयरोई गढ़ी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर, प्रतिवादी सं. 02. रीको, इण्डस्ट्रीय एरिया, मानसरोवर, जयपुर, प्रतिवादी सं. 03. नवल किशोर शर्मा पुत्र श्री नामालूम, निवासी-डी-20, मीरा मार्ग, दुध मिष्ठान भण्डार के पीछे, राम मार्ग, बनीपार्क, जयपुर, राजस्थान, प्रतिवादी सं. 04 गणेश नारायण निठाला पुत्र नामालुम, निवासी मकान नं. 254, 255, हिम्मत नगर, टोंक रोड, जयपुर, राजस्थान, प्रतिवादी सं. 05 रमेश गुर्जर पुत्र नामालुम, निवासी-20ए, जय अम्बे कॉलोनी, सोड़ाला, जयपुर, राजस्थान, प्रतिवादी सं. 06 सीताराम मीना पुत्र नामालुम, निवासी प्लॉट नं. ई-267, लाल कोठी, योजना जयपुर, राजस्थान एवं प्रतिवादी सं.07 कैलाश मीना पुत्र श्री सीताराम मीना, निवासी-267, लालकोठी योजना जयपुर, राजस्थान को सुचित किया जाता है कि उक्तवाद प्रकरण के संबंध में संबंधित पक्षकारान नोटिस प्रकाशन के 15 दिवस में के भीतर-भीतर उपस्थित होकर अपना जवाब/ साक्ष्य मय दस्तावेज न्यायालय उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जयपुर (शहर), मिनी सचिवालय, बनीपार्क, जयपुर में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें अन्यथा प्रतिवादीगण के जवाब/ साक्ष्य प्रस्तुत नहीं करने पर पत्रावली में उपलब्ध रिकॉर्ड/ दस्तावेज के आधार पर एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए निर्णय जारी कर दिया जावेगा। सूचित रहें।

(हरप्रीत कौर) पंच निर्णायक एवं उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जयपुर (शहर)

SHRI MAHESHWARI DIAGNOSTIC CENTER
(श्री माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा संचालित)
P-10A, "KRISHANDHAM" (Basement),
Sector-2, Vidhyadhar Nagar,
Jaipur-302039 (Raj.) Ph.:+91-141-2230511
Mob. : +91 7976420180, 7976453416

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर (श्री माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा संचालित) पी-10 ए. सेक्टर-2, उत्सव भवन के पास, विधाधर नगर, जयपुर.302039 में वर्ष अगस्त 2019 तक के सोनोग्राफी एवं लैब के दस्तावेज नष्ट किये जा रहे है। किसी व्यक्ति को इन दस्तावेजों से संबंधित कोई जानकारी चाहिये तो कृपया 10 दिन के अंदर डायग्नोस्टिक सेन्टर प्रशासन से संपर्क करे। उसके बाद डायग्नोस्टिक सेन्टर की इन दस्तावेजों के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। उसके उपरांत दस्तावेजों नष्ट कर दिये जायंगे।

दिनांक:09.01.2025 आज्ञा से
श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

सम्मन बनाम कायम मुकाम
आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत समक्ष किराया अधिकरण
मुकाम क्रम-2 महसनगर प्रथम जयपुर
रामेश्वर बनाम रियाज मौ.
दावा बाबत अर्जी धारा-9
मुकद्दमा नं. ....सन्..

बनामः-
मुसम्मी अखलाब वल्द मौ. इम्तियाज कौम मुसलमान साकिन चीनी की बुर्ज गणगौरी बाजार जयपुर

चूंकि....... ने इस अदालत में तारीख.... माह .... सन्20....को 1. रामेश्वर बनाम 2. रियाज मौ.. दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि ......मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्की ....मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. ..बनाये जावें। लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1...... आपको तारीख 05 माह 02 सन् 2025 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 09.01.205 को जारी किया गया

मोहर अदालत
आज्ञा से रीडर
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश
अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
क्रम सं. 5 किराया अधिकरण द्वितीय

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्याक 4
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी
स्थान कि. रेनवाल
गणपतलाल विरूद्ध भंवरी देवी वगै.
वाद/प्रार्थना पत्र आदेश 9 नियम 4
प्रार्थना पत्र संख्या .... सत्र

नाम मंजू देवी पुत्री गंगाराम जाति कुम्हार (कुमावत) पता खाटूवालों की ढाणी, कि.रेनवाल जिला - जयपुर उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि ..... अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 29 माह 01 सन् 2025 को 10. 00 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 13 माह 12 सन 24 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत
आज्ञा से
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
किशनगढ़ रेनवाल जिला जयपुर ग्रामीण

नाम परिवर्तन

मैं कमला कँवर धर्मपत्नी श्री अर्जुन सिंह शेखावत निवासी-प्लॉट नं. 44, शान्ति नगर, खिरणी फाटक के पास, झोटवाडा, जयपुर राजस्थान मेरे पति सेवानिवृत आर्मी के सर्विस व पेशन रिकॉर्ड (PPO आर्डर No. ए/106524/87) में मेरा नाम कमला देवी गलत दर्ज है। भविष्य में मुझे कमला कँवर के नाम से जाना जावे।

मैं HAV. सुरेश कुमार पुत्र स्व. जगदीश निवासी-गांव-नैहचाना, जिला-रेवाड़ी, हरियाणा ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपनी माताजी का नाम रूपवती देवी से बदलकर रूपवती व जन्मतिथि 01-01-1958 कर लिया है।

मैं कमला कंवर धर्मपत्नी श्री अर्जुन सिंह शेखावत निवासी-प्लॉट नं. 44, शान्ति नगर, खिरणी फाटक के पास, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान मेरे पति सेवानिवृत आर्मी के सर्विस व पेशन रिकॉर्ड (PPO आर्डर No. S/106524/87) में मेरा नाम कमला देवी गलत दर्ज है। भविष्य में मुझे कमला कंवर के नाम से जाना जावे।

मेरा नाम Mira Gupta Bhagwan Sahai Gopta से बदलकर अपना नामMeera Gupta W/o Bhagwan Sahai Gupta रख लिया है भविष्य में मुझे Meera Gupta W/o Bhagwan Sahai Gupta के नाम से जाना जावे। पता-34-A बसंत विहार कालोनी, 80 फीट रोड़ वैशाली नगर (पश्चिम) पॉच्यावाला जयपुर।

मैंने अपना नाम विनय कुमार गुप्ता से बदलकर विनय गुप्ता रख लिया है। भविष्य में मुझे विनय गुप्ता के नाम से जाना जावें। पता-ए-80, शिव शक्ति नगर, जगतपुरा रोड, मालवीय नगर, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 03.2024

विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र ।

प्रार्थी- नाम पुनीत गुप्ता पुत्र स्व. श्री प्रीतम कुमार गुप्ता जाति वैश्य विवार स्थान जयपुर मृतक प्रीतम कुमार गुप्ता की सम्पत्ति के विषय में। पेशी दिनांक 12.02.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी /प्रार्थीगण में इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम प्रीतम कुमार गुप्ता पुत्र श्री रिधनारायण गुप्ता जाति वैश्य निवासी एम-242, आशियाना उत्सव, माचवा चम्पापुरा जयपुर (राजस्थान) 303706

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 02 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होग।

आज दिनांक 18 माह 12 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत
आज्ञा से
एडमिनिस्ट्रेटर जनरल,
राजस्थान जयपुर

कार्यालय नगर निगम, जयपुर हैरिटेज
जलेबी चौक, बड़ी चौपड़, जयपुर
क्रमांक :- अधि0 अभि0 (मु0) हैरिटेज/2024/583 दिनांक :- 09/01/2025

ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मु0) 89 से 92/2024-25

केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर हैरिटेज के निविदादाओं से अधि0 अभि0 (मु0) द्वारा सम्बन्धित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmcheritage.org.com, eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No:- JMC2425WSOB01116, 01117, 01118, 01119 पर भी देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/24/10122 अधिशाषी अभियन्ता (मु0) नगर निगम जयपुर हैरिटेज

कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं के साथ प्रदेश के नेताओं की भी मति भ्रमित हुई : जवाहर सिंह बेढ़म

जयपुर। गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कांग्रेसी नेताओं पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व कभी आलू से सोना निकालता है तो कभी काली दाल-पीली दाल में अंतर तक नहीं कर पाता। ऐसे में जिस तरह केंद्रीय नेतृत्व सारहीन बातें करता है, ठीक उसी तर्ज पर प्रदेश के कांग्रेसी नेताओं की मति भी भ्रमित हो गई और ये लोग जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे है। कांग्रेसी नेता अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए जनता को गुमराह करते हुए बयानबाजी कर रहे है। एसआई भर्ती को लेकर कांग्रेसी नेता लगातार बयानबाजी कर रहे है, इससे यह तो साबित हो गया कि पुर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई एसआई भर्ती में गडबड़ी हुई। यह एसआई भर्ती मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है इस लिए इसके संबंध में कुछ कहना उचित नहीं होगा। हम भ्रष्टाचार मुक्त शासन, अपराध मुक्त राजस्थान और विकास की दृष्टि से नंबर वन राजस्थान बनाएंगे।

बेढ़म ने कहा कि उपचुनावों में कांग्रेस पांच में से एक पर आई और भाजपा ने एक बढ़त बनाते हुए पांच सीटों पर विजय प्राप्त की, यह जनता को गुमराह करने का परिणाम है। कांग्रेसी नेताओं को यह तय करना चाहिए कि इनकी आपसी सिर फुटव्वल लड़ाई को समाप्त कर सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाए। कांग्रेस नेता कहते है कि विधानसभा में देखेंगे, लेकिन जनता ने इनको मैदान में देख लिया। कांग्रेसी नेता अपनी ही पार्टी में अपनी राजनीति कैसे चमकाई जाए, इसको लेकर मीडिया में लगातार बयानबाजी कर रहे है।

गृहराज्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। गरीबों को, किसानों को, महिलाओं को और युवाओं के विकास को केंद्रीत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहे है। भाजपा का ध्येय, कत्तर्व्य और संकल्प है कि इन वर्गों का उत्थान करके राजस्थान को विकास की दृष्टि से नंबर वन बनाएंगे और 2047 के विकसित भारत में राजस्थान का नाम सर्वोच्च होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के पहले ही साल में सफल राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन कर अपने नेक इरादों को भी जनता के सामने रख दिया। भाजपा सरकार से समिट में 35 लाख करोड़ के एमओयू किए गए, वहीं दूसरी ओर पुर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किए गए एमओयू धरातल पर उतरे तक नहीं।

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के राज में गहलोत की नाक के नीचे राजधानी में महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं होती रही, एक या दो नहीं 17 पेपरलीक हुए, कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के सहयोग से बस में परीक्षार्थियों को नकल कराई गई थी लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार ने पेपरलीक गिरोह को सलाखों के पीछे पहुंचाने के साथ संगठित अपराधों पर नकेल कसने का कार्य किया। हाल ही में बीज निगम के पेपर को लीक करने का प्रयास किया गया, लेकिन भजनलाल सरकार ने 14 माफियाओं को गिरफ्तार कर लिया। यहां अगर कांग्रेस की सरकार होती तो यह पेपर भी लीक हो जाता। उन्होंने कहा कि मैं राजस्थान के युवाओं को विश्वास दिलाता हूं कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार युवाओं को 4 लाख सरकारी और 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लिए कटिबद्ध और संकल्पबद्ध है। ऐसे में युवाओं से आव्हान करता हूं कि कांग्रेसी नेताओं के बयानों में गुमराह या भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है।

गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म गुरूवार को प्रेस से रुबरु हुए।

- 'कांग्रेस नेता अनर्गल बयानबाजी कर जनता को कर रहे है गुमराह'
- 'कांग्रेस पार्टी में अपनी राजनीति चमकाने के लिए ये कर रहे है बयानबाजी'

चिकित्सा विभाग में मिशन मोड में भर्तियां

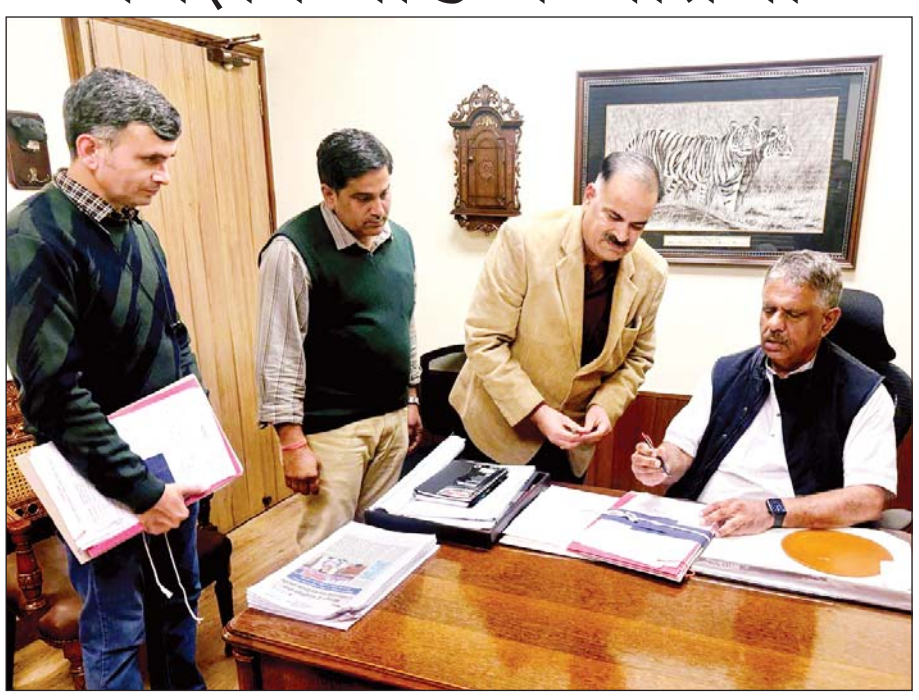

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश पर गुरूवार को विभाग ने नर्सिंग ऑफिसर के 7674 अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश जारी किये।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर भर्तियों के कार्य को मिशन मोड में पूरा किया जा रहा है। रिकॉर्ड समय में 7 कैडर के 17 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण किया गया है। चिकित्सा विभाग ने गुरूवार को पारदर्शी तरीके से राज हैल्थ पोर्टल के माध्यम से नर्सिंग ऑफिसर के 7 हजार 674 अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश जारी कर दिए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि विभाग में विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसी कड़ी में नर्सिंग ऑफिसर के 7674 अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश आज जारी किए गए हैं।

निदेशक अराजपत्रित राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के माध्यम से 8 कैडर के करीब 20 हजार 546 पदों पर नियमित भर्ती का कार्य किया जा रहा है। मिशन मोड में कार्य करते हुए अल्प समय में सात कैडर दंत तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन, लैब टेक्नीशियन, नेत्र सहायक, सहायक रेडियोग्राफर, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं नर्सिंग ऑफिसर के करीब 17 हजार पदों पर भर्ती का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि 20 हजार 546 पदों में से अब केवल फार्मासिस्ट कैडर की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होना शेष है, जिसे जल्द पूरा किए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

विधानसभा में पहली बार मनाया गया अध्यक्ष का जन्म दिवस

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी के जन्म दिवस (11 जनवरी) के चार दिवसीय कार्यक्रमों की गुरुवार से राजस्थान विधान सभा में विधानसभा कर्मियों द्वारा आयोजित सुंदरकांड, महाआरती और रक्तदान जैसे पावन व सनातन कार्यक्रमों से शुरुआत हुई। विधान सभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक यूनुस खान, गोपाल लाल शर्मा, अमीन कागजी, हरिमोहन शर्मा, अमित चाचाण, कैलाश वर्मा, अर्जुनलाल जीनगर, रामविलास मीणा, जेठानंद व्यास. भागचंद टांकडा, नरेन्द्र बुडानिया, थावर चंद, राधेश्याम बैरवा, सुश्री रीटा चौधरी, श्रवण कुमार सहित सभी दलों और निर्दलीय विधायकों और पूर्व विधायक नवरंग सिंह व पवन दुगल सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण और अधिकारीगण व कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ, पुष्पमाला, पौधा और स्मृति चिन्ह भेंटकर उन्हें बधाई एवं स्वस्थ व सुदीर्घ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

- नेता प्रतिपक्ष सहित सभी दलों के विधायकों ने देवनानी को दी जन्म दिवस की बधाई
- देवनानी के जन्म दिवस के चार दिवसीय कार्यक्रमों की भव्य शुरुआत

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी के जन्म दिवस के अवसर पर गुरुवार को राजस्थान विधान सभा में विधानसभा कर्मियों द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

राजस्थान विधानसभा में अधिकारियों व कर्मचारियों ने अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के जन्म दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर हर्षोल्लास व सनातन परम्परा के अनुसार विधान सभा में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर सादगी से मनाया। विधानसभा स्थित श्रीविधानेश्वर महादेव मंदिर में पंडित के. के. शर्मा के नेतृत्व में सुंदरकांड, पूजा-अर्चना और महाआरती की गई। देवनानी ने सुंदरकांड और महाआरती में शामिल होकर शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश, प्रदेश व विधानसभा की खुशहाली की कामना की। विधानसभा कर्मियों के साथ अध्यक्ष श्री देवनानी ने पौष बड़ा प्रसादी भी ग्रहण की।

विधानसभा में रक्तदान शिविर राजस्थान विधान सभा कर्मचारी सहकारी बचत एवं साख समिति ने स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक और जयपुर हॉस्पिटल, लाल कोठी के सहयोग से विधानसभा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विधानसभा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने रक्तदान कर 82 यूनिट रक्त एकत्रित किया। अध्यक्ष देवनानी ने प्रमाण-पत्र और फल भेंट कर रक्तदाताओं को सम्मानित किया।

विधान सभा में पहली बार किसी अध्यक्ष का जन्म दिन समारोह पूर्वक मनाया गया। देवनानी को राजस्थान विधान सभा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनके जन्म दिन की 76वीं वर्षगांठ पर 76 किलो फूलों की विशाल माला पहनाकर उनका मध्य अभिनन्दन किया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि एकादशी के दिन उनका जन्म होने पर उनकी माताजी ने 11 जनवरी के दिन को उनकी अधिकारिक जन्मतिथि तय की थी। उन्होंने कहा कि विधान सभा में सुंदरकांड और महाआरती का सामूहिक आयोजन सराहनीय प्रयास है। सभी अधिकारी व कर्मचारी मिलकर विधान सभा के कार्यों को बेहतरीन तरीके से पूरा करें। उन्होंने कहा कि विधान सभा संचालन की सही दिशा में प्रगति, प्रदेश के विकास के लिये आवश्यक है।

देवनानी ने कहा कि विधान सभा में कार्य करने के भरपूर अवसर होते हैं। यहां कार्यों को सरल बनाने के लिए नवाचार किये जाने की पूरी सम्भावनाएं है। यहां के अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से ही वे विधान सभा में नवाचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नवाचारों की श्रंखला से विधानसभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधान सभा बनने जा रही है। 16वीं विधान सभा के तृतीय सत्र में सदन नये कलेवर में दिखाई देगा। विधान सभा का सदन अब हाईटेक और गुलाबी रंग में दिखाई देगा।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के तहत 9 जनवरी को ऑनलाइन पहला प्रश्न प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि नेवा सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के तहत विधान सभा को पहला प्रश्न बारां जिले के किशनगंज विधान सभा क्षेत्र से विधायक ललित मीणा ने ऑनलाइन भेजा है। देवनानी ने कहा कि अब सभी विधायक विधानसभा संबंधी कार्यों का अब ऑनलाइन सम्पादन कर रहे है। उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश के लिए यह शुभ संकेत है।

अवैध गांजा परिवहन करते तीन जने गिरफ्तार

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना पुलिस ने गुरुवार को एनडीपीएस एक्ट मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए डीडवाना से पुष्कर जाने वाले हाइवे पर होटल के सामने नाकाबंदी के दौरान पिकअप से अवैध गांजा परिवहन करते तीन लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस ने आरोपियों के बैग से 5 किलो 840 ग्राम गांजा बरामद किया है। साथ ही पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त पिकअप जब्त की।

जानकारी के अनुसार डीडवाना थाना पुलिस पुष्कर हाइवे पर नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान एक पिकअप की तलाशी में 5 किलो 840 ग्राम गांजा पकड़ा गया। परिवहन करने वाले तीनों आरोपी गोविन्दराम, हुक्माराम व मुकेश को गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपी खुनखुना थाना क्षेत्र के बेड़वा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है, यह यह जानने की कोशिश कर रही है कि आरोपी कब से नशे का अवैध धंधा कर रहे हैं और कहां सप्लाई करने वाले थे और कहां से नशे की खेप लाई जा रही थी।

राज्य सरकार ने नियुक्त किए जिलों के प्रभारी मंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में राज्य सरकार ने आदेश जारी कर विभिन्न जिलोंके प्रभारी मंत्री नियुक्त किये हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर व ब्यावर एवं उपमुख्मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा भीलवाड़ा व राजसमन्द के प्रभारी मंत्री नियुक्त किये गए हैं। वहीं केबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल अलवर व खैरथल-तिजारा, गजेन्द्र सिंह बीकानेर व जैसलमेर, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ दौसा, मदन दिलावर जोधपुर व फलौदी, कन्हैयालाल नागौर व डीडवाना-कुचामन, जोगाराम पटेल जयपुर, सुरेश सिंह रावत भरतपुर व डीग, अविनाश गहलोत चुरू व झुन्झुनू, सुमित गोदारा श्री गंगानगर व हनुमानगढ़, जोराराम कुमावत बाड़मेर व बालोतरा, बाबूलाल खराड़ी बांसवाडा व डूंगरपुर इनके साथ ही हेमन्त मीणा उदयपुर व सलुम्बर के प्रभारी मंत्री नियुक्त किये गए हैं।

- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी अजमेर व ब्यावर एवं उपमुख्मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा भीलवाड़ा व राजसमन्द के प्रभारी मंत्री नियुक्त

राज्यमन्त्री संजय शर्मा सीकर, गौतम कुमार कोटा व सवाई माधोपुर, झाबर सिंह खर्रा पाली, हीरालाल नागर टोंक व बूंदी, ओटा राम देवासी झालावाड़ व बारां, डॉ. मंजू बाघमार प्रतापगढ़ व चित्तोड़गढ़, विजय सिंह कोटपूतली-बहरोड़, के. के. बिश्नोई सिरोही व जालोर एवं जवाहर सिंह बेढम करौली व धोलपुर के प्रभारी मंत्री रहेंगे।

जी.एस.टी. से भाजपा ने टैक्स आतंकवाद फैलाया : खेड़ा

जयपुर। कांग्रेस के मीडिया एवं कम्युनिकेशन प्रमुख पवन खेड़ा ने जयपुर में जीएसटी को गब्बर सीतारमण टैक्स की संज्ञा दी और कहा कि इसके जरिए केंद्र की भाजपा सरकार ने टैक्स आतंकवाद फैलाया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह डरपोक और कायरों की सरकार है। पीएम नरेंद्र मोदी सबसे बड़े कायर हैं, जो बिना टेलिप्रॉम्पटर के एक शब्द भी नहीं बोल पाते हैं।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि देश में जीएसटी लागू हुए 90 महीने हो चुके हैं। इस बीच कमोबेश हर दिन इसे लेकर एक नया सर्कुलर निकला है। जीएसटी का आधार सरलीकरण था, लेकिन यह कैसा सरलीकरण है कि 90 महीने में हर दिन एक नया सर्कुलर निकाला गया। उन्होंने कहा कि लोकसभा सत्र से पहले कांग्रेस जीएसटी का मुद्दा उठा रही है ताकि जब सदन चले तो सबका ध्यान इस तरफ जाए।

युवा अपने को और बेहतर बनाने की कोशिश हमेशा जारी रखें : राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर। युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हम सभी को अपने आप को और बेहतर बनाने की कोशिश हमेशा जारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा अपने पर पूरा भरोसा रखें। वे अपने ज्ञान से हर मुश्किल को आसान बना सकते हैं।

कर्नल राठौड़ गुरुवार को एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के तहत नई दिल्ली जा रहे युवाओं के दल से संवाद कर रहे थे। यह दल 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगा। दल में कुल 71 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनका चयन विभिन्न प्रतियोगिताओं के आधार पर किया गया है। ये युवा राष्ट्रीय स्तर पर लोक नृत्य, लोक गायन, कविता पाठ, कहानी लेखन, भाषण और चित्रकला आदि कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। कर्नल राठौड़ ने इस दल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

युवा मामले एवं खेल मंत्री ने इन युवाओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के एम्बेसडर्स की भूमिका में होंगे। आपके प्रदर्शन और व्यवहार के जरिए लोग राजस्थान का आंकलन करेंगे। साथ ही, आपके प्रदर्शन से प्रदेश का मान-सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आपको पूरी क्षमता से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना है। हार या जीत मायने नहीं रखती, लेकिन जो भी हमने सीखा है उसका श्रेष्ठ प्रदर्शन होना चाहिए।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की छवि प्रधानमंत्री द्वारा बताई गई रिस्पॉंसिबल, रिलायबल और राइजिंग राजस्थान की बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कई लोग अभावों में भी खुश रहते हैं। हमें जीवन में खुशी की तलाश करनी चाहिए। युवा मामले एवं खेल मंत्री ने कहा कि युवाओं का राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में आना व्यर्थ नहीं जाएगा, बल्कि यहां से अर्जित ज्ञान से वे अपने आप को बेहतर बना पाएंगे।

- राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में कर्नल राठौड़ ने 71 प्रतिभागियों के दल को नई दिल्ली रवाना किया

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने संवाद कार्यक्रम में युवाओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

कर्नल राठौड़ ने इससे पूर्व नई दिल्ली जा रहे दल के युवा सदस्यों से आत्मीयता से संवाद किया। इस दौरान विकास से लेकर विरासत, नवीन तकनीक से लेकर कृषि और विज्ञान से लेकर कला पर युवाओं से अपने विचार व्यक्त किए। युवा मामले एवं खेल मंत्री ने युवाओं के विचारों और उनके आत्मविश्वास की जमकर सराहना की। युवाओं ने विश्वास दिलाया कि वे राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का परचम लहराएंगे।

कार्यक्रम के पश्चात् युवा मामले एवं खेल मंत्री ने बनस्थली विद्यापीठ की छात्राओं द्वारा तैयार की ऑटोनोमस वाटर सरफेस क्लीनिंग बोट (भारत एक्वा बोट) का प्रदर्शन देखा। छात्राओं ने बताया कि यह बोट आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से नदियों आदि के जल की सफाई में कारगर साबित होगी। कर्नल राठौड़ ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के सचिव राजेन्द्र सिंह, युवा मामले एवं खेल विभाग की उप सचिव अनीता मीणा एवं राजस्थान यूथ बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश पहाड़िया उपस्थित रहे।

सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के द्वितीय दिन गुरुवार को भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में संभागवार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 'विकसित भारत' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में युवाओं ने तकनीक, युवा एवं महिला विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, कला एवं संस्कृति के संरक्षण और भारत के गौरवशाली इतिहास आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं, चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कल्पना से विभिन्न विषयों को कैनवास पर उकेरा। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 12 जनवरी को पुरस्कृत किया जाएगा।

मांगों के समर्थन में ए.बी.वी.पी. के छात्रों का जमकर हंगामा

उदयपुर, (कासं)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन पर गुरूवार को एबीवीपी के छात्र चढ़ गए और जमकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय में पिछले कुछ दिनों से संविदा कर्मचारियों की हड़ताल चल रही थी। उनकी समस्याओं के निदान के लिए बुधवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में विज्ञान महाविद्यालय के डीन महेन्द्र सिंह ढाका ने संविदा महिला कर्मचारियों के अभद्र व्यवहार किया। वहीं दूसरी और संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए कमेटी का गठन नहीं हो सका। इस पर गुरूवार को एक बार फिर संविदाकर्मी हड़ताल पर चले गए। इस बार इन कर्मचारियों के समर्थन में विश्वविद्यालय में स्थाई रूप से कार्य करने वाले सभी कर्मचारी भी आ गए और प्रशासनिक भवन सहित महाविद्यालयों में पूरी तरह से कामकाज ठप्प कर दिया गया। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में सभी कर्मचारियों ने इकठ्ठा होकर संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

- मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन पर चढ़े छात्र

वहीं दूसरी और कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय की कुलपति से विज्ञान महाविद्यालय के डीन के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की। कर्मचारियों ने कहा कि डीन महेन्द्र सिंह ढाका के खिलाफ राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय के बोर्ड आफ मैनेजमेंट की ओर से प्रतापनगर थाने में मुकद्मा दर्ज करवाया गया है। इसके बावजूद उन्हें डीन बना देना गलत हैसंविदा कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष नारायण लाल सालवी ने बताया कि प्रशासन की ओर से उन्हें लगातार झूठा आश्वासन मिल रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से एक दिन में कमेटी का गठन करना था लेकिन नहीं हो सका। अब कर्मचारी संगठनों के साथ छात्र संगठनों का भी सहयोग मिल रहा है लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। अब विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में सभी कर्मचारियों ने इकठ्ठा होकर संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। वहीं दूसरी और कर्मचारियों ने उनके जन्म दिन की 76वीं वर्षगांठ पर 76 किलो फूलों की विशाल माला पहनाकर उनका मध्य अभिनन्दन किया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि एकादशी के दिन उनका जन्म होने पर उनकी माताजी ने 11 जनवरी के दिन को उनकी अधिकारिक जन्मतिथि तय की थी। उन्होंने कहा कि विधान सभा में सुंदरकांड और महाआरती का सामूहिक आयोजन सराहनीय प्रयास है। सभी अधिकारी व कर्मचारी मिलकर विधान सभा के कार्यों को बेहतरीन तरीके से पूरा करें। उन्होंने कहा कि विधान सभा संचालन की सही दिशा में प्रगति, प्रदेश के विकास के लिये आवश्यक है।

इधर अखिल भारतीय संयुक्त कर्मचारी संगठन अध्यक्ष भरत व्यास ने बताया कि कुलपति सुनीता मिश्रा ने ऐसे व्यक्ति को डीन बनाया है जिनके खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन उच्च अधिकारियों को यह समझा नहीं पा रहा है कि संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को विश्वविद्यालय में चलने वाले सेल्फ फाइनेंस कोर्स से होने वाली आय से भुगतान किया जाता है।

युवक को जेसीबी से टक्कर मारकर घायल किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित सिंदरी के बालाजी चौराहे के पास बीती रात बाइक सवार युवक को जेसीबी से टक्कर मारने के बाद उस पर तलवार व सरियों से हमला कर गंभीर घायल कर दिया। घायल युवक को एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

कीरखेड़ा निवासी शंभुलाल कीर ने बताया कि उसके भाई शंकरलाल (42) पुत्र गोदूलाल कीर ने दो दिन पहले जेसीबी व ट्रैक्टर को गांव में धीरे चलाने को लेकर उलाहना दिया था। इसी बात को लेकर बीती रात को जब उसका भाई शंकर तस्वारिया रोड़ से आ रहा था, तभी सिंदरी के बालाजी चौराहे पर जेसीबी से शंकर की बाइक को टक्कर मार दी। जेसीबी हरजी चला रहा था। इसके बाद हरजी, शंभु व इनके दो बेटों ने तलवार व सरियों से शंकर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शंकर को गंभीर हालत में एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया गया। शंकर के पिता गोदू ने चारों आरोपितों के खिलाफ सुभाष नगर थाने में रिपोर्ट दी है।

मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह अगला व्यक्ति (कप्तान) हो सकता है। क्योंकि वह आगे बढ़कर लीड करता है। उनके अंदर एक बहुत ही अच्छी छवि है, जो लीडर की है। - सुनील गावस्कर

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बारे में दिग्गज ओपनर सुनील गावस्कर ने अपने विचार रखें।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्मृति मंधाना

वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम स्मृति मंधाना की कप्तानी में आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही पहली महिला द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस लय को कायम रखना चाहेगी। भारत ने वेस्टइंडीज को वनडे श्रृंखला में 3-0 से और टी20 में 2-1 से हराया। मंधाना ने दोनों प्रारूपों में सर्वाधिक रन बनाये जिसमें वनडे श्रृंखला में 148 और टी20 में 193 रन शामिल है। मंधाना उसी फॉर्म को आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में जारी रखना चाहेंगी। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की गैर मौजूदगी में वह कप्तानी की भी जिम्मेदारी संभालेंगी।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल में पहली हैट्रिक करने का श्रेय फीफा अमेरिका के बेट्रेम को जाता है, वहीं कुछ लोग अर्जेंटीना के गुलिरेमा स्टे विल को यह सम्मान देते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस के चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने पर संशय, टखने में चोट है

नई दिल्ली, 9 जनवरी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पर संशय है। उनके टखने में चोट है, जिसके लिए उन्हें स्कैन करवाना होगा। ऑस्ट्रेलिया के चीफ सिलेक्टर जॉर्ज बैली ने पैट कमिंस की फिटनेस को लेकर अपडेट दिया है।

बैली ने बताया, पैट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं, जिसके लिए अभी ब्रेक पर हैं। उनके टखने में हल्की चोट है। अगले सप्ताह उनका स्कैन होगा, जिसके बाद हमें उनकी चोट की स्थिति का पता चलेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या कमिंस चैंपियंस ट्रॉफी में खेल पाएंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। स्कैन की रिपोर्ट देखने के बाद ही फैसला लिया जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने पैट कमिंस की कप्तानी में हाल ही में भारत के खिलाफ 3-1 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से जीती थी। कमिंस में टीम के टॉप विकेट टेकर थे। उन्होंने 2023 में अपनी टीम को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया था। इंग्लैंड से ऑस्ट्रेलिया का पहला मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया का पहला मुकाबला पाकिस्तान से 22 फरवरी को होगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के साथ ग्रुप-2 में रखा गया है।

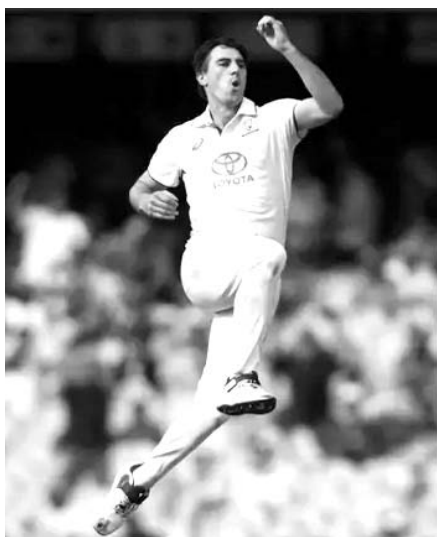

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे कमिंस

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को 16 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान किया। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस यह सीरीज मिस करेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा फाइनल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स मैदान में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचा है, लेकिन साउथ अफ्रीका पहली बार फाइनल खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में खेले गए फाइनल मैच में भारत को 209 रनों से हराया था।

पीएसपीबी इंटर यूनिट स्क्वैश चैंपियनशिप

रीवा और पारुल के बीच खिताबी टक्कर, सूरज चंद, सुभाष, अली हैदर और विश्ववर्धन पुरुष वर्ग के सेमी फाइनल में

जयपुर, 9 जनवरी। बीपीसीएल की रीवा निम्बालकर और ओएनजीसी की पारुल वसावा ने गुरुवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेली जा रही पीएसपीबी इंटर यूनिट स्क्वैश प्रतियोगिता में महिला वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमी फाइनल में रीवा ने एनआरएल की प्रज्ञा डेगा को 2-0 से और पारुल ने ओएनजीसी की ही गुरजीत कौर को 2-0 से पराजित किया।

पुरुष वर्ग में टॉप सीड बीपीसीएल के सूरज चन्द ने आईजीएल के अंकुर वर्मा को 3-0 से हरा अंतिम चार में जगह बनाई। अन्य क्वार्टर फाइनल मैचों में बीपीसीएल के सुभाष चौधरी ने ओआईएल के नितेश कुमार को 3-0 से, एनआरएल के अली हैदर ने एनआरएल के ही अनेम कारिख को 3-0 से और ओआईएल के विश्ववर्धन भाटी ने ओआईएल के ही चंदन कुमार को 3-0 से शिकस्त दे सेमी फाइनल में जगह बनाई।

सेमी फाइनल में सूरज चन्द का मुकाबला सुभाष चौधरी और अली हैदर का विश्ववर्धन भाटी से मुकाबला होगा। इस बीच वेटरन वर्ग में बीपीसीएल के राजकुमार दुबे, ओआईएल के जयंत कलिता, आईओसी के अनिवेश प्रसाद और आईओसी के ही उदित जैन ने अंतिम चार में जगह बना ली।

श्रीलंका से टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

ऑस्ट्रेलिया, 9 जनवरी। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को 16 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान किया। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ करेंगे। कमिंस दूसरी बार पिता बनने वाले हैं, इसलिए वे ब्रेक पर हैं। साथ ही वे टखने की चोट से उबर रहे हैं। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चोट लग गई थी, इस वजह से वे आखिरी मुकाबला भी नहीं खेल सके थे। श्रीलंका दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी, जिसकी शुरुआत 29 जनवरी से होगी।

कोनोली को पहली बार मौका कूपर कोनोली को पहली बार टेस्ट टीम में मौका मिला है। ओपनर नाथन मैकस्वीनी की इस दौरे से वापसी होगी। उन्हें खराब प्रदर्शन के कारण भारत के खिलाफ आखिरी दो मुकाबलों के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। सैम कोंस्टास और ब्यू वेबस्टर को अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद टीम में शामिल किया गया है। दोनों ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से डेब्यू किया था। 3 स्पेशलिस्ट स्पिनर और 3 पेसर शामिल बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमन, ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी और नाथन लियोन तीन स्पिनर्स टीम में शामिल हैं। हेड, मैकस्वीनी, वेबस्टर जैसे खिलाड़ी भी टीम के पास स्पिन के बेहतरीन ऑप्शन हैं। वहीं, मिशेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड और सॉन एबॉट तीन स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज इस दौरे पर टीम के साथ जाएंगे।

श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया टीम

स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रैविस हेड (उप कप्तान), सॉन एबट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

जानें कौन हैं? नारायण जगदीशन

नई दिल्ली, 9 जनवरी। एक ओवर में 6 चौके या 6 छक्के तो आम सी बात है, लेकिन एक ओवर में 7 चौके या 7 छक्के सोच से बाहर है। हालांकि, मौजूदा समय में खेला जा रहा विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में ऐसा कारनामा देखने को मिला है। दरअसल, भारतीय बल्लेबाज नारायण जगदीशन क्रीज पर थे और उस ओवर में कुल 7 चौके लगे जो कि अपने में ही कमाल है। विजय हजारे ट्रॉफी का दूसरा प्रीलिमिनरी क्वार्टर फाइनल राजस्थान और तमिलनाडु के बीच खेला जा रहा है। मुकाबले में तमिलनाडु के बल्लेबाज नारायण जगदीशन ने एक ओवर में 6 चौके लगाने का कमाल किया, लेकिन ओवर में लगे कुल 7 चौकों की मदद से 29 रन आए।

24 दिसंबर 1995 को तमिलनाडु के कोयंबटूर में जन्में नारायण जगदीशन भारतीय क्रिकेटर हैं। जिन्होंने 2016 में रणजी ट्रॉफी में तमिलनाडु के लिए प्रथम श्रेणी में डेब्यू किया। इस दौरान उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। वहीं नारायण जगदीशन ने वर्तमान में विजय हाजरे ट्रॉफी के इस मुकाबले में 65 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने कुल 52 गेंदों का सामना भी किया और 10 चौके लगाए। विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन में जगदीशन अब तक 6 पारियों में 60.60 के औसत से कुल 303 रन बना चुके हैं। जिसमें एक शतकीय और एक अर्धशतकीय पारी खेलने में कामयाब हुए हैं।

वहीं बता दें कि, राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में 268 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी तमिलनाडु टीम की तरफ से पारी की शुरुआत करने तुषार रहेजा और नारायण जगदीशन उतरे जिसमें दोनों ने मिलकर पहले ओवर में कुल 10 रन बनाए। इसके बाद राजस्थान की तरफ से अमन शेखावत ने दूसरा ओवर फेंका इस दौरान जगदीशन का बल्ले से रौद्र रूप देखने को मिला। इस ओवर की पहली गेंद को अमन ने वाइड फेंक दिया जो सीधे बाउंड्री पार गई। इसके बाद जगदीशन ने पॉइंट के ऊपर से चार रनबनाए, तीसरी गेंद पर फिर थर्ड मैन पर चौका आया, जबकि चौथी गेंद पर पॉइंट की दिशा में खेलते हुए चार रन बनाए। पांचवीं गेंद पर पुल जबकि ओवर की आखिरी गेंद पर जगदीशन ने फ्लिक करने के साथ उसे चार रनों के लिए भेज दिया।

हिमा दास ने 18 साल की उम्र में रच दिया था इतिहास

असम, 9 जनवरी। भारतीय एथलीट हिमा दास आज यानी की 09 जनवरी को अपना 24वां जन्मदिन मना रही हैं। हिमा दास को ढिंग एक्सप्रेस के नाम से भी जाना जाता है। वह भारतीय एथलीट हैं और विशेष रूप से 400 मीटर दौड़ में अपनी शानदार उपलब्धियों के लिए जानी जाती हैं। जिंदगी के सारे संघर्षों को मात देकर हिमा दास ने देश के लिए ऐतिहासिक मेडल हासिल किया। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एथलीट हिमा दास के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

असम के नागौन जिले में 09 जनवरी 2000 को हिमा दास का जन्म हुआ था। बता दें कि हिमा दास को गांव की गलियों से निकालकर अंतरराष्ट्रीय स्तर लाने का श्रेय उनके बचपन के कोच निपुन दास को जाता है। निपुन दास ने हिमा दास के परिवार को मनाया और उनको ट्रेनिंग के लिए उन्हें गुवाहाटी ले आए। बता दें कि हिमा दास ने अंडर-20 के 400 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीतकर खेल की दुनिया में अपना नाम बनाया। इसके बाद हिमा दास चर्चा में आ गईं और महज 18 साल की उम्र में गोल्ड मेडल जीतने के बाद उनका नाम गूंजने लगा। उन्होंने 51.46 सेकंड का समय लेकर गोल्ड मेडल जीता और दिलचस्प बात यह थी कि यह हिमा दास का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था।

दिसंबर 2020 में गुवाहाटी में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में 51.13 सेकंड का समय लेते हुए उन्होंने अंडर -20 चैंपियनशिप को बेहतर बनाया। फिलहाल हिमा दास 400 मीटर में 50.79 सेकेंड का बेस्ट रिकॉर्ड रखती हैं। साल 2018 में उन्होंने यह रिकॉर्ड इंडोनेशिया के जकार्ता में एशियाई खेलों में बनाया था। इस दौरान हिमा दास ने रजत पदक जीता था।

गोल्ड पदक जीतना एक अविश्वसनीय उपलब्धि है, लेकिन 2 महीने में 7 पदक जीतना असाधारण है। उन्होंने जुलाई और अगस्त 2019 में यूरोपीय सर्किट टूर और विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। इन स्पर्धाओं में हिमा दास के कुल पदकों की संख्या 7 थी। यह सभी मेडल गोल्ड थे। जिनमें से 5 गोल्ड मेडल 200 मीटर में और दो 400 मीटर स्प्रिंट में थे।

विजय हजारे ट्रॉफी में राजस्थान ने तमिलनाडु को हराया

राजस्थान की जीत में अभिजीत तोमर की शतकीय पारी

जयपुर, 9 जनवरी। बड़ोदा में खेली जा रही बीसीसीआई की विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी के नॉक आउट दौर में आज राजस्थान ने तमिलनाडु को प्री क्वाटर फाइनल मैच में 19 रनो से हरा कर प्रतियोगिता के क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया। राजस्थान की जीत में अभिजीत तोमर की शतकीय पारी , कप्तान महिपाल लोमरोर के अर्धशतक सहित गेंदबाज अमन सिंह शेखावत , अनिकेत चौधरी व अजय सिंह कुकना की शानदार गेंदबाजी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने सलामी बल्लेबाज अभिजीत तोमर की शतकीय पारी व महिपाल लोमरोर के ताबड़तोड़ अर्धशतक की सहायता से 267 रनो का स्कोर बनाया। अभिजीत तोमर व महिपाल लोमरोर के मध्य दूसरे विकेट के लिए 160 रनो की साझेदारी हुई। अभिजीत तोमर ने अपनी 111 रनो की शतकीय पारी में 125 गेंदों का समाना किया जिसमे 4 छक्के व 12 चोक्के लगाए। महिपाल लोमरोर ने अपनी 60 रनो की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी में 4 छक्के व 3 चोक्के लगाए। युवा कार्तिक शर्मा ने अपनी 35 रनो की तेज पारी में 28 गेंदों का सामना किया व 2 छक्के व 3 चोक्के लगाए। तमिलनाडु के गेंदबाज वरुण 52 /5 विकेट लिये।

तमिलनाडु पारी 248 आल आउट। टीम के लिए जगदीशन 65 , विजय शंकर 49 , बाबा इंद्रजीत 37 व मोह अली 34 रन बनाये।

राजस्थान के गेंदबाज अमन सिंह शेखावत , अनिकेत चौधरी , अजय सिंह कुकना व खलील अहमद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मैच में राजस्थान को शानदार जीत दिलाई। अनुभवी गेंदबाज अनिकेत व खलील के साथ युवा गेंदबाज अमन सिंह शेखावत ,मानव सुथार व अजय सिंह कुकना ने मिलकर तमिलनाडु शानदार शुरुआत के बाद शानदार गेंदबाजी करते हुए तमिलनाडु टीम को 248 रनो के स्कोर पर आल आउट करते हुए राजस्थान को जीत दिलाई। अमन सिंह शेखावत ने 60/3 , अनिकेत चौधरी 40 / 2, अजय सिंह कुकना 59 / 2 , खलील अहमद 51 /1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान के फील्डर्स ने शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए तमिलनाडु टीम के 2 बल्लेबाजों को रन आउट किया।

वरुण चक्रवर्ती वनडे डेब्यू करने को तैयार

नई दिल्ली, 9 जनवरी। अगले महीने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी खेली जानी है। इस टूर्नामेंट के लिए अभी तक बीसीसीआई ने टीम का ऐलान नहीं किया है। रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड 11 जनवरी को टीम इंडिया का ऐलान कर देगा। इससे पहले टीम को लेकर कई रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इंग्लैंड के खिलाफ वनेड सीरीज औ 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में वरुण चक्रवर्ती को मौका मिल सकता है।

2025 चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया घर पर इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। ये कंफर्म है कि जो टीम इंडिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगी, वही टीम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भी होगी। अब कहा जा रहा है कि आईपीएल और टी20 इंटरनेशनल में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले वरुण चक्रवर्ती को अब वनडे में डेब्यू का मौका मिलेगा। टीम चुने जाने से पहले वरुण चक्रवर्ती ने घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में काल का प्रदर्शन किया है। टूर्नामेंट के दूसरे प्री क्वार्टर फाइनल में वरुण ने तमिलनाडु के लिए खेलते हुए राजस्थान के खिलाफ 9 ओवर में 52 रन देकर 5 विकेट झटके हैं। वरुण विजय हजारे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में आंध्र प्रदेश की टीम का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 9 जनवरी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद और आईओए की ऐडहॉक कमेटी के तत्वावधान में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित हो रही सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में देश के विभिन्न राज्यों की टीमों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आई महिलाओं की टीमें भी अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए खूब पसीना बहा रही हैं। मैदान में चाहे प्रैक्टिस सेशन हो या फिर मैच, सभी आपसी तालमेल और बेहतर खेल का प्रदर्शन करने के लिए एक दूसरे को प्रेरित करती नज़र आ रही हैं।

महिला कोच भी उनके प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए उनको सपोर्ट कर रही है और यह पहला मौका है जब वॉलीबॉल के इस महाकुम्भ में जम्मू-कश्मीर हो या केरल, अण्डमान निकोबार हो या फिर गुजरात, सभी टीमें भारत की अनेकता में एकता की मिसाल पेश कर रही हैं। इस टूर्नामेंट के आयोजन सचिव भरत सिंह के अनुसार सेंटर फॉर एक्सीलेंस, बैंगलोर के प्रतिनिधि जो एफआईवीबी की ओर से नियुक्त किए गए हैं वे सभी टीमों और उनके खिलाड़ियों के खेल को बारीक़ी से परख रहे हैं जिससे चुनिन्दा खिलाड़ियों को इस खेल में और आगे बढ़ाने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी।

9 जनवरी के मुकाबलों में पुरुष वर्ग में आंध्र प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुद्दुचेरी ने चण्डीगढ़ को 25-20, 25-15, 25-21 से शिकस्त दी वहीं पंजाब की टीम ने त्दमन और दीव को 25-12, 25-11, 25-14 से हराया। मणिपुर ने त्रिपुरा को 25-14, 25-24, 25-18 से और महाराष्ट्र ने चण्डीगढ़ को 25-19, 25-20, 25-12 से मात दी। वहीं दिल्ली ने मिजोरम 23-25, 25-21, 25-23, 27-25 छतीसगढ़ ने सिक्किम को 25-20, 25-20, 25-22 से हराया। सर्विसेज की टीम ने रेल्वे की टीम पर 3-0 से जीत दर्ज की और स्कोर रहा 25-20, 25-21, 25-201 महिला टीमों का प्रदर्शन भी ख़ासा रहा और उड़ीसा की टीम ने उत्तर प्रदेश को 25-17, 25-14, 25-14 से हराया और पंजाब ने शानदार खेल दिखाते हुए आंध्र प्रदेश को 25-11, 25-9, 25-14 से मात दी। केरल ने एकतरफा जीत दर्ज करते हुए पश्चिम बंगाल को 25-13, 25-23, 25-16 से हराया।

41वीं एनटीपीसी सब जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

राजस्थान के खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण और 2 रजत पदक जीते

जयपुर, 9 जनवरी। जयपुर में आयोजित 41वीं एनटीपीसी सब जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के अंतिम दिन राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण और 2 रजत पदक जीते।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि आज के मुकाबले इंडियन राउंड में खेले गए, जिसमें राजस्थान की छात्र टीम ने रजत पदक जीता। साथ ही, मिक्स टीम इवेंट में भी राजस्थान ने रजत पदक हासिल किया। 30 मीटर की दूरी पर हुए व्यक्तिगत मुकाबले में राजस्थान की प्रतिभा कंडारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में शोभित जांगिड़, हिमेश युवराज, और यतिन निनामा की टीम ने कड़ी प्रतिस्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र की टीम ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। मिक्स टीम इवेंट में शोभित जांगिड़ और प्रतिभा कंडारा की जोड़ी ने झारखंड की टीम के साथ खेलते हुए रजत पदक पर निशाना साधा। झारखंड की टीम ने स्वर्ण पदक जीता।

विराट कोहली पर बयान देना नाना पाटेकर को पड़ा भारी

मुम्बई, 9 जनवरी। विराट कोहली हाल ही में खत्म हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉपी में खराब फॉर्म में दिखे थे। सीरीज के पहले टेस्ट में कोहली के बल्ले से शतक निकला था इसके बाद के बाकी चारों मैचों में कोहली बुरी तरह फ्लॉप हुए थे।

इसी बीच बॉलीवुड के मशहूर एक्टर नाना पाटेकर ने भारतीय बल्लेबाज पर बयान देते हुए कहा था कि अगर कोहली जल्दी आउट हो जाते हैं तो उन्हें खाना खाने का मन नहीं करता है। वहीं नाना के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस जमकर मजे ले रहे हैं।

साथ ही कई मजेदार मीम्स भी वायरल हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाप पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की 9 पारियों में कोहली ने कुल 190 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक भी शामिल रहा था। इस हिसाब से कोहली 9 में से 8 पारियों में जल्दी आउट होकर पवेलियन लौटे थे।

अब कोहली का जल्दी आउट होने को फैंस नाना पाटेकर के बयान से जोड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस कई तरह के मीम्स शेयर करते हुए दिख रहे हैं।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने पहले घरेलू मैच में स्पोर्टिंग क्लब बेंगलुरु को 2-1 से हराया

जयपुर, 9 जनवरी। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने सीजन के अपने बहुप्रतीक्षित पहले घरेलू मैच में शानदार वापसी करते हुए स्पोर्टिंग क्लब बेंगलुरु को 2-1 से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित इस मैच में दर्शकों से भरा स्टेडियम अंतिम 10 मिनट में राजस्थान की जीत का जश्न मनाते हुए गूंज उठा। स्पोर्टिंग क्लब बेंगलुरु ने शुरुआत से ही खेल पर दबदबा बनाया और दूसरे हाफ में एक शानदार गोल के साथ बढ़त हासिल की। हालांकि, राजस्थान यूनाइटेड ने धैर्य बनाए रखा और अपने मजबूत डिफेंस की बदौलत स्कोर को और बढ़ने से रोका।

मैच के अंतिम चरण में राजस्थान यूनाइटेड अब भी एक गोल से पीछे था। लेकिन 80वें मिनट में मार्तंड रैना ने एक शानदार शॉट लगाकर स्कोर को बराबर कर दिया, जिससे मुकाबले में फिर से जान आ गई। घरेलू दर्शकों के जोश से प्रेरित होकर राजस्थान यूनाइटेड ने विजयी गोल की तलाश जारी रखी। 88वें मिनट में जेरार्ड आर्टिगस ने अपने शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन से विपक्षी बॉक्स में घुसकर पेनल्टी अर्जित की। आर्टिगस ने इस पेनल्टी को खुद शानदार अंदाज में गोल में बदल दिया, गोलकीपर को गलत दिशा में भेजते हुए राजस्थान यूनाइटेड को बढ़त दिलाई। अंतिम सीटी बजने के साथ ही राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने ऐतिहासिक जीत हासिल कर तीन अंक अपने नाम कर लिए। इस जीत ने न केवल टीम की जुझारू भावना को प्रदर्शित किया, बल्कि आगामी सीजन के लिए एक मजबूत संदेश भी दिया। इस जीत के साथ, राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं, जिससे प्रशंसकों को टीम के भविष्य के बारे में आशावादी होने का मौका मिला है। खिलाड़ी और प्रबंधन अब अगले मुकाबले की तैयारी में जुट जाएंगे, इस यादगार शाम से मिली प्रेरणा को आगे ले जाते हुए।

मार्तण्ड रैना सेंट जेवियर्स स्कूल के कोच मोहित राजोरिया का शिष्य है। आज जिस तरह रैना ने बैक खेलते हुए भी राजस्थान यूनाइटेड की ओर से खेलते हुए 80वें मिनट में मार्तंड रैना ने एक शानदार शॉट लगाकर स्कोर को बराबर किया, उस शॉट ने मैदान में बैठे हुए दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। मार्तंड रैना की तरह जयपुर ही नही पूरे राजस्थान से भी 2 खिलाड़ियों से ज्यादा खिलाडी भी राजस्थान यूनाइटेड की ओर से खेल सकते थे अगर उन्हें चुना जाता।

MARUTI SUZUKI

NEXA

MISSED THE DECEMBER DEAL? DON'T MISS OUT AGAIN.

GRAB IT BEFORE PRICE RISE OF UP TO 4%

This is your last chance to drive home your favourite NEXA car.

CREATE. INSPIRE.

BUY A NEXA CAR & STAND A CHANCE TO WIN 2 TICKETS TO

AEG Presents and BookMyShow Live by arrangement with One Pilnix Live

Ed Sheeran

+ − = ÷ ×

2025 INDIA TOUR

3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

CONSUMER OFFERS UP TO ₹1 90 000#

EXCHANGE BONUS OF UP TO ₹1 00 000#

PER LAKH EMI STARTING FROM ₹1 475#

ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 15th January '25 or till stocks last. Applicable on available stock of 2024 models. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. #8 year funding product as per Bajaj Finance Scheme. Mentioned finance offering may vary basis customer profile, geography, credit score etc. All loans are at the sole discretion of the financer. Commercial usage vehicle's funding is not covered in the mentioned scheme.